1986-2024
39 वर्ष
स्वर्ण जयंती की ओर अग्रसर

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

स्वतंत्र चेतना

उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित

प्रयागराज
वर्ष 33,अंक 232
गुरुवार 02 मई,2024
पृष्ठ 12 ₹4.00

www.swatantrachetnanews.com

गोरखपुर, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, नई दिल्ली, हरिद्वार, वाराणसी, आजमगढ़ व अयोध्या से प्रकाशित

हमने आरक्षण नहीं हटाया, न हटायेंगेः शाह

राष्ट्रपति मुर्मू ने किये रामलला के दर्शन

स्वतंत्र चेतना

अयोध्या। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने बुधवार को अयोध्या में भगवान श्रीराम की जन्मभूमि में दिव्य मंदिर में रामलला का दर्शन पूजन किया।

- रामलला के दर्शन से पूर्व हनुमानगढ़ी में की पूजा, सरयू घाट पर आरती में हुईं शामिल

श्रीमती मुर्मू ने यहां अपने संक्षिप्त दौरे की शुरूआत प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर से की जहां उन्होने रामभक्त हनुमान जी का दर्शन पूजन किया और आरती उतारी।

बाद में उनका काफिला श्रीरामजन्मभूमि की ओर रवाना हो गया।

राष्ट्रपति ने जन्मभूमि पर दिव्य और भव्य बन रहे राम मंदिर में विराजमान रामलला का दर्शन-पूजन किया।

इससे पहले महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू का स्वागत उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल एवं कैबिनेट मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने किया।

इस अवसर पर कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

कांग्रेस दिशाहीन थी, अब नेतृत्व विहीन भी हो गई है : योगी

स्वतंत्र चेतना

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को कहा कि देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी आजादी के बाद दिशाहीन थी और आज नेतृत्व विहीन भी हो गयी है।

- कांग्रेस की नीतियां देश के अंदर नक्सलवाद व आतंकवाद का कारण बनी लेकिन आज मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद व नक्सलवाद की समस्या का समाधान हुआ है

श्री योगी ने बुधवार को कहा कि दिशाहीनता का ही दुष्परिणाम है कि कांग्रेस के तमाम नेताओं ने लगातार भारत की सभ्यता, संस्कृति को कोसने, अपमानित करने और सनातनता को हर प्रकार से बदनाम करने के कुत्सित प्रयास किए हैं। यूपीए सरकार के समय यही दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति देखने को मिली थी, जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री ने

भगवा आतंकवाद के नाम पर भारत की सनातन संस्कृति को अपमानित व दुनिया के सामने बदनाम करने की कुत्सित चेष्टा की थी। हर व्यक्ति जानता है कि कांग्रेस की नीतियां देश के अंदर नक्सलवाद और आतंकवाद का कारण बनीं।

उन्होने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद और नक्सलवाद की समस्या का समाधान हुआ है। जम्मू कश्मीर के उग्रवाद-आतंकवाद, पूर्वोत्तर की अराजकता पर भी अंकुश लग गया है। यूपीए सरकार के समय लगभग 17 राज्यों के 115-120 जनपद ऐसे थे, जो नक्सली हिंसा की चपेट में थे। उस सरकार में आतंकवाद, नक्सलवाद, उग्रवाद से लड़ने की इच्छाशक्ति नहीं थी, यही कारण था कि देश में अराजकता और अव्यवस्था थी पर अब नक्सलवाद को नियंत्रित कर लिया गया है। देश के एकाध राज्यों के दो-तीन जनपदों तक यह सीमित हो गया है। बहुत शीघ्र यहां से भी नक्सलवाद का अंत होगा।

योगी ने कहा कि पिछले दस वर्ष में देश के अंदर सुरक्षा का बेहतर माहौल बना है। आतंकवाद की जड़ जम्मू-कश्मीर में धारा-370 को पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में पूरी तरह समाप्त करते हुए जम्मू-कश्मीर को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा गया। पूर्वोत्तर के राज्यों के उग्रवाद व अराजकता को नियंत्रित करते हुए उन्हें राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ने में सफलता प्राप्त हुई। कांग्रेस सरकार भारत की सनातन सभ्यता व संस्कृति को अपमानित व बदनाम करती थी, लेकिन मोदी जी के नेतृत्व में यह दुनिया में सम्मान प्राप्त कर रही है। भारत का गौरव अब पुनर्स्थापित हुआ है।

डीआरडीओ ने किया स्मार्ट का सफल परीक्षण

भुवनेश्वर,वार्ता। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बुधवार सुबह ओडिशा के तट पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से सुपरसोनिक मिसाइल-असिस्टेड रिलीज ऑफ टॉरपीडो (स्मार्ट) प्रणाली का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। इससे नौसेना को बड़ी कामयाबी मिली है और भारत रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के मामले में एक कदम और आगे बढ़ गया है।

गोल्डी बराड़ की अमेरिका में गोलियों से भूना,लखबीर ने ली जिम्मेदारी

अमृतसर। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के मुख्य आरोपी गैंगस्टर गोल्डी बराड़ की अमेरिका में मौत हो गई है। एक अमेरिकी न्यूज चैनल ने दावा किया कि अमेरिका के फेयरमोंट और होल्ट एवेन्यू में मंगलवार (30 अप्रैल) शाम 5:25 बजे गोल्डी बराड़ को गोलियां मारी गईं। गोल्डी बराड़ अपने एक साथी के साथ घर के बाहर गली में खड़ा था। इसी दौरान कुछ बदमाश आए और गोलियां मारकर भाग गए।

एक चैनल को अमेरिकी पुलिस अधिकारी लैसली विलियम्स ने बताया कि 2 व्यक्तियों को अस्पताल में दाखिल करवाया गया था, जिसमें से एक की मौत हो चुकी है।

आईपीएल 2024

आज का मैच

हैदराबाद बनाम राजस्थान
स्थान हैदराबाद
समय रात 7.30 बजे

हिंदू विवाह पर सुप्रीमकोर्ट का अहमद फैसला

बिना रीति रिवाज व सात फेरों के वैध नहीं हिंदू विवाह

नई दिल्ली। हिंदू विवाह एक संस्कार है। इसे हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के तहत तब तक मान्यता नहीं दी जा सकती जब तक कि इसे उचित रीति रिवाज और समारोहों के साथ नहीं किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि हिंदू विवाह अधिनियम के तहत वैध शादी के लिए मैरिज सर्टिफिकेट ही पर्याप्त नहीं है। ये एक संस्कार है जिसे भारतीय समाज में प्रमुख रूप से दर्जा दिया गया है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने 19 अप्रैल को इस संबंध में अहम आदेश सुनाया। पीठ ने युवा पुरुष और महिलाओं से आग्रह किया कि वे शादी

- कहा हिंदू विवाह एक संस्कार है, रीति रिवाजों के बिना हिंदू विवाह मान्य नहीं

से पहले ही इस विवाह संस्था के बारे में गहराई से सोचें और यह भी कि भारतीय समाज में ये संस्था कितनी पवित्र है।

शीर्ष अदालत ने याद दिलाया कि हिंदू विवाह नाच-गाने और खाने-पीने या दहेज और गिफ्ट मांगने जैसे अनुचित दबाव डालने का अवसर नहीं है। ऐसी किसी भी शिकायत के बाद आपराधिक कार्यवाही शुरू होने की संभावना है। पीठ ने आगे कहा कि विवाह का मतलब कोई व्यावसायिक लेन-देन नहीं है। यह एक पवित्र आधारभूत समारोह है, जिसे एक पुरुष और एक महिला के बीच संबंध स्थापित करने के लिए आयोजित किया जाता है। ये युवक-युवती भविष्य में एक परिवार के लिए पति और पत्नी का दर्जा प्राप्त करते हैं, जो भारतीय समाज की एक बेसिक यूनिट हैं।

पीठ ने आगे कहा कि हिंदू विवाह संतानोत्पत्ति को सुगम बनाता है, परिवार की यूनिट को मजबूत करता है। ये विभिन्न समुदायों के बीच भाईचारे की भावना को मजबूत करता है। ये विवाह पवित्र है क्योंकि यह दो व्यक्तियों के बीच आजीवन, गरिमापूर्ण, समान, सहमतिपूर्ण और स्वस्थ मिलन प्रदान करता है।

इसे एक ऐसी घटना माना जाता है जो व्यक्ति को मोक्ष प्रदान करती है, खासकर जब संस्कार और समारोह आयोजित किए जाते हैं। हिंदू विवाह अधिनियम के प्रावधानों पर विचार करते हुए, पीठ ने कहा कि जब तक शादी उचित समारोहों और रीति-रिवाज में नहीं किया जाता, तब तक इसे एक्ट की धारा 7(1) के अनुसार ह्यसंस्कारितह्न नहीं कहा जा सकता है।

कोर्ट ने आगे कहा कि धारा 7 की उपधारा (2) में कहा गया है ऐसे संस्कारों और समारोहों में सप्तपदी शामिल है। यानी, पवित्र अग्नि के समक्ष वर और वधू के संयुक्त रूप से सात फेरे लेना जरूरी होता है।

इस दौरान सातवां कदम उठाए जाने के बाद विवाह पूर्ण हो जाता है। ऐसे में हिंदू विवाह के अनुष्ठान में अपेक्षित समारोह लागू रीति-रिवाजों के अनुसार होने चाहिए, जिसमें शादी कर रहे युवा जोड़े सप्तपदी को अपनाएं। वो सात फेरे लें।

कोविड कोविशील्ड: सुप्रीमकोर्ट में याचिका, दुष्प्रभावों की जांच की मांग

नई दिल्ली,वार्ता। कोविशील्ड वैक्सीन के कथित दुष्प्रभावों की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की देखरेख में एम्स के निदेशक की अध्यक्षता में चिकित्सा विशेषज्ञों की एक कमेटी गठित करने का निर्देश देने की मांग करते हुए शीर्ष अदालत में एक याचिका दायर की गई है।

कोविशील्ड निमार्ता की यूनाइटेड किंगडम में टीके के दुष्प्रभावों की स्वीकारोक्ति की रिपोर्ट सामने आने के बाद अधिवक्ता विशाल तिवारी ने यहां यह याचिका दायर की है। यह याचिका 2021 की लंबित एक जनहित याचिका के मद्देनजर दायर की गई है। उन्होंने अपनी याचिका में दलील देते हुए केंद्र सरकार को उन नागरिकों के लिए टीका क्षति भुगतान करने और उसके लिए एक टीका क्षति प्रणाली स्थापित करने का निर्देश देने की मांग की है ।

सीवर की सफाई को उतरे दो कर्मियों की मौत

स्वतंत्र चेतना

लखनऊ। वजीरगंज थाना क्षेत्र में बुधवार को सीवर सफाई के दौरान दो कर्मचारी बेहोश हो गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जलकल, नगर निगम के साथ रेस्क्यू शुरू किया। कर्मियों को बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां दोनों की मौत हो गयी।

वजीरगंज पुलिस के मुताबिक, शहीद स्मारक के पास बने एक सीवर की सफाई के लिए दो कर्मचारी उतरे। ये लोग सुरक्षा संबंधी उपकरण भी नहीं लिये थे।

सीवर में उतरने के दौरान उससे निकलने वाली गैस के चपेट में आने से बेहोश हो गये।

भीतर से कोई हरकत न होने पर झांक कर देखा तो दोनों बेहोश थे। आनन-फानन में नगर निगम और जलकल विभाग को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची टीमों ने कर्मचारियों को बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल भेजा। डॉक्टरों ने इलाज के दौरान दोनों को मृत घोषित कर दिया। अभी इन मजदूरों के नाम पता नहीं चल सके हैं।

बम की धमकी से दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों में हड़कंप

नयी दिल्ली,वार्ता। दिल्ली के साथ नोएडा और गाजियाबाद के कई स्कूलों में बुधवार को आतंकवादी हमले की धमकी वाली एक ईमेल मिलने के बाद लोगों में डर का माहौल बन गया, लेकिन बाद में पुलिस और सरकार ने इसे अफवाह करार दिया

- पुलिस ने अफवाह करार दिया, धमकी के बाद दिल्ली के सभी स्कूल बंद

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि कई स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल मिले हैं। धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सभी स्कूलों को खाली करा लिया। सभी स्कूलों की जाँच की गई है।

उन्होंने कहा कि सभी स्कूल बंद कर दिए गए और छात्रों को घर वापस भेज दिया गया। बम निरोधक दस्तों के साथ साथ दमकल की गाड़ियों को स्कूलों भेजकर गहन तलाशी अभियान चलाया गया, लेकिन कोई विस्फोटक या किसी अन्य प्रकार की हानिकारक वस्तु नहीं मिली।

नयी दिल्ली ज़िले के पुलिस उपायुक्त देवेश कुमार महला ने कहा, हमने जिले के सभी स्कूलों की जांच की है और कुछ भी नहीं मिला है, घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

दिल्ली पुलिस की प्रवक्ता सुमन नलवा ने कहा कि ई-मेल दहशत पैदा करने के लिए भेजा गया था। उन्होंने हालाँकि धमकी भरे ईमेल प्राप्त करने वाले स्कूलों की सही संख्या बताने से इनकार कर दिया।

वहीं दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा से बात की और विस्तृत रिपोर्ट मांगी। उन्होंने पुलिस को स्कूल परिसर की गहन तलाशी लेने, दोषियों की पहचान करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया ताकि कोई चूक न हो।

उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वह घबराएं नहीं और स्कूलों और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में प्रशासन के साथ सहयोग करें।

भाजपा आईसीयू में,4 जून को विदाई तय : अखिलेश

इटावा,वार्ता। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव में इंडिया समूह की बड़ी जीत का दावा करते हुये कहा कि भाजपा आईसीयू में है और चार जून को उसकी विदाई तय है।

- वैक्सीन बनाने वाली कंपनी से चंदा वसूल कर आम जनता की जान खतरे में डाल दी

मैनपुरी संसदीय सीट से सपा उम्मीदवार और पत्नी डिंपल यादव के समर्थन में इंडिया गठबंधन की एक सभा को संबोधित करते हुये उन्होने कहा कि श्रमिक दिवस पर भारत में 83 प्रतिशत बेरोजगार हैं। भाजपा आईसीयू में जाएगी, मई में भाजपा का जाना तय है।

उन्होने कहा आपने देखा कि वैक्सीन बनाने वाली कंपनी से भाजपा ने चंदा वसूल लिया। 80 फीसदी जनता को

यह वैक्सीन लगी है। आम जनता की जान खतरे में डाल दी। वैज्ञानिक और विशेषज्ञ कहते हैं कि इस वजह से न केवल हार्ट बल्कि और कुछ बीमारियां भी हो सकती है । इसका जवाब कौन देगा यह तो आचार संहिता से और बड़ा उल्लंघन भाजपा ने किया। भाजपा ने हमारे और आपके स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर दी।

टूट रहे भीषण गर्मी के सारे रिकार्ड

नई दिल्ली। अप्रैल के महीने में इस बार कई राज्यों में ऐसी गर्मी पड़ी जिसके बाद कई वर्षों का रिकॉर्ड टूट गया। मौसम विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि पूर्व और उत्तर-पूर्व भारत में औसत तापमान 51 वर्षों में अप्रैल महीने में सबसे अधिक रहा। पिछले कुछ दिनों में भारत के तीन बड़े शहरों - बेंगलुरु, कोलकाता और मुंबई में गर्मी के रिकॉर्ड टूट गए। पूरे दक्षिण में अप्रैल महीने के दौरान लगभग 37.2 डिग्री सेल्सियस का औसत अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। यह भी एक रिकॉर्ड है। आईएमडी के आंकड़ों से पता चलता है कि बेंगलुरु में अप्रैल महीने में अब तक की सबसे अधिक गर्मी पड़ी।

- घर से निकलना होगा मुश्किल, पारा 47 के पार, डरा रही मौसम विभाग की भविष्यवाणी

यूपी में 25 से नौतपा,9 दिन भीषण गर्मी,48 तक जायेगा पारा

स्वतंत्र चेतना

कानपुर। यूपी में 25 मई से नौतपा शुरू होगा, जो 2 जून तक चलेगा। इन 9 दिनों में भीषण गर्मी पड़ेगी। तेज हवा के साथ बवंडर और बारिश भी हो सकती है। दिन के साथ रातें भी ज्यादा गर्म होंगी। मई और जून में भीषण गर्मी पड़ेगी। पारा 48 डिग्री तक जा सकता है ।प्रदेश में मौसम बदल जाएगा। पहाड़ों पर बर्फबारी का असर दिखेगा। दिन तो गर्म रहेगा लेकिन रातें ठंडी होंगी। उत्तर पश्चिमी हवाएं और पहाड़ों पर बर्फबारी का असर गंगा के मैदानी भागों पर दिखेगा। अगले 2 दिन गर्मी से राहत मिलेगी। प्रयागराज प्रदेश में सबसे गर्म बना हुआ है। मंगलवार को भी यहां का तापमान 44.2 डिग्री दर्ज किया गया। अप्रैल में अधिकतम तापमान 44.6डिग्री रहा है। सीएसए यूनिवर्सिटी के मौसम विज्ञानी डॉ. सुनील पांडेय ने बताया, औसत अधिकतम तापमान 2 डिग्री घटकर 43डिग्री से 41डिग्री पर आ गया है। जबकि न्यूनतम तापमान 26 से घटकर 24डिग्री दर्ज किया गया।

डायनासोर की तरह समाप्त हो जाएगी कांग्रेस : राजनाथ

बदायूं,वार्ता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि अगले एक दशक में कांग्रेस का अस्तित्व डायनासोर की तरह समाप्त हो जायेगा।

आंवला लोकसभा क्षेत्र के विधानसभा दातागंज में भाजपा प्रत्याशी धर्मेंद्र कश्यप एवं बदायूं से भाजपा प्रत्याशी दुर्विजय सिंह शौक के समर्थन में संयुक्त जनसभा को संबोधित करते हुये श्री सिंह ने कहा कि समाजवाद पार्टी (सपा) अब समाप्तवादी पार्टी बनने की ओर अग्रसर है जबकि भ्रष्टाचार को प्रोत्साहन देने वाली कांग्रेस भी दस सालों में लुप्तप्राय: हो जायेगी।

उन्होने कहा कि कांग्रेस की सरकार में उनके प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया था कि हम गरीबों को एक रुपये भेजते हैं तो उनके खाते में 12 पैसे ही पहुंचाते हैं। आज प्रधानमंत्री मोदी के शासनकाल में यदि एक रुपये भेजा जाता है तो वह पूरा का पूरा एक रुपया ही खाते में पहुंचता है। श्री मोदी ने जनधन खाते खुलवाकर

देश को भ्रष्टाचार से मुक्त किया है।

राजनाथ सिंह ने कहा कोरोना संकट से सभी लोग प्रभावित रहे। हमारे यहां कोरोना की वैक्सीन नहीं बनती, प्रधानमंत्री ने वैज्ञानिकों से बात की और कहा कि जितना पैसा लगेगा हम खर्च करेंगे लेकिन हमारे देश में कोरोना की वैक्सीन बननी चाहिए। वैज्ञानिकों ने उसके बाद कोरोना का टीका तैयार किया। भारत दुनिया का अकेला देश है जहां के नागरिकों को दो से लेकर तीन तक कोरोना की वैक्सीन लगीं।

पत्थर खदान में धमाका,4 की मौत,8 घायल

विरुधुनगर,वार्ता। तमिलनाडु के दक्षिणी जिले के विरुधुनगर में बुधवार को एक निजी नीली धातु खदान के स्टोर रूम में बड़ा विस्फोट होने के कारण चार श्रमिकों की मौत हो गई और अन्य आठ गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस ने कहा कि विस्फोट करियापट्टी के पास आवियूर गांव में हुआ जब श्रमिकों का एक समूह जिलेटिन की छड़ें और डेटोनेटर जैसे विस्फोटकों को एक लोड वैन से स्टोर रूम में उतार रहे थे।

पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है क्योंकि शव इतने क्षत-विक्षत हो गए हैं कि उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया है। तमिलनाडु अग्निशमन एवं बचाव सेवा विभाग और बम जांच एवं निपटान दस्ते (बीडीडीएस) के कर्मी बचाव अभियान बिना फटे विस्फोटकों को हटाने के लिए घटनास्थल पर पहुंच गये हैं।

400 जीतने वाले 40 पर आ गये : मोदी

बनासकांठा/गुजरात। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को गुजरात के बनासकांठा में कांग्रेस को खुली चुनौती देते हुए उनसे लिखित में देने को कहा कि वे भारत के संविधान को कभी नहीं बदलेंगे और धार्मिक आधार पर आरक्षण नहीं देंगे। उन्होंने कहा, मैं कांग्रेस के शहजादे (राहुल गांधी) को खुली चुनौती दे रहा हूं कि अगर आपमें हिम्मत है तो घोषणा करें कि आप कभी भी धार्मिक आधार पर कोटा नहीं देंगे और न ही कोटा प्रणाली का दुरुपयोग करके संविधान बदलेंगे। मोदी ने तंज कसते हुए कहा कि वे ऐसा नहीं करेंगे क्योंकि उनकी मंशा साफ नहीं है।

- प्रधानमंत्री ने राहुल को दी खुली चुनौती, भारत के संविधान को कभी नहीं बदलेंगे और धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं देंगे, लिखित देने को कहा

पीएम मोदी ने कर्नाटक की ओर इशारा करते हुए कहा कि कांग्रेस ने रातों-रात मुसलमानों को ओबीसी घोषित कर दिया और ओबीसी कोटे का एक हिस्सा दे दिया। उन्होंने कहा कि इसे लिखित में दें ताकि आपको भविष्य में जवाबदेह ठहराया जा सके। उन्होंने कांग्रेस से यह भी लिखित में देने को कहा कि आप एससी, एसटी ओबीसी कोटा के साथ छेड़छाड़ नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में, मैंने इस देश की क्षमता देखी है, जिसके आधार पर मैं अपनी गारंटी देता हूं। मेरी गारंटी खोखले वादे नहीं हैं। वे मेरे अनुभव और भारत की प्रतिभा की समझ से उपजे हैं, जो मुझे विश्वास दिलाता है कि हम क्या हासिल कर सकते हैं।

मोदी ने कहा कि तीसरी बार जब हमारी सरकार बनेगी तो अगले 100 दिन में मुझे क्या करना है- अभी से ही मैंने प्लान तैयार कर लिया है। उन्होंने कहा कि 2014 में जब मैं पहली बार लोकसभा के मैदान में आया तो कांग्रेस के पास मुद्दे थे कि ये चाय वाला क्या करेगा... ये मेरी मजाक उड़ाते थे। लेकिन देश ने उनकी इस हरकतों को ऐसा जवाब दिया कि जो कभी 400 सीट लेकर बैठते थे वो 40 सीट पर आ गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शहजादे ने गर्व के साथ पूरे मोदी समाज को, पूरे ओबीसी समाज को चोर कह दिया। यही नहीं, ये मेरे माता-पिता को भी भला-बुरा कहने में पीछे नहीं रहे।

उन्होंने कहा कि अब 2024 में कांग्रेस और इंडी गठबंधन ऐसा झूठ लेकर फिर से मैदान में आए हैं- संविधान दिखाते हैं, आरक्षण ले लेंगे... इसका डर दिखाते हैं। यही उनका काम है। देखिएगा... इस बार भी ये पहले से कम सीटों में सिमट जाएंगे। पहले चरण में इंडी गठबंधन पस्त हुआ और दूसरे चरण में पूरी तरह ध्वस्त हो गया है।

अमेठी-रायबरेली के उम्मीदवारों के नाम 24 घंटे में कर देंगे तयः कांग्रेस

नयी दिल्ली,वार्ता। कांग्रेस ने कहा है कि अमेठी और रायबरेली संसदीय क्षेत्र के लिए उम्मीदवारों के नाम अगले 24 से 30 घंटे के भीतर तय कर दिए जाएंगे।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन के दौरान सवालों के जवाब में कहा कि उम्मीदवार तय करने में देरी नहीं हुई और अगले 30 घंटे में दोनों सीटों के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर देंगे। उन्होंने कहा कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने कांग्रेस अध्यक्ष को अधिकृत किया है कि वह जल्द से जल्द रायबरेली तथा अमेठी के लिए उम्मीदवारों का चयन कर दें और मुझे लगता है 24 घंटे के अंदर कांग्रेस अध्यक्ष अमेठी और रायबरेली के लिए उम्मीदवारों की चयन की घोषणा कर देंगे।

इलाहाबाद संसदीय के भाजपा प्रत्याशी नीरज ने मां गंगा व हनुमान जी का पूजन करने के बाद किया नामांकन

आजाद पार्क से उपमुख्यमंत्री के नेतृत्व में जुलूस लेकर नामांकन करने के लिए समर्थकों संग पहुंचे प्रत्याशी

प्रयागराज । इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी ने आज मां गंगा एवं लेटे हुए हनुमान जी के आशीर्वाद के पश्चात कल्याणी देवी एवं ललिता देवी के दर्शन पूजन के पश्चात जिला मुख्यालय पर अपने प्रस्तावक और समर्थकों संग अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

शहीद चंद्रशेखर आजाद जी की मूर्ति के सामने अपार जनसैलाब के बीच प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मिश्र ने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद जी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर हजारों की संख्या में जुलूस के रूप में महाविजय यात्रा कंपनी बाग से कर्नलगंज कटरा नेतराम होते हुए कचेहरी में समाप्त हुआ। नामांकन जुलूस के समापन पर केशव मौर्य ने उपस्थित जान समूह को संबोधित करते हुए कहा की प्रत्येक बूथ पर 370 वोट बढ़ाकर 370 सीट भाजपा के खाते में डालना है और एनडीए गठबंधन को चार सौ पार कराकर भ्रष्टाचारियों को जेल में डालने का काम करेंगे जिसके कारण विपक्षी दल भयभीत है और किसी भी तरह भाजपा के विजय रथ को रोकना चाहते है मगर जनता ने मन बना लिया है मोदी जी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने का .बिना भेदभाव के सबके हित में सरकार

ने पूरे ईमानदारी से काम किया। नामांकन जुलूस का रास्ते भर लोगों ने पुष्प वर्षा संग जयकारा लगाते हुए घंटा घड़ियाल से भाजपा के महा विजय यात्रा का पूरे गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

संसदीय मीडिया प्रभारी देवेन्द्र नाथ मिश्र के अनुसार नामांकन जुलूस में विकास विजय रथ पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्त नंदी .सांसद रीता बहुगुणा जोशी .जिलाध्यक्ष महानगर राजेन्द्र मिश्र .जिलाध्यक्ष यमुनापार विनोद प्रजापति .जिलाध्यक्ष गंगापार कविता पटेल .जिला पंचायत अध्यक्ष डा. वीके सिंह .महापौर गणेश केशरवानी .पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी .विधायक हर्षवर्धन बाजपेई .डा. केपी श्रीवास्तव .पीयूष रंजन निषाद .दीपक पटेल .डा .एलएस ओझा .कलक्टर पाण्डे . निर्मला पासवान .सुरेन्द्र चौधरी .प्रदेश मंत्री अनामिका चौधरी .महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री कविता यादव त्रिपाठी .लोकसभा प्रभारी बालेन्दु मणि त्रिपाठी एवं मनोज जायसवाल .लोकसभा संयोजक गुरु प्रसाद मौर्य एवं शिवदत्त पटेल .प्रभाशंकर पाण्डे .अमर नाथ यादव .कन्हैयालाल पाण्डे .अश्वनी द्विवेदी .हौंसला परसा पाठक .ओम प्रकाश त्रिपाठी .अनीता त्रिपाठी .योगेश शुक्ल .शशि वार्ष्णेय .ज्ञानेश्वर शुक्ल .अरविन्द सिंह .विभव नाथ भारतीय .बब्बूराम द्विवेदी .अर्चना शुक्ल .किरण त्रिवेदी .पदुम जायसवाल .कुंज बिहारी मिश्र .देवेश सिंह .शिवेंद्र मिश्र .संजय गुप्ता .श्याम हेला .आशीष गुप्त .आनंद जायसवाल .नवीन शुक्ल .अनुराग पाण्डे .धीरेन्द्र ओझा .चन्द्रमा यादव .मनोज निषाद .मुकेश आर्या .संदीप आदिवासी .राजू राय .ज्ञान नारायण कनौजिया .आशुतोष पाण्डे .पुरुषोत्तम मौर्य .पुष्पराज पटेल समेत हजारों लोग उपस्थित रहें।

इलाहाबाद एवं फूलपुर संसदीय के व्यय प्रेक्षक नियुक्त, मोबाइल नंबर जारी

प्रयागराज। लोकसभा सामान्य निर्वाचन क्षेत्र 52-इलाहाबाद (विधानसभा क्षेत्र 259-मेजा, 260-करछना एवं 263-इलाहाबाद दक्षिणी) के लिए नियुक्त व्यय प्रेक्षक रवि कांत गुप्ता मो0नं0-8176836257, लोकसभा सामान्य निर्वाचन क्षेत्र 52-इलाहाबाद (विधानसभा क्षेत्र 264-बारा, 265-कोरांव) के लिए नियुक्त व्यय प्रेक्षक बी0 नवीन कुमार-9936645566, लोकसभा सामान्य निर्वाचन क्षेत्र 51-फूलपुर (विधानसभा क्षेत्र 256-फूलपुर, 262-इलाहाबाद उत्तरी,) के लिए नियुक्त प्रेक्षक व्यय राज कुमार प्रजापत-9956645567, लोकसभा सामान्य निर्वाचन क्षेत्र 51-फूलपुर (विधानसभा क्षेत्र 254-फाफामऊ, 255-सोरांव, 261 इलाहाबाद पश्चिमी) के लिए व्यय प्रेक्षक संतोष कुमार-9956315568 नियुक्त किए गए है। यदि कोई व्यक्ति लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के व्यय से सम्बंधित कोई शिकायत या सूचना प्रेषित करना चाहता है, तो वह उनके उपरोक्त दिए गए मोबाइल नम्बरों पर सम्पर्क कर सकता है।

महर्षि विद्या मन्दिर नैनी में मनाया गया मजदूर दिवस

प्रयागराज । 1 अप्रैल को महर्षि विद्या मन्दिर नैनी प्रयागराज में मजदूर दिवस मनाया गया । पूरे विश्व में 01 मई को प्रतिवर्ष अन्तर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के रूप में मनाया जाता है । यह खास दिन कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों एवं अन्य कार्यरत श्रमिकों के महत्तव , उनके सम्मान, एकता और उनके अधिकारों के समर्थन में मनाया जाता है । विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती पूजा चन्दोला जी के दिशा निर्देशन में विविध कार्यक्रमों के साथ विद्यालय सभाकक्ष में मजदूर दिवस मनाया गया । विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा सर्वप्रथम सभी श्रमिक वर्ग में कार्यरत कर्मचारियों का पुष्पहार एवं पुष्पगुच्छों से सम्मानित किया गया । छात्रोंने अनेक नारे एवं भाषण देकर मजदूर कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए उनके महत्वता पर प्रकाश डालें । छात्र झछात्राओं ने नाटकीय मंचन के माध्यम से श्रमिक वर्ग का सम्मान किया एवं उन सभी का उत्साह बढ़ाया । प्रधानाचार्या श्रीमती पूजा चन्दोला जी ने चतुर्थ श्रेणी के सभी कर्मचारियों का उत्साह वर्धन करते हुए एवं बहुत सारी शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आज का दिन वह दिन है जो श्रमिको एवं श्रमिक आंदोलन द्वारा किए गए संघर्षो और उपलब्धियों को याद करता हैं । उन्होंने यह भी बताया कि हर साल अन्तर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस की एक खास थीम चुनी जाती है । इस वर्ष की थीम है झजलवायु परिवर्तन के बीच काम की जगह पर श्रमिकों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को सुनिश्चित करना ।

प्रधानाचार्या ने सभी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए उपहार भेंट किया अन्त में पुन: उन्होंने शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि मजदूर हमसे सुखमय जीवन का प्रमुख आधार है । सभी को साधुवाद एवं धन्यवाद व्यक्त हुए प्रधानाचार्या जी ने अपनी वाणी को विराम दिया ।

पूर्वोत्तर रेलवे यूनाइटेड फोरम ऑफ पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक

प्रयागराज । ए. आई. आर. आर. एफ., पूर्वोत्तर रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन रामबाग एवं यूनाइटेड फोरम ऑफ पेंशनर वेलफेयर एसोसिएशन के संयुक्त बैनर तले केन्द्र एवं राज्य के पेंशनरों ने बुधवार को

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस सिविल लाइन्स स्थित लोको कालोनी बंगला नं 10 में मनाया। शिकागो के अमर शहीदों के बलिदान को याद करते हुए पेंशनरों ने दो मिनट का मौन रख कर अपनी विनम्र श्रद्धांजलि दी ! संयुक्त बैठक की अध्यक्षता ए. आई. आर. आर. एफ. के जोनल अध्यक्ष सुशील कुमार श्रीवास्तव एवं संचालन योगेन्द्र कुमार पाण्डेय ने किया। समारोह को सम्बोधित करते हुए पूर्वोत्तर रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश यादव ने मेहनतकश श्रमिकों द्वारा देश की उन्नति, संवृद्ध एवं खुशहाली में दिए योगदान को नमन किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ए. के. भारद्वाज ,राजेश कुमार , द्वारका प्रसाद, विश्वनाथ ,सुशील कुमार , के. जी. मित्तल मुन्ना जी , रमेश कुमार,अंसार अहमद , रामलाल पटेल, अंसार अहमद , अतुल कुमार सहित अन्य पेंशनर उपस्थित रहे।

आर.ए.एफ ने मतदाता जागरूकता रैली निकाल कर किया मतदान के प्रति किया जागरूक

प्रयागराज। बुधवार को 101 आर.ए.एफ. के तत्वावधान में लोकसभा चुनाव 2024 के तहत ग्राम- गोहरी सोराँव प्रयागराज में मनोज कुमार गौतम, कमाण्डेंट-101 के दिशा-निर्देशन में अधिक समावेशी, सूचनात्मक और सहभागी बनाने के लिए मतदाता शिक्षा कार्यकमो और पहलों को आगे बढ़ाने एंव ग्रामीणों के बीच मतदान के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से गोहरी

मतदाता जागरूकता अभियान एंव मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई।

गौरतलब है, कि लोकसभा चुनाव 2024 हेतु अधिक से अधिक मतदान के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा कई अभियान जारी किए जा रहे हैं। इसी कम में 101 आर.ए.एफ के द्वारा चुनावी प्रक्रिया को गॉव एंव आस-पास के क्षेत्र में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई।

उक्त अवसर पर नीरज कुमार (उप कमाण्डेन्ट), सुमन पाल (सहा० कमाण्डेन्ट) संजीव कुमार (सहा० कमाण्डेन्ट) अन्य अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारीगण जवान एंव ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रधान महालेखाकार लेखा परीक्षा आडिट एसोसिएशन की कार्यकारिणी में लालाराम-अध्यक्ष, विवेक -उपाध्यक्ष, राजेश -महामंत्री चुने

प्रयागराज। प्रधानमहालेखाकार (लेखापरीक्षा) कार्यालय के आडिट कैटेगरी-।।एसोसिएशन की वर्ष 2024-25 में नयी कार्यकारिणी का निर्वाचन चुनाव अधिकारी सन्दीप ग्रोवर, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, द्वारा 26.अप्रैल को सम्पन्न कराया गया। तदनुसार, गठित कार्यकारिणी का शपथग्रहण कार्यालय के सरस्वती सभागार में बुधवार को अपराहन 1.30 बजे आयोजित किया गया।

सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों की आडिट कैटेगरी-।।एसोसिएशन की कार्यकारिणी में लालाराम-अध्यक्ष, विवेक श्रीवास्तव-उपाध्यक्ष, राजेश कुमार तिवारी-महामंत्री, विवेक सिसौदिया-संयुक्त मंत्री तथा कौशल गुप्त- कोषाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुये। संगठन के कार्यकारी सदस्य के रुप में श्रीमती बिंदु श्रीवास्तव, सूश्री विभा पाण्डेय, नरेंद्र सिंह, दीपक वर्मा, पवन कुमार राठौर, दीपक कुमार तिवारी, मो० नइमुद्दीन, गजेन्द्र सिंह, अम्बरीश श्रीवास्तव एवं हरीश कुमार तिवारी निर्वाचित हुये। सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को सुश्री धनलक्ष्मी चौरसिया, वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रशासन महोदया ने शपथग्रहण कराया।

नामांकन जुलूस में अर्धनग्न शरीर पर मोदी का पोर्ट्रेट बनाकर चलने वाला युवक बना आकर्षण का केन्द्र

प्रयागराज। इलाहाबाद-फूलपुर संसदीय क्षेत्र के नामांकन जुलूस मे मोहम्मद अशरफ नामक मुस्लिम युवक ने सुबह 11बजे से अपने अर्धनंग शरीर में मोदी का पोर्ट्रेट,अबकी बार 400 पार सूक्ति वाक्य व कमल का फूल बैक साइड सुंदर-मनोहर-पेंटिंग अर्धनंग शरीर में करवाकर नामांकन जुलूस मे सभी के आकर्षण का केंद्र रहे (कंपनी बाग)से शुरू होकर कचहरी तक जुलूस में देव तुल्य कार्यकर्ताओं का मनोबल अपना अमूल्य योगदान देते हुए बढ़ाते रहे।

नवनिर्वाचित हाईकोर्ट बार के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण आज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित 28 सदस्यीय कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 2 मई को शाम चार बजे बार एसोसिएशन की लाइब्रेरी हॉल में संपन्न होगा। मुख्य चुनाव अधिकारी वी एम जैदी चुनाव अधिकारी आर सी सिंह विनोद कांत वशिष्ठ तिवारी प्रभाकर अवस्थी और चंदन शर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में अध्यक्ष अनिल तिवारी महासचिव विक्रांत पांडेय उपाध्यक्ष अग्निहोत्री कुमार त्रिपाठी अखिलेश कुमार मिश्रा सुभाष चंद्र यादव नीरज त्रिपाठी नीलम शुक्ला संयुक्त सचिव प्रशासन सुमित कुमार श्रीवास्तव संयुक्त सचिव महिला आंचल ओझा संयुक्त सचिव लाइब्रेरी अभिजीत पांडेय संयुक्त सचिव प्रेस पुनीत कुमार शुक्ला कोषाध्यक्ष रणविजय सिंह कार्यकारिणी सदस्य उदिशा त्रिपाठी मनीषा सिंह किरन सिंह अभिषेक मिश्रा अवधेश कुमार मिश्रा अभिषेक तिवारी सच्चिदानंद यादव दिनेश यादव रत्नेश कुमार पाठक राजेश शुक्ला सर्वेश्वर लाल श्रीवास्तव वेद प्रकाश ओझा बलदेव शुक्ला अमरनाथ त्रिपाठी बृजेश कुमार सिंह सेंगर शामिल हैं जिनका शपथ ग्रहण गुरुवार को होगा।

हाईकोर्ट बार के नव निर्वाचित कार्यकारिणी का शपथग्रहण आज

प्रयागराज। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी वर्ष 2024-25 का शपथग्रहण समारोह गुरुवार 2 मई को सायं 4 बजे बार एसोसिएशन के लाइब्रेरी हॉल में होगा। गेट-3 से आगंतुक प्रवेश करेंगे। यह जानकारी निर्वाचन अधिकारी वशिष्ठ तिवारी ने दी।

जेठ ने भयाहू से की मारपीट मुकदमा दर्ज

मऊआइमा प्रयागराज। कंडी पाथने को लेकर जेठ ने अपनी भयाहू को मारा पीटा ।भयाहू ने जेठ के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है ।मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सराय जोधराय निवासनीय पूजा यादव पत्नी राम सिंह का आरोप है कि उपली पाथने को लेकर जेठ ने अनायास उसे मारा पीटा और गालियां भी दी। पूजा यादव ने मऊआइमा थाने में अपने जेठ रामचन्द्र पुत्र राम सजीवन के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

मजदूर दिवस पर श्रमिक नेताओ ने निकाली रैली भरी हूंकार

प्रयागराज। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में केन्द्र एवं राज्य सरकार के कर्मचारी एवं मजदूर संगठनों के पदाधिकारी आज लामबंद होकर शिकागों

एकजूट होकर कर्मचारियों ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

के शहीद हुए मजदूरों को श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए अपने-अपने संस्थानों से झण्डा बैनर लेकर नारेबाजी करते हुए रैली निकाली और पत्थर गिरिजा के समीप स्थित धरना स्थल पर पहुंचकर शक्ति प्रदर्शन करते हुए शहीद मजदूरों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। शाम चार बजे सिविल लाइंस के सुभाष चौराहे पर आयोजित केन्द्रीय सभा में यह मजदूर और कर्मचारी नेता बेराजगारी, महंगाई, निजीकरण, नयी पेंशन योजना, श्रमसंहिता, ठेकाकरण, न्यूनतम वेतन आदि मुद्दों पर सभा में आवाज बुलंद कर विरोध का स्वर मुखर किया।

संयोजक अविनाश कुमार मिश्र की अगुवाई में सुभाष चौराहे पर केन्द्रीय सभा आयोजित की गयी। केन्द्रीय कर्मचारी समन्वय समिति के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री सहित नगर निगम, रेलवे, बैंक के कर्मचारी, नेताओं ने इस केन्द्रीय सभा में सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों की कड़े शब्दों में निन्दा करते हुए सरकार को आगाह भी किया। इस रैली में रेलवे, नगर निगम, पीडीए, एलआईसी, शिक्षा विभाग, राजकीय मुद्राणायल, पीडब्ल्यूडी, केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों ने एटक सीटू, एक्टू, एआईयूटीयूसी, समाजवादी मजदूर सभा, केन्द्रीय कर्मचारी महासंघ, राज्य कर्मचारी महासंघ एवं संयुक्त कर्मचारी परिसर के पदाधिकारियों ने विरोध का स्वर मुखर किया।

उपमुख्यमंत्री ने महापौर के घर जाकर बेटी की शादी की दी बधाई, वर वधू को दिया आशीर्वाद

प्रयागराज। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य प्रयागराज आगमन पर महापौर गणेश केसरवानी को बेटी की शादी की बधाई दी और बेटी की ससुराल गाजीगंज मुट्ठीगंज पहुंचकर बेटी वैशाली एवं दामाद आदर्श केसरवानी को सुखमय दांपत्य जीवन जीने का आशीर्वाद दिया।

मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि 26 अप्रैल को शादी थी उक्त अवसर पर उपमुख्यमंत्री जी की चुनावी व्यवस्था के कारण नहीं आ पाए थे। उक्त अवसर पर सुनील केसरवानी पप्पू कटरा, हिमांशु केसरवानी, राजेश केसरवानी, एवं परिजन उपस्थित रहे।

मजदूर दिवस पर स्टेशन अधीक्षक ने श्रमिकों को माला पहनाकर किया सम्मानित

प्रयागराज। स्टेशन अधीक्षक/ सूबेदारगंज राजेश कुमार गुप्ता ने सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर मजदूर दिवस मनाया। इस अवसर पर श्री राजेश कुमार गुप्ता ने स्टेशन पर स्वच्छता और निर्माण कार्य में संलग्न सभी

श्रमिकों को माला पहनकर सम्मानित किया और मिष्ठन वितरित किया । इस कार्यक्रम में स्टेशन पर कार्यरत कर्मचारियों और 15 से अधिक श्रमिकों ने भागीदारी की।

दुनिया के सभी देशों में प्रतिवर्ष 01 मई को श्रमिक दिवस / मजदूर दिवस के रूप में भी जाना जाता है । इस दिन को मनाने का उद्देश्य मजदूरों और श्रमिकों को सम्मान देना है। मजदूर दिवस को लेबर डे, श्रमिक दिवस, मजदूर दिवस, मई डे के नाम से जाना जाता है। इस खास मौके पर श्रमिकों द्वारा किये गए योगदान को भी याद किया जाता है। इस दिन श्रमिकों की अहमियत और अधिकारों के बारे में जागरुकता फैलाई जाती है।

मेजर जनरल राजेश भट्ट ने संभाली पुरवा यूपी और एमपी सब एरिया की कमान

प्रयागराज। बुधवार को मेजर जनरल राजेश भट ने जनरल ऑफिसर कमांडिंग, पुरवा यूपी और एमपी सब एरिया के रूप में पदभार संभाला। हेंडिंग-टेकिंग ओवर समारोह प्रयागराज न्यू मिलिट्री स्टेशन में आयोजित किया गया था, जिसमें मेजर जनरल जय बैंसला, सेना मेडल ने कमान सौंपी और एडीजी असम राइफल्स के रूप में शिलांग चले गए है। जून 1993 में कोर ऑफ इंजीनियर्स में कमीशन, मेजर जनरल राजेश भट अपनी नई भूमिका में व्यापक अनुभव लाते हैं। मेजर जनरल राजेश भट के प्रतिष्ठित कैरियर में प्रतिष्ठित कमांड, स्टाफ और इंस्ट्रक्शनल अपॉइंटमेंट्स शामिल है। मेजर जनरल राजेश भट के नेतृत्व में व्यावसायिकता और उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने का वादा किया गया है, जो सब एरिया के सेवा क्षेत्रों की निरंतर सुरक्षा और कल्याण को सुनिश्चित करता है।

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर इफको के सेवानिवृत कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

फूलपुर ब्यूरो। मजदूरों के योगदान की सराहना करने और उनकी समस्याओं के बारे में जागरूक करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है। उक्त बातें बुधवार दोपहर इफको के धियानगर स्थित कर्मचारी संघ के सभागार में इफको के सेवानिवृत कर्मचारियों के सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए इफको कर्मचारी संघ फूलपुर के अध्यक्ष पंकज पांडेय ने कहीं। आगे उन्होंने कहा कि मजदूर बहुत मजबूत होता है तथा मजबूर भी होता है। ऐसे में उनके हितों की रक्षा के लिए कर्मचारी संघ होता है जो उन्हें न्याय दिलाने का कार्य करता है। अंत में उन्होंने सेवानिवृत कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए उपस्थित सभी लोगों को मजदूर दिवस की बधाई दी। संघ के महामंत्री विनय यादव ने मजदूरों के शहादत को याद करते हुए कहा कि पहले मजदूर का बहुत शोषण होता था। मजदूरों का शोषण ना हो उसी उद्देश्य को लेकर संघ का गठन होता है जो उनके हितों की रक्षा करता है। आगे उन्होंने कहा कि हमारी पूरी कार्यकारिणी मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए कटिबद्ध है। अंत में उन्होंने सभी लोगों को मजदूर दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम की शुरूआत संघ के अध्यक्ष पंकज पांडे तथा महामंत्री विनय यादव द्वारा गणेश प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया।तत पश्चात सेवानिवृत कर्मचारी शिव सूरत ,उर्मिला द्विवेदी ,संत लाल यादव ,शकील अहमद ,ओमप्रकाश उपाध्यक्ष ,जगदीश प्रसाद यादव ,संगम लाल तथा शिवकुमार को संघ के अध्यक्ष महामंत्री सहित अन्य पदाधिकारीयों द्वारा सेवानिवृत कर्मचारियों का माल्यार्पण कर अंगवस्त्रम तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुबोधना शर्मा ने किया। इस मौके पर संघ के समस्त पदाधिकारी सहित इफको कर्मचारी मौजूद रहे।

बैनर तख्ती के साथ मतदाता जागरूकता प्रभात फेरी का हुआ आयोजन

मऊ आइमा प्रयाग राज। स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी के मार्गदर्शन मे विकास खंड बहरिया के कस्तूरबा विद्यालय से मतदाता जागरूकता प्रभात फेरी एवं रैली का आयोजन किया गया। रैली को विकास खंड के खंड शिक्षा अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार मौर्य ने हरी झंडी दिखाते हुए रैली की अगुवाई की। रैली मुख्य बजार व ग्राम सभा के अनेको गाँवो से होते हुए कस्तूरबा विद्यालय पर आकर समाप्त हुयी। रैली के दौरान जनपदीय स्काउट गाइड नुक्कड़ नाटक टीम जगह जगह अभियान गीत व स्लोगनो के माध्यम से लोगो को अधिक से अधिक मतदान का सन्देश देती हुयी चल रही थी साथ ही गाइड बच्चे बैंड की धुन पर जागो जागो हे मतदाता का नारा लगते हुए मार्च कर रहे थे। रैली का नेतृत्व ब्लॉक गाइड कैप्टन संगीता सिंह व ब्लॉक स्काउट मास्टर अखिलेश कुमार कर रहे थे। जिला संगठन आयुक्त गाइड गायत्री यादव व नुक्कड़ नाटक टीम की लीडर श्रद्धा श्रीवास्तव ने रैली के समापन पर कस्तूरबा विद्यालय मे छात्राओं को मतदाता जागरूकता थीम पर आधारित निबंध नाटक तथा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमे कस्तूरबा विद्यालय की छात्राओं ने प्रतिभाग किया ।मुख्यालय खंड शिक्षा अधिकारी सुमन मिश्रा,खंड शिक्षा अधिकारी शिव औतार, जिला मुख्यालय आयुक्त एवं समन्वयक एम डी एम राजीव त्रिपाठी, जिला स्काउट मास्टर फिरोज आलम खान, जिला गाइड कैप्टन प्रवीण सिंह तथा आई टी कोऑर्डिनेटर अनुरागिनी सिंह ने रैली प्रतिभागियों से अपील करी की वो अपने मिलने जुलने वालों, मित्रो सहयोगियों तथा सेवित क्षेत्र की जनता के मध्य लगातार मतदाता जागरूकता अभियान चलाते रहे और 25 मई को अधिक से अधिक मतदान कराये।

रैली मे प्रेम नारायण, उमेश चंद्र द्विवेदी, पुष्पांजलि मौर्य, मधुरिमा गुप्ता, राशि शर्मा, अल्का सेठ, पिंकी वर्मा, सीमा कुमारी, विनीता, अनीता वर्मा तथा कस्तूरबा विद्यालय की वार्डन तथा गाइड कैप्टन सहित पूरे स्टाफ ने प्रतिभाग किया।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम पहले मोहम्मद फिरोज उर्फ बब्लू पुत्र मोहम्मद नज्जन पता सुल्तानपुर अकबर गारबपुर पोस्ट व थाना होलागढ़ तहसील सोरांव जिला प्रयागराज उत्तर प्रदेश है मैंने अपना नाम बदलकर मोहम्मद फिरोज कर लिया हूं अब हमें मोहम्मद फिरोज के नाम से ही जाना व पहचाना जाए मोबाइल नंबर 830 398 4025

इलाहाबाद संसदीय प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी व फूलपुर संसदीय के प्रत्याशी प्रवीण पटेल ने किया नामांकन

सपा, बसपा, कांग्रेस का चुनाव में नहीं चलेगा पता, चिन्ता मत करो, खिलेगा कमल-उपमुख्यमंत्री,कमल का बटन दबाने का मतलब देश की भलाई के लिए बोट देना-केशव

प्रयागराज। महाविजय यात्रा में सदैव इलाहाबाद ने इतिहास बनाया है, बनाएगा इस बार भी फूलपुर और प्रयागराज आगे रहेगा। साईकिल बालों को,पंजा वालों को हाथी बालों को कोई बोट देता है क्या? इनको बोट देने का मतलब कुआं में डालना ,कमल का बटन दबाने का मतलब देश की भलाई के लिए बोट देना, किसान, उत्तर प्रदेश और प्रयागराज के भलाई के लिए कमल का बटन दबा दो उक्त बातें इलाहाबाद लोकसभा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी व फूलपुर लोकसभा प्रत्याशी प्रवीण पटेल के समर्थन में आयोजित रोड़ शो के मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनता जनार्दन व कार्यकताओं के जनसैलाब को सम्बोधित करते हुए कही और अपील किया कि देश प्रदेश के भलाई के लिए इलाहाबाद के प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी व फूलपुर प्रत्याशी प्रवीण पटेल को बोट देकर एक बार फिर मोदी सरकार,चार सौ पार के लक्ष्य को साकार करना है। मोदी ने जो गरीब, किसान ,व्यापारी, महिलाओं, दलितों व प्रदेश देश के लिए विकास किया है क्या सपा, कांग्रेस,बसपा ने किया है क्या।

▯ घर-घर में खुशहाली पहुंचे, इतना फर्ज. निभा देना,सब कुछ मोदी कर देंगे, बस कमल का बटन दबा देना ▯ उपमुख्यमंत्री ने आजाद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भाजपा के रोड शो का किया शुभारंभ

उन्होंने कहा कि सपा का मतलब गुंडाराज एक समय नारा लगता था। जिस गाड़ी में सपा का झंडा, उस गाड़ी में बैठा गुंडा, सपा का मतलब गुंडागर्दी का प्रमाण-पत्र देना अब साईकिल पंचर है हों गई तो सैफई वालों की हालत खराब हो गई। सपा नारा था जो प्रापर्टी खाली है समझों प्लाट हमारी है। उक्त तमाम बातें प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री ने उमड़े जनसैलाब से आगे कहीं उत्तर प्रदेश में सपा कांग्रेस का खाता नहीं खुलेगा,अमेठी तो जीतें है, रायबरेली भी जीतेंगे, कन्नौज और मैनपुरी भी हम जीतेंगे, अस्सी की अस्सी सीटें हम युपी की जीत रहें हैं। भाजपा अकेले 370 व गठबंधन के चार सौ पार की सीटें हम जीत रहें हैं। और आपको जितानें के लिए दिन-रात मेहनत करने है। क्या आप लोग तैयार है,सभी ने हाथ उठाकर एक स्वर में कहा हां। मोदी जी धारा 370 हटाया है। प्रयागराज के लोग रामलला के लिए बहुत लाठी खाऐं है। पांच सौ वर्षों बाद मंदिर निर्माण हुआ इसलिए प्रत्येक बूथ पर 370 से ज्यादा या 500 से अधिक मतदान हम सभी को कराने के लिए मेहनत करना है। इतनी गर्मी में भी विपक्ष ठंडा पड़ा है इसका मतलब आप समझ सकते। 2019 में तो सपा बसपा एक थें इस बार तो अलग-अलग हैं। सापंनाथ, नागनाथ,और कालिया नाथ कोई किसी का पता नहीं चलेगा, चिंता मत करना,कमल खिलेगा, तीसरी बार फिर मोदी सरकार बनेगी। उपमुख्यमंत्री ने अपील करते हुए कहा घर-घर में खुशहाली पहुंचे, इतना फर्ज. निभा देना,सब कुछ मोदी कर देंगे, बस कमल का बटन दबा देना।

रोड शो में तीन रथ पर आगे उपमुख्यमंत्री कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर, कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी, काशी क्षेत्र महामंत्री व यमुनापार जिला प्रभारी सुशील त्रिपाठी,सांसद प्रो.रीता बहुगुणा जोशी, केशरी देवी पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ.वीके सिंह,महापौर गणेश केसरवानी, विधायक पियूष रंजन निषाद, सुरेन्द्र चौधरी, निर्मला पासवान,केपी श्रीवास्तव, यमुनापार जिलाध्यक्ष विनोद प्रजापति, गंगापार जिलाध्यक्ष कविता पटेल, लोकसभा प्रभारी इलाहाबाद मनोज जायसवाल, फूलपुर बालेन्दु मणि त्रिपाठी, प्रदेश मंत्री कविता यादव त्रिपाठी,महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र ने रोड़ शो का संचालन किया। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि चन्द्रशेखर आजाद पार्क में शहीद चन्द्रशेखर आजाद की मूर्ति पर पुष्पांजली करके सभी ने एतिहासिक जीत का संकल्प लिया। यमुनापार व लोकसभा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि रोड़ शो कर्नल गंज चौराहा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय रोड़, झां चौराहा,कटरा,नेतराम चौराहा से कचहरी तक रोड़ शो भारी हूजूम के साथ निकली। कार्यकर्ता नारेबाजी करते जोशीले अंदाज में दिखाई दिए,भारत माता की जय वन्देमातरम् भी गुंजायमान रहा।इसके पूर्व इलाहाबाद लोकसभा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी व फूलपुर लोकसभा प्रत्याशी प्रवीण पटेल ने कचहरी में नामांकन दाखिल। पुलिस लाइन पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकताओं ने बुकें भेंटकर स्वागत अभिनंदन किया। इस अवसर पर लोकसभा संयोजक फूलपुर विधायक गुरू प्रसाद मौर्य, इलाहाबाद लोकसभा संयोजक शिवदत्त पटेल, पूर्व विधायक नीलम करवरिया, प्रभा शंकर पाण्डेय,दीपक पटेल, अभिलाषा गुप्ता,रहीश चन्द्र शुक्ल,विजय वैश्य, मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी, मीडिया प्रभारी यमुनापार दिलीप कुमार चतुर्वेदी,आनन्द वैश्य सुदर्शन,भोला तिवारी,रत्नाकर सिंह पटेल,विकास चन्द्र शुक्ल,धीरेन्द्र मिश्र,प्रवीण मिश्र आदि के साथ हजारों में यमुनापार, महानगर, गंगापार के जनता-जनार्दन व कार्यकताओं का हजारों में हूजूम मौजूद रहा।

बरेली एक्सप्रेस का इंजन पटरी से उतरा

प्रयागराज। बरेली से प्रयागराज संगम आ रही बरेली एक्सप्रेस का इंजन बुधवार को सुबह प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन के ार्ड के पहले उतर गया। हादसा सुबह 5.20 बजे हुआ। सूचना मिलते ही

गति धीमी होने के कारण संगम रेलवे स्टेशन पर हादसा होते-होते बचा

रेलवे के अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर पहुंच गये और जांच पड़ताल शुरू की तो पाया कि इंजन के 6 पहिये पटरी से उतर गये हैं। गनीमत रही कि ट्रेन प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर पहुंचने वाली थी इसलिए उसकी स्पीड बहुत धीमी हो गयी थी।

ट्रेन के प्लेटफार्म पर पहुंचने से पहले स्पीड धीमे होते ही अधिकांश यात्री प्रयाग स्टेशन पर पहले ही उतर चुके थे और कुछ यात्री प्रयागराज संगम स्टेशन के प्लेटफार्म से पहले उतर चुके थे। घटना के बाद प्रयाग स्टेशन से प्रयागराज संगम स्टेशन के बीच लगभग दो घंटे रेल संचालन बाधित रहा। रेल प्रशासन के यांत्रिक विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी दुर्घटना के बाद रेल संचालन बाधित न होने पाये इसलिए पटरी पर उतरे इंजन के पहिये को पटरी पर लाने का प्रयास युद्ध गति से तेज कर दिया। दो घंटे बाद रेल संचालन शुरू करने के लिए रेल पथ को भी दुरुस्त कर दिया। हालांकि लगभग ढाई-तीन घंटे बाद ट्रेनों की आवाजाही शुरू हो गयी। स्टेशन प्रबंधक वीके यादव ने बताया कि इंजन को पटरी पर चढ़ाने कार्य करने के पश्चात रेल संचालन सुनिश्चित कराने के लिए विभागीय अधिकारी अपने कार्य में जुट गये थे।

ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ियां चलाएगा रेल प्रशासन

प्रयागराज। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु निम्न ग्रीष्मकाल विशेष गाड़ियो का संचालन करने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी सं 05219/05220 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार ट साप्ताहिक विशेष गाड़ी 05219 मुजफ्फरपुर (शनिवार) 4 एवं 11 मई को 02 फेरे में 05220 आनंद विहार ट(रविवार) 5 व 12 मई को 02 फेरे में चलेगी। इस गाड़ी में 19 डिब्बे होंगे।

गाड़ी सं 05251/05252 मुजफ्फरपुर - आनंद विहार ट साप्ताहिक विशेष गाड़ी 05251 मुजफ्फरपुर (बुधवार) 8 एवं 15 मई को 02 फेरे में 05252 आनंद विहार ट (गुरुवार) 9 व 16 मई को 02 फेरे में चलेगी। इस गाड़ी में 22 डिब्बे होंगे।

ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ियों से यात्रा करेंगे यात्री

प्रयागराज। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु निम्न ग्रीष्मकाल विशेष गाड़ियो का संचालन करने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी स. 09177/09178 उधना -जयनगर-उज्जैन विशेष गाड़ी संख्या 09177 उधना से बुधवार 1 मई, 09178 जयनगर से शुक्रवार 3 मई को चयलेगी। इस गाड़ी में कुल 22 डिब्बे होंगे।

ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ियों के संचालन अवधि में होगा विस्तार

प्रयागराज। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु निम्न ग्रीष्मकाल विशेष गाड़ियों संचालन अवधि में विस्तार करने का निर्णय लिया गया है। 03639/03640 गया -आनंद विहार ट.- गया सुपरफास्ट एक्सप्रेस विशेष, 03653/03654 गया -आनंद विहार ट.- गया सुपरफास्ट एक्सप्रेस विशेष 04037 सहरसा -नई दिल्ली अनारक्षित विशेष सहरसा से 3 मई को 1 फेरे में चलेगी। इस गाड़ी में कुल 22 कोच होंगे।

ई-रेल टिकटों का अवैध व्यापार करने वाला चढ़ा रेसुब के हत्थे

36671 के टिकट, 1500 नकद व मानीटर, सीपीयू व मोबाइल बरामद

प्रयागराज। रेलवे के सबसे व्यस्ततम एवं अति महत्वपुर्ण मंडलों में से एक प्रयागराज मंडल यात्रियों की सुखद व सुरक्षित यात्रा के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहता है रेलवे सुरक्षा बल यात्रियों की आसान यात्रा के लिए रेल टिकटों का अवैध व्यापार के विरुद्ध निरंतर अभियान चलती रहती है।

रेलवे सुरक्षा बल, फिरोजाबाद के उप निरीक्षक, नंदराम वर्मा एवं क्राइम विंग टूंडला के सहायक उप निरीक्षक, विनोद गोतम द्वारा मुख्यालय साइबर सेल प्रयागराज के तकनीकी सहयोग से आदेश कम्युनिकेशन, फिरोजाबाद नामक दुकान पर डिकॉय चेकिंग में ऑनलाइन सर्विस सेंटर एवं 2 एजेंट आईडी की आड़ में 3 विभिन्न पर्सनल यूजर आईडी से तत्काल, प्रीमियम तत्काल व सामान्य कोटे की ई-टिकटें बनाकर रेलवे के ई-टिकटों की कालाबाजारी करने वाले आदित्य गुप्ता पुत्र आदेश कुमार गुप्ता, उम्र 20 वर्ष, निवासी - पेमेश्वर गेट उर्वशी तिराहा, थाना दक्षिण, जिला फिरोजाबाद, उ.प्र. को गिरफ्तार किया गया। आदित्य गुप्ता के पास से एक मॉनीटर, एक सीपीयू, एक कीबोर्ड, एक माउस, एक प्रिन्टर, एक मोबाइल, एक टिकट भविष्य की और 10 पिछली यात्रा की टिकटें के साथ 1500 रुपये नकद बरामद किए गए। बरामद की गई टिकटों में 776/- रुपए की भविष्य यात्रा की 1 ई-टिकट और 36,671/- रुपये की अतीत यात्रा की 10 ई-टिकटें हैं। आदित्य गुप्ता ऑनलाइन सेवा केंद्र तथा एजेंट आईडी की आड़ में पर्सनल यूजर आईडी से तत्काल, प्रीमियम तत्काल एवं सामान्य कोटे की ई-टिकटें बनाकर 200 से 300 रुपए प्रति टिकट अधिक लेकर करीब 5 वर्षों से ई टिकटों का अवैध व्यापार कर रहा था। आरोपी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र तबरेज निजाम एवं पुत्रवधूजारा खान मेरे कहने सुनने में नहीं है। सम्पत्ति के लालच में आये दिन परेशान करना व जान से मारने का प्रयास दोनों करते हैं और लगातार धमकियां देते हैं कि अपनी सम्पति हमारे नाम कर दो नहीं तो जान से मारकर सम्पति हड़प लेंगे। उनकी रोज-रोज की इन्हीं हरकतों से तंग आकर उन्हें अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। आज की तिथि से पुत्र तबरेज निजाम व पुत्रवधू जारा खान से कोई वास्ता एवं सरोकार नहीं है उनके द्वारा किये गये किसी लेन-देन व कार्य के लिए मैं व मेरा परिवार उत्तरदायी नहीं होगा।

निजामुद्दीन पुत्र सिराजुद्दीन निवासी सीसी-8, जीटीबी नगर करेली, प्रयागराज।

नगर आयुक्त ने शहर में हो रहे निर्माण कार्यों का किया औचक निरीक्षण

प्रयागराज। नगर आयुक्त नगर निगम प्रयागराज चन्द्र मोहन गर्ग ने नगर निगम सीमान्तर्गत हो रहे निमार्ण कार्यो का निरीक्षण किया गया। इस दौरान इण्टरलाकिंग/सी0सी0 रोड व कीडगंज उच्च प्राथमिक विद्यालय के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सम्बन्धित

बीम एलाईनमेंट नहीं पायी जिसपर फर्म को नोटिस जारी कर 10 लाख का लगाया जुर्माना

फर्म मेसर्स जान्हवी कन्सट्रशन द्वारा बीम एलाईनमेंट में नही पायी गयी साथ ही कई जगह मानक के विपरीत निर्माण होते पाया। जिस कारण नगर आयुक्त द्वारा रोष व्यक्त करते हुए मुख्य अभियन्ता, को निर्देशित किया कि सम्बन्धित फर्म को उक्त के सम्बन्ध में नोटिस जारी करें तथा संतोषजनक उत्तर प्रस्तुत न होने पर अनुबन्ध की शर्तो के अनुसार रू0 10-00 लाख का अर्थदण्ड आरोपित किया जाए।

नगर आयुक्त द्वारा वार्ड 48 आलोपीबाग में पंजाबी कालोनी में अस्था मेडिकल स्टोर से सिन्धु विद्या मन्दिर स्कूल तक हॉट मिक्स प्लांट का सड़क सुधार कार्य के दौरान सम्बन्धित फर्म मेसर्स महावीर कन्सट्रक्शन द्वारा बिना सफाई कार्य कराये गन्दी सतह पर लेईंग का कार्य कराया गया, टैंक कोट का एप्लीकेशन भी मानक के विपरीत पाया गया तथा बिटुमिन

लेई का कार्य पेवर प्लांट मशीन से कराकर मैनुअल कराया जा रहा था तथा अन्य निर्माण कार्य मानक के अनुरूप नही पायी गयी नगर आयुक्त द्वारा मुख्य अभियन्ता, को निर्देशित किया कि सम्बन्धित फर्म को उक्त के सम्बन्ध में नोटिस जारी करें साथ ही एक सप्ताह के अन्दर मानक के अनुसार गुणवत्तपूर्वक सड़क निर्माण कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें एवं इस कृत्य हेतु सम्बन्धित फर्म पर अनुबन्ध की शर्तो के अनुसार रू0 50-00हजार का अर्थदण्ड आरोपित किया जाए। इसी प्रकार नगर आयुक्त द्वारा जोन 4 वार्ड 89 बक्शी खुर्द में नाली एवं इण्टर लॉकिंग सड़क पुलिया सुधार कार्य का भी निरीक्षण किया गया इस दौरान मेसर्स सिंह कन्सट्रक्शन द्वारा पाया गया कि इण्टरलॉकिंग बिछाये जाने से पूर्ण 100 एम एम मोटाई में जी0एस0बी0 बिछाये जाने का प्राविधान है जो कि मानक के विपरीत है इस हेतु भी नगर आयुक्त द्वारा मुख्य अभियन्ता, को निर्देशित किया कि फर्म को नोटिस निर्गत करे कि एक सप्ताह के अन्दर मानक के अनुरूप जी0एस0बी0 बिछाते हुए गुणवत्तापूर्वक सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें यदि सम्बन्धित फर्म द्वारा संतोषजनक उत्तर प्रस्तुत न होने पर रू0 02-00 लाख का अर्थदण्ड आरोपित किया जाए।

नामांकन प्रक्रिया के तीसरे दिन तीन प्रत्याशियों ने किया नामांकन

प्रयागराज। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के अन्तर्गत बुधवार को नाम निर्देशन के तीसरे दिन संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 51-फूलपुर के लिए 07 लोगो ने एवं संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 52-इलाहाबाद के लिए 08 लोगो के द्वारा नाम निर्देशन पत्र लिया गया।

इस प्रकार अबतक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 51-फूलपुर के लिए कुल 39 लोग व 52-इलाहाबाद के लिए कुल 38 लोगो ने नाम निर्देशन पत्र लिया है। नाम निर्देशन के तीसरे दिन संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 51-फूलपुर हेतु भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी प्रवीण कुमार सिंह एवं 52-इलाहाबाद हेतु भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी एवं राष्ट्रीय समाज दल(आर) के प्रत्याशी राजधर सिंह के द्वारा नामांकन किया गया।

सिंध प्रांत से आये 250 लोगों ने मां गंगा, अक्षयवट, बड़े हनुमान जी का किया दर्शन, पूजन, अर्चन

प्रयागराज। पाकिस्तान के सिंध प्रांत से आये 250 लोगों का बुधवार को प्रयागराज की पावन धरती पर आगमन

सांस्कृतिक विरासत की धरोहरों को देखने के साथ ही प्रयाग की पावन धरती को किया नमन

होने पर विश्व हिन्दू परिषद ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत अभिनंदन किया। सिंध प्रांत से आये लोगों ने त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकियां लगायी और मां गंगा का विधि विधान के साथ पूजन, अर्चन, आरती किया। इसके पश्चात अक्षयवट, समुद्र कूप का दर्शन करने के बाद बड़े हनुमान मंदिर में जाकर माथा टेककर पूजन अर्चन किया।

सुबह संगम स्नान के पश्चात चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा स्थल पर माल्यार्पण करने के साथ ही मां अलोप शंकरी देवी का भी दर्शन, पुजन किया। यह सभी सिंध प्रांत के लोग सिंधी धर्मशाला कीडगंज में रात्रि विश्राम करेंगे। सुबह पुनः नगर के विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों, मंदिरों में पूजन अर्चन करेंगे। पाकिस्तान के 34 जिलों से आये लोगों के ठहरने की व्यवस्था विहिप के प्रांत उपाध्यक्ष विनोद अग्रवाल, विभाग संगठन मंत्री अंशुमान, विभाग सहमंत्री कै. सत्य प्रकाश मिश्र, देशराज, योगेश, शिवम, ओम आनंद, लवलेश, अमरनाथ सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने किया। इन आगंतुकों के आगमन पर पुष्पवर्षा के साथ स्वागत अभिनंदन किया गया।

फूलपुर संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ नामांकन किया

सोरांव प्रयागराज आगामी लोकसभा चुनाव के फूलपुर संसदीय क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी प्रवीण पटेल अपने समर्थकों के साथ बुधवार को नामांकन किया इस मौके पर जिलाध्यक्ष गंगा पार कविता पटेल सत्तारुढ़ युवा एवं जुझारू ब्लॉक प्रमुख सोरांव प्रदीप कुमार पासी सहित सभी मंडलों के मंडल अध्यक्ष पदाधिकारी व कार्य कताओं का जमावड़ा रहा जानकारी के अनुसार मिशन 2024 के लोकसभा चुनाव के फूलपुर संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी प्रवीण पटेल अपने समर्थकों के साथ नामांकन हेतु प्रस्थान किए बता दें कि फूलपुर विधानसभा के वर्तमान विधायक को ही संसदीय क्षेत्र का प्रत्याशी बनाया गया है जिनके नामांकन को लेकर भारी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकताओं के बीच नामांकन किया गया उल्लेखनीय है कि दिनांक 1 मई 2024 को नामांकन को लेकर चंद्रशेखर आजाद पार्क पहुंचे जहां निर्धारित समयानुसार सारे पदाधिकारी व कार्यकताओं सहित काफिला कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचा और नामांकन किया गया सूत्रों की माने तो फूलपुर संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी की जीत को लेकर विगत कई माह से ब्लॉक प्रमुख प्रदीप कुमार पासी व मंडल अध्यक्ष कुलदीप सोनी पार्टी पदाधिकारी व कार्यकताओं के साथ हर समुदाय के बीच प्रचार प्रसार को लेकर पार्टी के लोक कल्याणकारी योजनाएं को भी बताया गया है जिसके फल स्वरुप अब प्रत्याशी की जीत को लेकर रणनीति

लेकर डोर टू डोर पहुंचाया गया है और पार्टी की छवि एवं लोकप्रियता के बारे में तय की जाएगी इस मौके पर मंडल अध्यक्ष पांडेश्वर नाथ धाम सुशील महाराज ग्रामीण रामसुंदर कमला नगर भूपेंद्र बीडीसी सदस्य धीरू पासी मीडिया प्रभारी आशीष पासी जेपी पटेल लालचंद चमार अंशु शुक्ला एडवोकेट संजीव द्विवेदी विकासखंड बहरिया अध्यक्ष बसंत लाल पटेल मऊआइमा नगर शारदा प्रसाद शुक्ला गुलफाम अंकित पासवान संतलाल पासी सहित इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहे

खंड विकास अधिकारी की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस का आयोजन

सोरांव प्रयागराज अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस एक महत्वपूर्ण दिन इसलिए कहा जाएगा कि इसी दिन श्रमिकों के अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और बेहतर कामकाजी परिस्थितियों के लिए उनके संघर्ष को बढ़ावा देना है इसी क्रम में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस समाज और अर्थव्यवस्था में श्रम के महत्व को याद दिलाने का भी काम करता है बता दें कि अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस को लेकर कई समारोह का आयोजन किया जाता है और इस आयोजन में मजदूरों को प्रोत्साहन सम्मान देकर उन्हें सम्मानित किया जाता है जिसके दृष्टिगत दिनांक 1 मई 2024 को खंड विकास अधिकारी सुनील कुमार के स्थित कार्यालय पर पांच मजदूरों को सम्मानित किया गया जिनमें चार पुरुष व एक महिला शामिल रहे उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मनरेगा श्रमिक को लेकर वित्तीय वर्ष 2023 व 24 में 100 दिन का रोजगार प्राप्त करने वाले मनरेगा श्रमिकों को श्रम दिवस के अवसर पर उन्हें अंगौछा भेंट कर माल्यार्पण किया गया और उनका मुंह मीठा किया गया जिसमें ग्राम पंचायत लखनपुर करन के विनोद कुमार व उनकी पत्नी मीना रही इसी क्रम में ग्राम पंचायत सराय बाहर के कल्लू ग्राम पंचायत जैतवारडीह भोला ग्राम पंचायत राजापुर मलहुवा श्याम लाल सहित इत्यादि रहे बताते चलें कि अंतर्राष्ट्रीय

मजदूर दिवस का कार्यक्रम समापन पश्चात विकास कार्यों के प्रगतिशील कार्यों को लेकर सभी सचिवों के साथ बैठक की गई जिनमें सारे प्रगतिशील कार्यों को समयावधि पूर्ण कराए जाने के लिए निर्देशित किया गया जिससे विकास कार्य की प्रगति शासन की मंशा अनुरूप परिलक्षित हो सके इस मौके पर लेखाकार संजय कनौजिया मनरेगा लेखाकार देवा नंद श्रीवास्तव सचिव रिद्धि मिश्रा सुनीता सिंह रिचा सिंह यादव मिथिलेश मिश्रा कौशल कुमार लाल प्रताप यादव मुकेश कुमार मौर्य मोहम्मद साकिब विपिन दुबे मुकेश कुमार मौर्य कनिष्क लिपिक प्रियंका सिंह सहित इत्यादि उपस्थित रहे

बीडीओ ने दिया लू से बचाव हेतु दिशा निर्देश

सोरांव प्रयागराज तिलमिलाती धूप और लू की समस्या से आम जनमानस व पशु पक्षी जूझ रहा है जिसके लिए हम अपना बचाव का ध्यान रखें कि लू की चपेट में ना आए जिसे लेकर खंड विकास अधिकारी सुनील कुमार द्वारा सावधानियां बरतने का आगाह किया गया जानकारी के अनुसार चिंगारी वाली धूप व तेज हवा के साथ लू का प्रकोप आम जनमानस के लिए ही नहीं बल्कि पशु पक्षी सहित सारे जीव के लिए एक कड़ी चुनौती बनी है जिसके चपेट में आकर लोग जूझ रहे हैं बता दें कि खंड विकास अधिकारी सुनील कुमार द्वारा बचाव हेतु सावधानियां बरतने की अपील की गई कि समय का ध्यान देते हुए ही बाहर निकलें और खाली पेट ना रहें पानी एवं तरल पदार्थ का खूब सेवन करें सादा खाना खाएं नंगे बदन और नंगे पांव न निकले कॉटन कपड़ों का प्रयोग करें दिन में तीन बार नहाए शरीर का तापमान ठंडा रखें इसी क्रम में लू से बचाव हेतु उन्होंने कहा कि विकासखंड के सभी ग्राम पंचायत के सचिव अधीनस्थ अधिकारी कर्मचारी एवं ग्राम प्रधानों को दिशा निर्देशन देते हुए बल देकर कहा गया है कि किसी भी व्यक्ति को तेज बुखार सांस लेने में तकलीफ उल्टी होना चक्कर आना बार-बार मुंह सूखना तेज पसीना होना बदन में दर्द होना इत्यादि जिसके लिए तत्काल चिकित्सक की सलाह लेना चाहिए जिससे लू और तिलमिलाती हुई धूप से बचाव हो सके

वृद्ध की हत्या में नामजद आरोपी पुलिस हिरासत में पूछताछ जारी

मऊ आइमा प्रयागराज। फाजिलाबाद उर्फ कालूपुर गांव में छत पर सो रहे वृद्ध की हत्या के मामले का खुलासा करने में बहरिया पुलिस लगी हुई है। नामजद आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछ ताछ की जा रही है। लेकिन दो दिन बाद भी पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी है। फाजिलाबाद उर्फ कालूपुर निवासी आशाराम यादव गांव से कुछ दूर खेत में अपना मकान बना कर रहते थे। सोमवार को उनका बड़ा लड़का रामनाथ रात करीब 11 बजे खाना लेकर आया था। आशाराम खाना खाकर छत पर सोने चले गए। मंगलवार की सुबह करीब 6 बजे उनका बेटा रामनाथ आया तो घर का दरवाजा खुला था। जब वह अपने पिता को खोजते हुए छत पर पहुंचा तो वह मृत पड़े थे। अगल अगल खून फैला हुआ था। उनके सिर पर किसी वजनदार हथियार से प्रहार किया गया था। सूचना पर थानाध्यक्ष बहरिया रणविजय सिंह सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे। मामले की गंभीरता को देखते हुए मऊआइमा और फूलपुर के थानों की पुलिस भी बुला ली गई। हत्यारों तक पहुंचने के लिए डॉग स्क्वाड और फिंगरप्रिंट की टीम भी आई और सुराग लिया। लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। रामनाथ ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि जब वह सोमवार की रात खाना लेकर गया था तो घर के सामने सड़क पर अज्जी व शहजादे निवासी फाजिलाबाद कालूपुर तथा तीन अज्ञात लोग टहल रहे थे। यही लोग एक माह पहले बकरी चराने को लेकर विवाद किए थे और जान से मार डालने की धमकी दी थी। इन्हीं लोगों ने मेरे पिता की हत्या कर दी है। रामनाथ की तहरीर पर पुलिस ने अज्जी पुत्र मोहम्मद हनीफ, शहजादे पुत्र बशीर निवासी फाजिलाबाद कालूपुर एवं तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है। थानाध्यक्ष बहरिया रण विजय सिंह ने बताया कि नामजद आरोपी अज्जी और शहजादे का हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। शीघ्र ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

जाति एवं धर्म विशेष पर कोई भी न निकाले जूलूस :डीईओ

भदोही। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निदेर्शों व नियमों तथा आदर्श आचार संहिता के अनुरूप जिला निर्वाचन अधिकारी विशाल सिंह द्वारा जनपद के राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों, प्रत्याशियों, जनसामान्य को अवगत कराया गया कि जाति विशेष या धर्म विशेष के आधार पर किसी पार्टी, प्रत्याशी, व्यक्ति द्वारा जनसभा करने या जूलूस निकालने की अनुमति न तो मॉगी जायेगी और न ही उपर्युक्त आधार पर दी जायेगी। यदि कोई ऐसा करते हुए पाया जाता है या संज्ञान में आता है तो उसके खिलाफ सुसंगत धाराओं एवं आदर्श संहिता के उल्लंघन में दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

चलती कार का टायर फटा, एक युवक की मौत

ज्ञानपुर(भदोही)। प्रयागराज से भदोही की तरफ आ रही एक कार उस समय बेकाबू होकर पलट गई, जब तेज आवाज के साथ कार का एक टायर फट गया। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल होगए। सूचना पर पहुंची मुकामी पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्यवाही की।

यह हादसा गोपीगंज थाना क्षेत्र में छतमी के नजदीक हुआ। जानकारी के मुताबिक प्रयागराज की तरफ से एक मारुति वैन आ रही थी। छतमी के नजदीक वैन का टायर फट गया और कार पलट गई। तेज रफ्तार में हादसा होने के कारण कार सवार भोले पटेल (35) पुत्र प्रेम पटेल (निवासी छेछुआ, कोइरौना) की मौत हो गई, जबकि चालक छोटू सिंह (27) पुत्र बाबा, सोनू पटेल (16) पुत्र रामदयाल पटेल, सूरज पटेल (10) पुत्र अरविंद पटेल और नारायण (40) पुत्र प्रेम पटेल घायल हो गए ह्यादसे के बाद आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचित किया। मौके पर आई पुलिस ने सभी को अस्पताल पहुंचाया, जहां भोले पटेल को मृत घोषित किया गया, जबकि शेष का इलाज जारी है। युवक के शव को कब्जे में लेकर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

25 मई को महिलाएं परिवारजनों के साथ वोट करने के बाद ही बनाये नास्ता-भोजन :डीएसओ

भदोही। भारत निर्वाचन आयोग व मुख्य निर्वाचन अधिकारी उ0प्र0 के मंशानुरूप जिला निर्वाचन अधिकारी विशाल सिंह के मार्गदर्शन व निर्देशन में नोडल अधिकारी स्वीप/मुख्य विकास अधिकरी यशवंत कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद के विभिन्न स्कूल,कालेजों, कार्यालयों, संस्थाओं द्वारा स्वीप के अंतर्गत मतदाता जागरूकता संबंधी विभिन्न कार्यक्रम प्रतिदिन संचालित किये जा रहे है। नोडल अधिकारी स्वीप ने बताया कि सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता

स्वीप के अंतर्गत गैंस सिलेन्डरों पर 25 मई मतदान जरुरी का स्टीकर चस्पा कर वोट की अनूठी पहल

सिलेंडरों पर स्टीकर चस्पा करते कर्मचारी

कार्यक्रम अर्थात स्वीप के अन्तर्गत जनपद में मतदान का प्रतिशत बढ़ाये जाने हेतु विविध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर जनपदवासियों को 25 मई को अनिवार्य रूप से मतदान करने के लिए प्रेरित व जागरूक किया जा रहा है।

इसी क्रम में आज मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिला आपूर्ति अधिकारी सीमा सिंह के नेतृत्व में जनपद के सभी तहसीलों में गैंस सिलेंडर डिलिवर करने वाली वाहनों पर 25 मई मतदान जरूरी, पहले मतदान, फिर जलपान। छोड़ दो अपने सारे काम, पहले करो मतदान, आओ मिलकर अलख जगाये, शत-प्रतिशत मतदान कराये, कालीन है जिसकी पहचान, उसे है लोकतंत्र पर अभिमान, आदि स्लोगन युक्त बैनर, फ्लैक्स के माध्यम से मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया। जिसके क्रम में तहसील भदोही में तहसील संजय कुमार, तहसील औराई में उप जिलाधिकारी आकाश कुमार द्वारा तहसील ज्ञानपुर में तहसीलदार अजय सिंह द्वारा गैंस सिलेन्डरो पर 25 मई मतदान जरूरी का स्टीकर चस्पा कर वाहन मतदाता जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। ह्यह्यबनो देश के भाग्य विधाता, अब जागो प्यारे मतदाता, सशक्त लोकतंत्र के लिए,वोट है जरूरीह्लह्ल विषयक संदेशों से जागरूक किया गया।जिला पूर्ति अधिकारी सीमा सिंह ने बताया कि गैंस सिलेन्डर का प्रयोग किचन में होता है जहॉ प्रतिदिन महिला मतदाताओं का अधिकांश समय गुजरता है। सिलेन्डर पर ह्यह्य25 मई मतदान जरूरीह्लह्ल स्टीकर महिलओं को जागरूक करने के साथ ही साथ उनकों याद दिलायेगा कि 25 मई को परिवारजनों के साथ जाकर अपने बूथ पर वोट करना है। साथ ही महिलाएं 25 मई को वोट देने के बाद ही खाना-पिना बनाये तथा अंगुली पर नीली स्याही का निशान देखकर ही घर के पुरूष मतदाताओं को नास्ता भोजन दे।

तीसरे दिन प्रेमचंद्र बिंद और राम प्रकाश ने भरा पर्चा

नामांकन करते प्रेमचंद्र बिंद

भदोही। नामांकन प्रक्रिया के तीसरे दिन पर्चा दाखिल करने की शुरूआत हो गई।

राजनीतिक दलों व निर्दल प्रत्याशियों द्वारा अब तक खरीदे गए 30 नामांकन फाम

तीसरे दिन दो प्रत्याशियों ने पर्चा भरा। इसके साथ ही दो पर्चे बेचे गए। अब तक कुल नामांकन फार्म बिक चुके हैं। भदोही संसदीय सीट से नामांकन के तीसरे दिन बुधवार को राम प्रकाश पुत्र त्रिवेणी प्रसाद (निवासी सहसेपुर औराई, राष्ट्रीय समाज पार्टी) एवं प्रेमचंद्र बिंद पुत्र स्व. शीतला प्रसाद मिश्र (निवासी बारीपुरवा, दशरथपुर, प्रगतिशील समाज मानव पार्टी) ने आरओ विशाल सिंह एवं सहायक रिटर्निंग आफिसर भान सिंह के समक्ष पर्चा दाखिल किया। नामांकन के प्रथम दिन 18, द्वितीय दिन 10 एवं तृतीय दिन दो नामांकन पत्र के साथ अब तक कुल 30 नामांकन पत्रों का वितरण हुआ है। कलेक्ट्रेट परिसर के आसपास सुरक्षा व्यवस्था व बैरीकेटिंग के कड़े प्रबंध किए गए हैं। मुख्य गेट पर मेटल डिडेक्टर लगाए गए हैं, जहां चेकिंग के पश्चात अंदर के लिए प्रवेश दिया जा रहा है। कलेक्ट्रेट में नामांकन स्थल पर जाने के लिए सीसीटीवी कैमरा एवं बाहर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं।

संशोधन के लिए तीन मई तक खुला रहेगा पोर्टल

भदोही। जिला समाज कल्याण अधिकारी डा. ऐश्वर्य राज लक्ष्मी ने समस्त शिक्षण संस्थाओं के प्रधानाचार्य व अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को सूचित किया कि अनुसचिव के शासनादेश द्वारा दशमोत्तर कक्षाओं में अध्ययनरत अनु जाति/अनुसूचित जनजाति की छात्रवृत्ति के लिए जारी समय सारणी के अनुसार द्वितीय चरण में एक जनवरी, 2024 से 31 मार्च 2024 तक आनलाइन किए गए छात्रवृत्ति आवेदन पत्रों में पाई गई कमियों में सुधार किए जाने के लिए एक मौका दिया जा रहा है। डा. ऐश्वर्य राज लक्ष्मी ने बताया कि ऐसे छात्र-छात्राओं के लिए पोर्टल 26 अप्रैल को खोल दिया गया है, जो तीन मई, 2024 तक खुला रहेगा। सभी शिक्षण संस्थाए संस्थान में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को सूचित कर दें कि करेक्शन की तिथि में छात्र एवं संस्थाएं गत वर्ष के पूर्णांक व प्राप्तांक के साथ-साथ अन्य जो त्रुटिया प्रदर्शित हो रही हैं, को सही करके संशोधन के उपरांत तत्काल प्रिंट आउट संस्थान में जाकर दें।

एनीमिया मुक्त भारत बनाने की दिशा में जिला प्रशासन प्रतिबद्ध

भदोही। एनिमिया मुक्त भारत बनाने के क्रम में जिलाधिकारी विशाल सिंह की उपस्थिति में कमला अंकीबाई घमण्डीराम गोवानी ट्रस्ट मुम्बई एवं मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संतोष कुमार चक की टीम द्वारा ब्लाक भदोही के कस्तुरबा गॉधी बालिका आवासीय विद्यालय हरिचन्दनपुर में 95 कस्तुरबा विद्यालय, कस्तुरबा विद्यालय औराई में 93, कस्तुरबा विद्यालय गोपीगंज 89, कस्तुरबा विद्यालय वहिदा डीघ में 95, बलिकाओं के हीमोग्लोबिन की जॉच की गयी तथा एनीमिया मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत सभी को आयरन फोलिक एसिड के टैबलेस्ट तथा एलबेन्डाजोल के टैबलेट दिये गये।

जिलाधिकारी ने कस्तुरबा गॉधी विद्यालय औराई में छात्राओं को एनीमिया मुक्त के बारे में दी जानकारी

छात्राओ के साथ खड़े डीएम विशाल सिंह

कस्तुरबा गॉधी आवासीय विद्यालय औराई में उपस्थित होकर जिलाधिकारी ने बालिकाओं से संवाद करते हुए उन्हें एनीमिया के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि हम सभी के सम्मलित प्रयासों से एनीमिया मुक्त भारत अभियान सफल होगा। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि विद्यालयों में निशुल्क एनीमिया शिविर लगाकर जॉच व दवाएं वितरण कर भारत को एनीमिया से मुक्त बनाया जाय अभियान का नेतृत्व अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा ओपी शुक्ला तथा विकास खण्डों के आरबीएसके टीम द्वारा की गयी। एनीमिया मुक्त भारत अभियान को सफलता के साथ संचालन व साकार बनाने के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र नारायण सिंह द्वारा सभी विद्यालयों में स्वास्थ्य विभाग की टीम जॉच आदि टैबलेट वितरण की कार्यवाही को सुनिश्चित कर रही है।

साइबर सेल की पाठशाला में बच्चों ने सीखा फ्राड से बचाव का तरीका

भदोही। आनलाइन फ्राड की घटनाओं से बचाने और लोगों को जागरुक करने के उद्देश्य से बुधवार को जिले की साइबर सेल ने जागरुकता कार्यक्रम चलाया। एक्सिलेंट कोचिंग सेंटर, जोरई ज्ञानपुर में छात्र-छात्राओं को फ्राड से बचाव का पूरा तरीका समझाया गया। इस दौरान लगभग 100-150 बच्चे व शिक्षक मौजूद रहे।

साइबर सेल से निरीक्षक सेतांशु शेखर पंकज ने बताया कि साइबर वित्तीय धोखाधड़ी की सूचना तत्काल हेल्पलाइन -1930/112 पर दें, ताकि धनराशि खाते में फ्रीज कराई जा सके। इसके अलावा साइबर अपराध एनसीआरपी पोर्टल की वेबसाइट-.बलइमतबतपउम.हवअ.पद पर शिकायत दर्ज कराएं। खाते में केवाईसी अपडेट कराने के लिए बैंकों द्वारा कभी भी किसी से व्यक्तिगत जानकारी / ओटीपी /सीवीवी/पिन नहीं मांगी जाती है।

बताया कि किसी भी वेबसाइट पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से पहले अच्छी तरह से जांच लें, आनलाइन सेवा प्रदान करने वाली कंपनियों व सरकारी विभाग के कस्टमर केयर का नंबर अधिकारिक वेबसाइट से ही प्राप्त करें। किसी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें। पैसा पेने के लिए खुद की यूपीआई और पासवर्ड डालने की जरूरत नहीं होती।

इसके अलावा एटीएम से पैसा निकालते समय सावधानी बरतें, एटीएम कक्ष में किसी अन्य को प्रवेश न करने दें। फेसबुक व अन्य सोशल साइट पर साइबर अपराध का शिकार होने से बचने के लिए किसी भी अज्ञात व्यक्ति को जोड़ने या मित्र बनाने से बचें। अनजान व्यक्ति के द्वारा पैसे की मांग किए जाने पर अच्छे से जांच लें एवं अपने खाते का बैलेंस चेक कर लें, किसी के बहकावे में न आएं।

इस कार्यक्रम में कोचिंग सेन्टर के स्टाफ आरपी यादव, अमरेश दुबे, रमाशंकर यादव, दीवान एवं साइबर क्राइम टीम से निरीक्षक सेतांशु शेखर पंकज, कास्टेबल कन्हैया कुमार सिंह, बलराम यादव, नैंसी यादव, बेबी यादव मौजूद रहीं।

महादान की अपील : भूसा दान कर बनें पुण्य के सहभागी

भदोही। जिलाधिकारी विशाल सिंह ने जनपद के सभी ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, जिला पंचायत सदस्य, जनप्रतिनिधियों, संभ्रांत व्यक्तियों, व्यवसायियों एवं समाजसेवियों से भूसा दान की अपील की है। बताया कि जनपद में 31 गोवंश आश्रय स्थल संचालित हैं, जिसमें कुल 7684 गौवंश संरक्षित किए गए हैं, जिनके भरण पोषण के लिए भूसा, हरा चारा की आदि की आवश्यकता होती है। इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा भरण-पोषण के लिए उपलब्ध कराई जा रही अनुदान धनराशि के साथ-साथ जनसामान्य से भी सहयोग की अपेक्षा है। जिलाधिकारी ने कहा, गोआश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशों के भरण पोषण के लिए सहयोग द्वारा अधिक से अधिक मात्रा में भूसा दान करें, साथ ही अपेक्षा है कि इस पुनीत कार्य में उन्मुक्त भाव से सहयोग करते हुए पुण्य के भागी बनें। भूसा दान में यह सहयोग सदा सराहनीय रहेगा। प्रत्येक विकास खंड के भूसा दान कताओं को जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित किया जाएगा। भूसा दान करने के लिए मुख्य पशु चिकित्साधिकारी के मोबाइल नं. 9140238193 या गोआश्रय स्थल पर संपर्क किया जा सकता है।

20 बरस जेल में रहेगा कुकर्मी, 1.1 लाख का अर्थदंड लगा

अप्राकृतिक कृत्य व वीडियो बनाकर दे रहा था धमकी

भदोही। ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत चिह्नित अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्यवाही जारी है। बुधवार को अदालत ने एक प्रकरण में आरोपी को बीस साल की सजा और 1.1 लाख रुपये का जुमार्ना अदा करने की सजा सुनाई। यह प्रकरण अप्राकृतिक कृत्य करने और वीडियो बनाकर धमकाने का है।

30 नवंबर, 2023 को इस मामले की शिकायत ऊंज थाने पर पीड़ित के पिता द्वारा की गई थी। आरोपित है कि किशोरवय बेटे के साथ अप्राकृतिक कृत्य किया गया और फिर वीडियो बनाकर धमकी दी जा रही है। इस मामले में पुलिस ने धारा-377, 506 व 5/6 पाक्सो एक्ट, 67। आईटी एक्ट में केस दर्ज किया और जांच के उपरांत आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया।विशेष लोक अभियोजक डा. अश्वनी कुमार मिश्र ने बताया कि न्यायालय में आरोप पत्र तय होने के बाद मात्र ढाई माह में आज अपर सत्र न्यायाधीश (विशेष न्यायाधीश, पॉक्सो) ने अभियुक्त गोलू शाह पुत्र जिलानी शाह (निवासी गोधना, ऊंज) को नाबालिग के साथ अप्राकृतिक कृत्य करने व वीडियो बनाकर धमकी देने का दोषी सिद्ध करते हुए सजा सुनाई। अर्थदंड की संपूर्ण धनराशि पीड़ित को क्षतिपूर्ति के रूप में प्रदान की जाएगी।

परदेशियों का आह्वान, घर आकर मनाएं लोकतंत्र का त्योहार

भदोही। जिला निर्वाचन अधिकारी विशाल सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी यशवंत कुमार सिंह के निर्देशन में मतदाता जागरुकता को विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को डिस्ट्रिक्ट स्वीप आईकॉन अशोक कुमार गुप्ता एवं उर्मिला देवी ने प्राथमिक विद्यालय जगापुर (ज्ञानपुर) में अनुरोध एवं भ्रमण कार्यक्रम के तहत गैर जनपद एवं राज्यों में निवास कर रहे गणेश सिंह मुंबई, दीपक कुमार सिंह मुंबई, रिशु सिंह मुंबई, महेश सिंह मुंबई, प्रिया सिंह मुंबई, मनोज सिंह मुंबई, स्वाती मुंबई, साधना मुंबई, हेमंत सिंह मुंबई, विकास सिंह सूरत, विश्वनाथ पाल, अनमोलचंद, पंकज व रामचंद्र इत्यादि मतदाताओं से टेलिफोनिक वार्ता की और 25 मई को घर आकर मतदान की अपील की। इस अवसर पर गांव के सुरेश पाल, जो दिव्यांग हैं, का मतदान के प्रति बुलंद हौसला देखने को मिला। उन्होंने कहा कि - मैं बाहर रहता हूं किंतु जिलाधिकारी से प्रेरित होकर मैं मतदान करने के लिए अपने घर आया हूं और इस बार मतदान करके ही बाहर जाऊंगा। आग्रह एवं अनुरोध कार्यक्रम में संतोष कुमार सिंह ग्राम प्रधान, श्रीधर पाल ग्राम सचिव, वर्षा सिंह पंचायत सहायक, संतोष कुमार गौतम, श्याम कुमारी बीएलओ, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, आशा एवं सुशीला देवी प्रधानाध्यापिका सहित गांव के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में सभी को मतदान की शपथ दिलाई गई।

आज ही के दिन मजदूरों ने उठाई थी अपने हक की आवाज

मजदूर दिवस पर हिमकिप द्वारा आयोजित किया गया संगोष्ठी

भदोही। हिंद मजदूर किसान पंचायत द्वारा बुधवार को विश्व मजदूर दिवस पर नगर के मशाल रोड पर स्थित जिला कैंप कार्यालय में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में शहीद मजदूरों को श्रद्धांजलि अर्पित कर लाल सलामी दी गई।

इस दौरान हिमकिप के प्रदेश अध्यक्ष मो.हसनैन अंसारी ने कहा कि इस दिन को मनाने की नींव अमेरिका में रखी गई थी। जब अमेरिकी मजदूरों ने अपने अधिकारों को लेकर आवाज उठाते हुए आंदोलन किया। उन दिनों मजदूर एक दिन में 15-15 घंटे काम करते थे। अपने कार्य अवधि को कम और तय करने की मांग करते हुए मजदूर 1986 में सड़कों पर उतर आए और हड़ताल करने लगें। उन्होंने कहा कि आंदोलन में पुलिसकर्मियों ने मजदूरों पर लाठीचार्ज और फायरिंग कर दी। पुलिसकर्मियों की लाठीचार्ज और फायरिंग से हजारों मजदूरों की जान चली गई। जबकि सैकड़ों की संख्या में श्रमिक घायल हो गए। उस समय सड़कों और नालियों में खून ही खून बह रहा था। तब झंडा सफेद रंग का हुआ करता था। लेकिन उसके बाद झंडे का रंग लाल कर दिया गया।इस मौके पर दिनेशपति त्रिपाठी, संजीव दुबे, मो.नईम खां, आजाद सलाउद्दीन अंसारी, शैलेंद्र दुबे, राजेश श्रीवास्तव, मसूद आलम, रेहान नवाज, आदिल सिद्दीकी, सरफराज अहमद, डॉ.हफीजुर्रहमान, शेख असलम, अकबर अली, इरशाद अंसारी, राजेश कुमार, अतहर अली, सरफराज गौरी, प्रिंस अंसारी, अल्ताफ अहमद, इरफान अहमद, अजहर जादूगर व अशरफ अली आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहें। संचालन अबरार अहमद ने किया।

सपा, बसपा व कम्युनिस्ट के प्रत्याशियों ने किया नामांकन

स्वतंत्र चेतना

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ संसदीय क्षेत्र से आज समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी तथा सोशलिस्ट यूनिटी सेन्टर आफ इण्डिया (कम्युनिस्ट) के प्रत्याशी ने नामांकन किया। सबसे पहले समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी एसपी पटेल आज सुबह बेल्हा देवी मंदिर में दर्शन करने के बाद सपा व कांग्रेस कार्यालय होते हुए जिला कचहरी पहुंचे, जहां उन्होंने नामांकन दाखिल किया। इसके बाद अपरान्ह में लगभग पौने दो बजे बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी प्रथमेश मिश्रा ने सादगी के साथ अपना नामांकन दाखिल किया। बाद में सोशलिस्ट यूनिटी सेन्टर आफ इण्डिया (कम्युनिस्ट) के प्रत्याशी रामकुमार यादव ने अपना नामांकन दाखिल किया। आज कुल तीन नामांकन दाखिल हुए।

लोकसभा चुनाव के नामांकन प्रक्रिया में बुधवार को इण्डिया गठबंधन के सपा प्रत्याशी पूर्व एमएलसी डॉ. एस. पी. सिंह (शिवपाल सिंह पटेल) ने अपने दलबल के साथ चिलबिला कार्यालय से निकल मां बेल्हा देवी का दर्शन-पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद लिया, इसके बाद सपा कार्यालय पहुंचे जहां से इण्डिया गठबंधन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के साथ अम्बेडकर चैराहे स्थित बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जिला कलेक्ट्रेट पहुँचकर दो सेट में अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन के उपरांत सरदार वल्लभ भाई पटेल,पंडित मुनेश्वर दत्त उपाध्याय व डॉ राममनोहर लोहिया, सरदार भगत सिंह तथा स्टेशन रोड स्थित स्वामी विवेकानंद सहित शहर स्थित विभिन्न महापुरुषों की प्रतिमा के समक्ष पुष्प व माल्यार्पण किया। इसके उपरांत जिला कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित जनसभा में पहुंचे जहां पर इण्डिया गठबंधन के प्रत्याशी डॉ एसपी सिंह पटेल ने कहा कि प्रतापगढ़ में उद्योग विहीन होने से यहां के लोगों को रोजगार के लिए भटकना पड़ता है। यहां की जनता को स्वास्थ्य,शिक्षा सहित मूलभूत सुविधाएं सही तरीके से नहीं मिल रही हैं। उन्होंने दावा किया कि यहां पर मेरा चुनाव प्रतापगढ़ की जनता लड़ रही है क्योंकि हमें चहुंओर जनता का समर्थन लगातार मिल रहा है। इस मौके पर विधायक हाकिम लाल बिंद, पूर्व विधायक नागेन्द्र सिंह यादव, विधायक राम सिंह पटेल, कांति सिंह पटेल पूर्व एमएलसी, सपा नेता संजय पाण्डेय, कांग्रेस जिला अध्यक्ष नीरज तिवारी,आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष दिनेश उपाध्याय, कम्युनिस्ट पार्टी के राम बरन सिंह,लाल बहादुर तिवारी, सपा जिला उपाध्यक्ष आशुतोष पाण्डेय, कांग्रेस नगर अध्यक्ष इरफान सपा नगर अध्यक्ष निसार अहमद आदि ने सम्बोधित किया। सभा का संचालन महासचिव अब्दुल कादिर जिलानी ने किया। प्रस्तावक के रूप में सुशील कुमार व अब्दुल कादिर जिलानी मौजूद रहे।

उधर बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी प्रथमेश मिश्रा ने अपना नामांकन दाखिल किया। उनकी पत्नी प्रीति मिश्रा उनकी प्रस्तावक रहीं। अपरान्ह में 1.20 बजे अपने आवास से निकलकर प्रथमेश कलेक्ट्रेट पहुंचे जहां उन्होंने अपना नामांकन जिलाधिकारी को सौंपा। इस अवसर पर उन्होंने अपने समर्थकों से कहा कि वह इसी धरती की माटी में पले-बढ़े हुए हैं। इस मौके पर बसपा जिलाध्यक्ष सुशील गौतम, अवधेश तिवारी, मुनीर अली, रवीन्द्र रावत आदि मौजूद रहे।

अपना नामांकन दाखिल करते सपा प्रत्याशी एसपी पटेल व बसपा प्रत्याशी प्रथमेश मिश्रा

सपा प्रत्याशी के नामांकन में रही गहमा-गहमी

सपा के नामांकन में प्रमोद तिवारी व डा0 आरके वर्मा रहे नदारद

प्रतापगढ़। सपा के नामांकन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी तथा रानीगंज के विधायक डा0 आरके वर्मा नहीं दिखाई पड़े। डा0 आरके वर्मा तो जब से एसपी पटेल सपा प्रत्याशी घोषित हुए हैं, उनके किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में नहीं आए लेकिन प्रमोद तिवारी का आने की लोगों को आशा थी लेकिन वह नामांकन में नहीं पहुंचे।

साथी के उजड़े आशियाने को बसाने की बच्चों की अनोखी पहल

स्वतंत्र चेतना

प्रतापगढ़। समुद्र पर पुल बनाने में वानर सेना रीछ और भालू सभी जी तोड़ मेहनत कर रहे थे। उन्हीं के बीच एक छोटी गिलहरी भी अपना योगदान दें रही थी। सहपाठी विकास के उजड़े आशियाने को फिर से बसाने के लिए गिलहरी की तरह छोटे बच्चे और छात्र एकजुट हो गए। उन्होंने राहत सामाग्री जुटाई घर बनाने का सामान बांस, बल्ली, सरपत, टिन लेकर पहुंच गए बोधी पांडेय का पुरवा विकास के घर। उजड़े घर को फिर से बनाने का जोरदार प्रयास शुरू कर दिया। उनके हौंसले और हिम्मत की पूरा गांव सराहना कर रहा है।

सदर ब्लाक के बोधी पांडेय के पुरवा में विकास गौतम का छप्पर का घर था। जो मंगलवार की दोपहर भीषण अग्निकांड में स्वाहा हो गया। इस घटना में विकास उसकी बहन और चाची झुलस गए। बकरियां जिंदा जल गई। खाने पीने का सामान, सारी गृहस्थी जलकर खाक हो गई। उसका पूरा परिवार खुले आसमान के नीचे आ गया है। दाने दाने को मोहताज हो गया। विकास बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप, बीबीएफजी से जुड़ा है। यह जानकारी ग्रुप के बच्चों और छात्रों को हुई तो सभी अपने अपने स्तर से मदद करने घरों से निकल पड़े। बच्चे बीबीएफजी के फ्री स्टडी सेंटर भंगवा में एकत्र हुए। सेंटर के प्रिंसिपल शनि सरोज ने बताया कि छात्रों ने एक एक सामान जुटाया। उसके बाद सिर पर रखकर निकल पड़े विकास के घर। घर पहुंचने के बाद विकास की माता को खाने का सामान और घर बनाने की सामाग्री दी गई। इस दौरान साहिल ने आटा, चावल हिमांशु ने सब्जी, शनि ने तेल दाल नमक, अंश पटेल, निखिल और शिवा ने बांस बल्ली, कृष्णा और राहुल ने लोहे की चद्दर का इंतजाम किया। अभिषेक वर्मा ने सरपत और सरसेठा जुटाया।

◻ राहत सामाग्री के साथ विकास के घर पहुंचे बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप के बच्चे◻ बांस, बल्ली, सरपत टिन से घर बनाने का शुरू किया प्रयास

चोरी का टेबलेट व नकदी बरामद, दो अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के कुशल निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में जनपद के थाना अंतू से निरीक्षक विनोद कुमार यादव मय हमराह यूटी उ0नि0 श्री अनुपम पटेल, का0 अनिल कुमार यादव, चालक का0 छोटक चैधरी देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना अंतू के मु0अ0सं0- 198/2024 धारा 457, 380 भादवि से संबंधित अभियुक्तों अशोक कुमार धुरिया पुत्र राधा कृष्णा निवासी नौहा लालू थाना सांगीपुर, जनपद प्रतापगढ़ के पास एक अदद देशी तमंचा 12 बोर व 02 अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर, 1500 रुपये नगद बरामद, . सनी पुत्र फूलचन्द्र निवासी चैहान पुरवा पठानपुर थाना गौरीगंज जनपद अमेठी के पास चोरी का 01 अदद टेबलेट सैमसंग कम्पनी, 04 अदद देशी बम, 1000 रुपये नगद के साथ थाना क्षेत्र अंतू के सण्डवा चन्दिका के आगे लीलापुर जाने वाली सड़क के पास से गिरफ्तार किया गया है। उक्त बरामद मोटर साइकिल हीरो स्ट्रीम को धारा 207 एमवी एक्ट में सीज किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से एक अदद टेबलेट सैमसंग कम्पनी, नगद 2500 रुपये बरामदगी के संबंध में उपरोक्त मुकदमें धारा 411 भादवि की बढ़ोत्तरी की गई।

पंचमुखी मंदिर पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते वक्ता

पंचमुखी मंदिर परिसर में समारोहपूर्वक मना मई दिवस,वक्ताओं ने रखे अपने-अपने विचार

स्वतंत्र चेतना

प्रतापगढ़। मई दिवस के अवसर पर नगर में पंचमुखी मंदिर परिसर में मई दिवस त्यौहार समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का संयोजन ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस एटक के प्रांतीय मंत्री हेमंत नंदन ओझा ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रामीण बैंक कर्मियों के नेता एवं जिला ट्रेड यूनियन काउंसिल के संरक्षक बीपी त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम का आरंभ सुरेश शर्मा ने किया। कार्यक्रम में उद्घाटन भाषण मजदूर नेता रामसूरत ने किया।

मई दिवस समारोह को प्रमुख रूप से बैंक कर्मियों के नेता एवं जिला ट्रेड यूनियन काउंसिल के महामंत्री एन पी मिश्रा, सी पी आई के जिला मंत्री रामबरन सिंह, राजमणि पांडे,लाल झंडा जल निगम मजदूर यूनियन के मंत्री अजय श्रीवास्तव, उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण श्रमिक यूनियन के जिला अध्यक्ष आर डी यादव, मंत्री राघवेंद्र कुमार मिश्रा, पल्लेदार मजदूर यूनियन के मंत्री महेश सरोज, बिजली कर्मचारी संघ लालगंज डिवीजन के अध्यक्ष कमलेश चंद तिवारी रानीगंज डिवीजन के अध्यक्ष विजय सिंह मंत्री संतोष सिंह, महाबली मौर्य आदि ने संबोधित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि सन 1986 को शिकागो शहर में 8 घंटे के काम के अधिकार को लेकर हुए संघर्ष के आरंभ में अनेक श्रमिकों को अपनी शहादत देनी पड़ी थी। बाद में 8 घंटे श्रमिकों के काम का अधिकार हो गया। भारत में ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस एटक की स्थापना 1920 में हुई इसके उपरांत देश में तमाम श्रम कानून का निर्माण हुआ जिसमें प्रमुख रूप से ट्रेड यूनियन एक्ट, कर्मचारी प्रतिकार अधिनियम, वेतन समुदाय अधिनियम आज विभिन्न कानून बने। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मोतीलाल वर्मा कमलेश सरोज अर्जुन सिंह अमरनाथ सरोज जितेंद्र कुमार बेचन अली सीताराम देवता दिन लालचंद राम प्रकाश तिवारी राजेश कुमार तिवारी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

तालाब की खुदाई में मनरेगा मजदूरों की संख्या की जाँच करते अधिकारी

मधवापुर में बन रहे अमृत सरोवर तालाब का अधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

स्वतंत्र चेतना

परियावां, प्रतापगढ़। कालाकांकर खंड विकास अधिकारी प्रवीन कुमार श्रीवास्तव इन दिनों ब्लाक कालाकाकर के ग्राम पंचायतो मे मनरेगा के तहत ग्राम प्रधानों के द्वारा कराये गये कार्यो के साथ मजदूरों की संख्या का आये दिन बिना बताये औचक निरीक्षण कर रहे है।बुधवार को खंड विकास अधिकारी प्रवीन कुमार श्रीवास्तव बिना सूचना के अचानक ग्राम पंचायत मधवापुर पंहुचे जंहा 8 लाख रुपये की लागत का मनरेगा के तहत मजदूरों से तालाब की खुदाई में लगे मजदूरों की संख्या देखने पहुँचे।

जहां ग्राम प्रधान श्यामावती के प्रतिनिधि द्वारा मौके पर तालाब खुदाई मे 50 मजदूर लगाए गये जिसमें मौके पर खंड विकास अधिकारी को पूरे मजदूर मिले। ग्राम प्रधान के कराये गये कार्य से खंड विकास अधिकारी ने सराहना किया। इसी अमृत सरोवर के बगल एक और तालाब है जिसमे लबालब भरा पानी के साथ हरे भरे तालाब के किनारे पेड़ पौधे देख खुश होकर प्रशंसा किया। बता दें कि इस भीषण गर्मी की परवाह न करते हुए खंड विकास अधिकारी प्रवीन श्रीवास्तव मनरेगा के अंतर्गत हो रहे कार्य व मजदूरों की संख्या का औचक निरीक्षण कर रहे है जिससे ग्राम प्रधानों मे हड़कंप मचा हुआ है, जहां पर फर्जी मजदूरों की संख्या दिखाकर कार्य का भुगतान कराया जा रहा है जाँच मे गलत पाये जाने पर भुगतान रोक दे रहे है। बिना गांव का नाम लिए बताया कि कागजात मे कार्य दिखाकर फर्जी लेवर दिखाकर भुगतान लेने का प्रयास कर रहे थे जब जाँच करने गये तो मौके पर एक भी मजदूर कार्य करते नही दिखाई दिये।

प्रदेश महासचिव मुकुंद तिवारी का कांग्रेसियों ने किया स्वागत

स्वतंत्र चेतना

प्रतापगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के राष्ट्रीय महासचिव/प्रभारी उ.प्र. अविनाश पाण्डे एवं राष्ट्रीय सचिव, पूर्व कैबिनेट मंत्री, छत्तीसगढ़ राजेश तिवारी चार मई को दिन में एक बजे इण्डिया गठबन्धन के संयुक्त प्रत्याशी डॉ.एस.पी सिंह पटेल जी के समर्थन में स्थानीय शैल श्याम पैलेस में संगठन की एक बैठक में शामिल होंगे।

चार मई को आएंगे राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी व राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पाण्डेय

महासचिव अविनाश पांडेय संगठनात्मक बैठक के साथ साथ कांग्रेस पार्टी एवम सामाजवादी पार्टी के बीच समन्यवय बैठक को संबोधित करेंगे। बैठक में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के लोकसभा कोऑर्डिनेटर संजय तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष मकसूद खान, महासचिव मुकुंद तिवारी एवम प्रदेश सचिव राकेश मौर्या भी मौजूद रहेंगे। बैठक को सफल बनाने के उद्देश्य से आज जिला अध्यक्ष डॉ0 नीरज तिवारी की अध्यक्षता में सभी सम्मानित लोकसभा चुनाव हेतु नवनियुक्त विधानसभा प्रभारीगण, ब्लॉक प्रभारीगण पूर्व विधानसभा प्रत्याशीगण, नगर पालिका एवम नगर पंचायत के पूर्व प्रत्याशीगण, पी.सी.सी सदस्य गण, निवर्तमान ब्लॉक अध्यक्ष गण, जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान पदाधिकारीगण, नगर कांग्रेस कमेटी के वार्ड अध्यक्ष गण एवम पदाधिकारी गण, सभी फ्रंटल संगठन के जिलाध्यक्षगण उनकी कमेटी, विभाग एवम प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय, इंदिरा भवन पर सम्पन्न हुई, जिसमें उ0प्र0कांग्रेस कमेटी के महासचिव व प्रतापगढ़ प्रभारी मुकुन्द तिवारी व सांसद प्रमोद तिवारी के प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी भी मौजूद रहे। इस दौरान जिले में पहली बार आये प्रदेश महासचिव मुकुन्द तिवारी का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष डॉ0नीरज त्रिपाठी ने कहा कि सभी जिला/नगर, ब्लॉक व न्यायपंचायत पदाधिकारी सहित सभी फ्रंटल संगठनों, विभागों व प्रकोष्ठों के अध्यक्षों व पदाधिकारी बैठक में अनिवार्य रूप से आये। उन्होंने कहा कि चुनाव शुरू हो चुके हैं, हम सभी को मिलकर पूरी ताकत व मजबूती से काम करना होगा। बैठक में नगर अध्यक्ष इरफान अली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डा0वी0के0सिंह, कोषाध्यक्ष वेदांत तिवारी, पीसीसी सदस्य डॉ0 प्रशांत देव शुक्ल, प्रमोद तिवारी के मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश शुक्ल, सुनीता सिंह पटेल, महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सरोज कश्यप, सेवादल अध्यक्ष महेंद्र शुक्ल, राम रतन तिवारी, आशुतोष तिवारी, प्रेम शंकर द्विवेदी, प्रवीण द्विवेदी, सुरेश मिश्र, सुधीर तिवारी, विजय शंकर तिवारी, डॉ0 अजय सिंह, इन्द्रानंद तिवारी, दगपाल यादव, राम कृपाल पासी, डॉ0 अमिताभ शुक्ल, लालजी यादव, छोटे लाल सरोज, रामबोध शुक्ल, श्याम शंकर तिवारी, विजय प्रताप त्रिपाठी, अभय तिवारी, रामू पांडेय, मो0 आफाक, सोनी तिवारी, नफीस खान, सलीम उल्ला, जावेद, बेलाल, असीस शुक्ला सहित अनेक कांग्रेस जन मौजूद रहे।

प्रदेश महासचिव का माल्यार्पण कर स्वागत करते कांग्रेसी

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम वेयरहाउस का किया निरीक्षण

प्रतापगढ़। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को सकुशल, निष्पक्ष, शान्तिपूर्ण, पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी संजीव रंजन, मुख्य विकास अधिकारी नवनीत सेहारा, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से पूरेकेशवराय गायघाट स्थित ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ईवीएम प्रभारी सुजीत कुमार राय ने बताया कि ईवीएम और वीवीपैट का पहला रेंडमाइजेशन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है एवं सभी विधानसभावार ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों को आवंटित कर दिया गया है। जिलाधिकारी ने सुव्यवस्थित ढंग से रखे गये ईवीएम एवं वीवीपैट का अवलोकन किया। उन्होने सुरक्षा कर्मियों को ईवीएम वेयरहाउस की कड़ी निगरानी करने हेतु निर्देशित किया।

बाइक सवार युवक की मौत परिजनों में मचा कोहराम

पट्टी, प्रतापगढ़। बाइक सवार युवक की विपरीत दिशा से आ रहे अनियंत्रित ऑल्टो कार की टक्कर में मौत हो गई। जबकि दूसरा युवक जीवन और मौत से अस्पताल में जूझ रहा है। मौत की सूचना मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया है। दिलीपपुर थाना क्षेत्र के पट्टी प्रतापगढ़ मार्ग पर खभोर गांव के समीप पट्टी कोतवाली क्षेत्र के समोगरा गांव निवासी कृष्ण कुमार उर्फ.संगम अपने भांजे अंकित सिंह के साथ मंगलवार की सुबह साढ़े ग्यारह बजे बाइक से इटौरी से अपने घर लौट रहे थे। इसी बीच विपरीत दिशा से आ रहे अनियंत्रित आल्टो कार ने बाइक में सामने से टक्कर मार दिया, जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को स्थानीय लोगो ने आनन-फानन मे एम्बुलेंस से जिला चिकित्सालय भेजा, जहाँ चिकित्सको ने कृष्ण कुमार सिंह उर्फ.संगम सिंह को मृत घोषित कर दिया। जबकि घायल अंकित सिंह कि गंभीर स्थिति को देखते हुए डाक्टरों ने प्रयागराज रेफर कर दिया गया है। सूचना पर पहुंची दिलीपपुर पुलिस ऑल्टो कार व बाइक को थाने पर लेकर चली गई। उधर मौत की सूचना मिलने पर परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है।

व्यय प्रेक्षक ने उड़न दस्ता टीम, स्थैतिक निगरानी टीमं के साथ की बैठक

स्वतंत्र चेतना

प्रतापगढ़। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को निष्पक्ष, पारदर्शी व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिये निर्वाचन आयोग द्वारा द्वारा नियुक्त व्यय प्रेक्षक सुब्रत धर (आई0आर0एस0) ने विकास भवन सभागार में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी दुर्गेश कुमार सिंह, वरिष्ठ कोषाधिकारी अनामिका सिंह के साथ निर्वाचन को लेकर गठित उड़न दस्ता टीम, स्थैतिक निगरानी टीम, वीडियो अवलोकन टीम, वीडियो सर्विलान्स टीम तथा व्यय अनुवीक्षण टीम के सदस्यों के साथ बैठक कर अब तक किये गये कार्यो की जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में व्यय प्रेक्षक ने अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी को निर्देशित किया कि जनपद प्रतापगढ़ से सटे जो बार्डर वहां पर वैरीकेडिंग, चेकिंग प्वाइन्ट बनाकर आने जाने वाहनों की गहनता से चेकिंग करायी जाये, उड़नदस्ता टीमें क्षेत्रों में भ्रमण कर आकस्मिक वाहनों की जांच करायी जाये, चेकिंग के दौरान नकदी, शराब, पैसा, आभूषण तथा अन्य सामग्री पाये जाने पर निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार कार्य करें। उन्होने कहा कि जिस टीम को जिस प्वाइन्ट पर लगाया है वह टीम वहां पर उपस्थित रहे। हमारे द्वारा भी समय-समय पर चेकिंग प्वाइन्ट का निरीक्षण किया जायेगा। उन्होने सहायक व्यय प्रेक्षक को निर्देशित किया कि अपने अपने क्षेत्रों के अन्तर्गत प्रत्याशियों द्वारा किये जा रहे खर्च को लेखा जोखा रखा जाये। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने व्यय प्रेक्षक का आभार व्यक्त किया और कहा कि आपके द्वारा जो भी निर्देश दिये गये है उसके सम्बन्ध में अधिकारियों अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराया जायेगा। बैठक जिला आयकर अधिकारी, उपायुक्त जी0एस0टी0, जिला आबकारी अधिकारी, लीड बैंक मैनेजर व अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहे।

दो वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। जिले के थाना दिलीपपुर के उ0नि0 परशुराम पाण्डेय मय हमराह हे0का0 हरिश्चन्द बिन्द द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वाछित, वारण्टी अभियुक्त, संदिग्ध व्यक्ति, वाहनों की चेकिंग के दौरान केश नं0 24/03, धारा 393 भादवि थाना कंधई से संबंधित वारण्टी अभियुक्त शम्भू पुत्र शिवमूर्ति निवासी ग्राम याहियापुर थाना दिलीपपुर, जनपद प्रतापगढ़ को याहियापुर चैराहे के पास से गिरफ्तार किया गया। केश नं0 580/2015 धारा 325, 323, 504, 506 भादवि थाना कंधई से संबंधित अभियुक्त विजय प्रताप गिरी पुत्र भोलाशंकर गिरी निवासी ग्राम गोई थाना दिलीपपुर, जनपद प्रतापगढ़ को उसके घर के पास से गिरफ्तार किया गया।

कटे पेड़ को लेकर पीड़ित पहुंचा कोतवाली

पट्टी, प्रतापगढ़। कटहल का पेड़ व अमरूद के पेड़ को पड़ोसियों ने काटकर गिरा दिया जिसका विरोध करने पर मारने पीटने के लिए दौड़ा लिया पीड़ित घर में भाग कर अपनी जान बचाई मामले में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली क्षेत्र के दोनई गांव के रहने वाले बृजेश ने प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि उसका हरे कटहल का पेड़ वह अमरूद का पेड़ उसका पड़ोसी बुधवार की सुबह काट कर गिरा दिया जिसका विरोध करने पर उपरोक्त लोग लाठी डंडा लेकर एक राय से मां-बहन को भद्दी भद्दी गालियां देते हुए फौजदारी आमादा होकर पीड़ित के घर पहुंच गए पीड़ित ने घर के अंदर भाग कर किसी तरह अपनी जान बचाई। जिसके बाद कटे हुए हरे पेड़ को लेकर कोतवाली पहुंचा और आरोपियों को विरुद्ध प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस प्रार्थना पत्र के आधार पर जांच में जुटी हुई है।

इब्राहिमपुर गांव की महिला को परिवार के लोग कर रहे प्रताड़ित

पट्टी, प्रतापगढ़। बीमार पति व तीन बेटियों का पालन कर रही महिला को परिवार के लोग प्रताड़ित कर रहे हैं। जिसकी शिकायत पीड़िता ने थाने पर की है। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव की रहने वाली वंदना सिंह पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि उसका पति राजेंद्र प्रताप सिंह बीमार रहता है। उसे तीन बेटियां हैं। बड़ी बेटी की उसने शादी कर दी है। उसके देवर जेठ आदि उसे लगातार प्रताड़ित कर रहे हैं। घर पर उसका रहना मुश्किल कर रखा है। वह अपनी बेटियों के नहाने के लिए नहावनी बनवा रही थी। वह लोग नहीं बनाने दिए और उसके साथ मारपीट की। पीड़ित महिला ने थाने पर बेटियों के साथ पहुंचकर प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना अध्यक्ष संतोष सिंह ने बताया कि प्रार्थना पत्र मिला है जांच की जा रही है।

गेहूं की पराली में लगी आग गांव तक पहुंची ग्रामीणों में दहशत

पट्टी, प्रतापगढ़। अज्ञात कारणों से गेहूं की पराली में लगी आग लगने से गांव में रहा दहासत का माहौल मौके पर पहुंचे ग्रामीणों आग पर काबू पाया। आसपुर देवसरा के बेहटा गांव में बुधवार की दोपहर में 12 बजे के करीब नहर के किनारे गेहूं की पराली के खेत आग लग गई आग धीरे-धीरे बेहटा गांव की तरफ बढ़ते हुए आबादी के करीब पहुंची गई आग से कई फलदार वृक्ष को आपने आगोश में ले लिया घटना की सूचना ग्रामीणों ने आसपुर देवसर पुलिस के साथ फायर ब्रिगेड को दी मौके पर फायर ब्रिगेड पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने आग पर बुझा कर राहत की सांस ली आग से रोशन पांडे, शिवम, यस आदि ग्रामीणों का हरा पेड़ जलकर राख के ढेर में तब्दील हो गया।

स्वतंत्र चेतना

www.swatantrachetnanews.com

प्रयागराज | गुरुवार | 02 मई 2024

संपादकीय

नशे की सुनामी

हाल ही में एक पाकिस्तानी नौका से छह सौ करोड़ मूल्य की 86 किलोग्राम हेरोइन की बरामदगी भारत में नशे के बढ़ते कारोबार में विदेशी साजिश का खुलासा करती है। वैसे यह अकेली घटना नहीं है, हाल ही के वर्षों में अरबों रुपये के नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई है। दरअसल, कई देशों के सत्ता प्रतिष्ठानों की मिलीभगत से नार्को-आतंकवाद के एक बड़े पैटर्न को अंजाम दिया जा रहा है। निश्चित तौर पर यह साजिश हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये एक गंभीर चुनौती है। पुराने अनुभव बताते हैं कि जम्मू-कश्मीर व पंजाब में नशे के कारोबार से अर्जित धन को आतंकवाद के पोषण में लगाया गया। आतंकवादियों को हथियार व पैसा उपलब्ध कराया गया। पिछली मई में भी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी और नौसेना के साझे मिशन के जरिये केरल तट पर ढाई हजार किलोग्राम नशीला पदार्थ बरामद किया गया। जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत पंद्रह हजार करोड़ रुपये बतायी गई थी। यह देश में बरामद अब तक की सबसे बड़ी नशे की खेप थी। गत माह गुजरात के तट पर साठ पैकेट ड्रग्स ले जा रही एक नौका को जब जब्त किया गया तो छह पाकिस्तानी चालक दल के सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। इसी तरह फरवरी में पोरबंदर तट पर पांच विदेशी नागरिकों को चरस व 3300 किलोग्राम नशीले पदार्थों के साथ पकड़ा गया था। दरअसल, इस नशे के कारोबार की शुरूआत अक्सर अफगानिस्तान से होती है, जहां अफीम व हेरोइन का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है। नशे का यह कारोबार अब अफगान सरकार की आय का बड़ा स्रोत भी है। बहरहाल, हालिया घटनाक्रम समुद्र के जरिये मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिये गंभीर उपायों की जरूरत बताता है। जिसके लिये मजबूत कानून, प्रवर्तन एजेंसियों की भागीदारी, कुशल खुफिया-साझाकरण तंत्र, नौसेना व तटरक्षक बलों में तालमेल तथा आतंकरोधी दस्ते के जरिये निगरानी तंत्र को मजबूत बनाने की जरूरत है।

यह भी विचारणीय प्रश्न है कि ये नशीले पदार्थ किस तरह व कहां भारत में बेचे जा रहे हैं। नशीले पदार्थों के मांग पक्ष को भी संबोधित करने की जरूरत है। नशीली दवाओं की रोकथाम के साथ ही पुनर्वास कार्यक्रमों में निवेश किया जाना चाहिए। साथ ही नशे के खिलाफ युवाओं के बीच जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। उन उपायों को लागू करना होगा जो युवाओं को नशे से दूर रखने में मददगार हो सकें। जब भी नशे की कोई बड़ी खेप बरामद होती है तो हमारी चिंता बढ़ जाती है। सोमवार को पंजाब में नशे की एक बड़ी खेप के साथ ड्रग मनी व अन्य अवैध सामान बरामद किए गए। इस काले धंधे में अभियुक्त व्यक्ति ही नहीं, उसकी बेटी व दामाद भी लिप्त थे। यह नशे का सामान पाकिस्तान के रास्ते भारत पहुंच रहा था। सवाल उठता है कि यदि इतने बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी न होती तो कितने युवा नशीले पदार्थों का सेवन करके पथभ्रष्ट होते? देश का कितना धन विदेशों को चला जाता? इस नशे से मिलने वाला धन कालांतर में आतंकवाद व अपराध की दुनिया को मजबूत करता। हाल ही के दिनों में नशीले पदार्थों की भारी मात्रा में बरामदगी इस बात की ओर इशारा करती कि देश में नशीले पदार्थों की खपत लगातार बढ़ रही है। जो निश्चित रूप से देश की युवा शक्ति को पतन के मार्ग की ओर ले जा रही है। देखा गया है कि नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले युवा कालांतर महंगा नशा जुटाने के लिये अपराध की दुनिया में उतर जाते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पंजाब व देश के अन्य भागों में हर साल हजारों युवा नशे की ओवरडोज से मौत की गिरफ्त में आ जाते हैं। ऐसे में देश के भविष्य को बचाने के लिये हमें राष्ट्रीय स्तर पर अतिरिक्त सुरक्षा उपाय करने होंगे। पिछले वर्ष पंजाब में ड्रोन के जरिये नशीले पदार्थ भारत लाये जाने के तमाम मामले प्रकाश में आए। कई ड्रोन मार गिराये गए और भारी मात्रा में नशीले पदार्थ व हथियार भी बरामद किये गए। इन हालात में सुरक्षातंत्र को मजबूत करने, नशा मुक्ति अभियान चलाने व नशेड़ियों के पुनर्वास के लिये गंभीर प्रयास करने की जरूरत है।

सेहत

वर्कआउट के दौरान ताकत के लिए आपको ओआरएस+नींबू की आवश्यकता होती है

यदि आप अपना अधिकांश समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं, तो आपने फिटनेस ट्रेनर नितेश सोनी के आसान स्वास्थ्य और वर्कआउट टिप्स साझा करते हुए वायरल वीडियो देखे होंगे। हममे भी ऐसा ही किया: इस बार वह इस बारे में बात कर रहे थे कि कैसे नींबू के रस के साथ मिश्रित ओआरएस का एक पैकेट मांसपेशियों की वृद्धि में मदद कर सकता है, मांसपेशियों की थकान को रोक सकता है और दर्द को प्रबंधित करने में मदद कर सकता है – महंगे बीसीएए (ब्रांच्ड चेन अमीनो एसिड) करते हैं, जिस पर कई फिटनेस एडिक्ट्स भरोसा करते हैं। सोनी ने कहा, ह्लदो दिन के लिए ले लो. आप बीसीएए का उपयोग बंद कर देंगे। मैं इसकी पुष्टि कर सकता हूं।

ब्रांच्ड – श्रृंखला अमीनो एसिड, या बीसीएए, महत्वपूर्ण पोषक तत्व हैं जो शरीर को भोजन, विशेष रूप से मांस, डेयरी और फलियां में प्रोटीन से मिलते हैं। ह्लल्यूसीन, आइसोल्यूसीन और वेलिन तीन बीसीएए हैं जो मांसपेशियों के प्रोटीन के संश्लेषण और व्यायाम के दौरान ऊर्जा के उत्पादन के लिए आवश्यक हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, ह्लमांसपेशियों की रिकवरी में तेजी लाने, व्यायाम के बाद दर्द को कम करने और संभवत: प्रदर्शन में सुधार करने के लिए बॉडीबिल्डर और एथलीटों द्वारा अक्सर बीसीएए सप्लीमेंट का उपयोग किया जाता है।

इसके विपरीत, ओआरएस एक ग्लूकोज और इलेक्ट्रोलाइट समाधान है जिसका उपयोग उल्टी, दस्त या जोरदार व्यायाम के कारण होने वाले हाइड्रेशन से राहत देने के लिए किया जाता है। एक्सपर्ट के अनुसार, ह्लनींबू ओआरएस के स्वाद में सुधार कर सकता है और अतिरिक्त विटामिन सी जोड़ सकता है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं।

क्या यह संयोजन बीसीएए की तरह ही काम करता है?

नींबू के साथ ओआरएस का बीसीएए अनुपूरण के समान लाभ नहीं हो सकता है, इस तथ्य के बावजूद कि यह व्यायाम के दौरान खोए गए इलेक्ट्रोलाइट्स को बदलने में सहायता कर सकता है और ग्लूकोज सामग्री से कुछ ऊर्जा प्रदान कर सकता है। मांसपेशियों के मेटाबॉलिज्म और मरम्मत के लिए आवश्यक कुछ अमीनो एसिड, विशेष रूप से लंबे समय तक या कठिन व्यायाम के बाद, नींबू और ओआरएस संयोजन में नहीं पाए जाते हैं।

एक्सपर्ट के मुताबिक मांसपेशियों की मरम्मत और प्रदर्शन के संदर्भ में, बीसीएए की खुराक विशेष रूप से धीरज रखने वाले एथलीटों या उच्च तीव्रता वाले व्यायाम करने वालों के लिए फायदेमंद हो सकती है। हालांकि, ओआरएस + नींबू आकस्मिक व्यायाम करने वालों या अच्छी तरह से संतुलित, उच्च-प्रोटीन आहार खाने वालों के लिए व्यायाम के दौरान जलयोजन और ऊर्जा प्रतिस्थापन के लिए पर्याप्त हो सकता है।

दोनों सप्लीमेंट्स की शरीर में अलग-अलग भूमिका होती है। ह्लवे एक-दूसरे के समकक्ष या विकल्प नहीं हैं। बीसीएए सप्लीमेंट महंगे हैं लेकिन ओआरएस इसका सस्ता विकल्प नहीं है क्योंकि इसमें एक-दूसरे से अलग तरह के कार्य होते हैं।

क्या ध्यान रखें?

पोषण संबंधी प्राथमिकताओं, फिटनेस उद्देश्यों और अद्वितीय मांगों के आधार पर सर्वोत्तम कार्रवाई का चयन करने के लिए एक पोषण विशेषज्ञ की सलाह महत्वपूर्ण है। डॉ. शर्मा ने कहा, ह्लइसके अलावा, पर्याप्त प्रोटीन स्रोतों के साथ संतुलित आहार पर जोर देने से स्वाभाविक रूप से अधिकतम मांसपेशियों के प्रदर्शन और रिकवरी के लिए आवश्यक बीसीएए की आपूर्ति हो सकती है।

सामाजिक न्याय के आंदोलन से उपजे नेताओं ने कभी पिछड़े वर्ग का ध्यान नहीं रखा

लोकसभा चुनावों में विपक्ष की ओर से संविधान और आरक्षण बचाने की दुहाई दी जा रही है तो सरकार का कहना है कि वह संविधान और आरक्षण की सुरक्षा के लिए चट्टान बन कर खड़ी रही है और आगे भी ऐसा ही करती रहेगी। देखा जाये तो इस बार के आम चुनाव में प्रचार में मुद्दे तो कई उठ रहे हैं लेकिन जनता के असल मुद्दे परिदृश्य से गायब होते जा रहे हैं। गरीबों की बात सभी दल कर रहे हैं। गरीब यह देख कर खुश हैं कि उन्हें बहुत याद किया जा रहा है लेकिन वह यह बात जानते हैं कि मतदान के बाद उनकी सुध लेने कोई नहीं आयेगा। सभी दल सामाजिक न्याय की बात भी कर रहे हैं लेकिन वास्तविक सामाजिक न्याय तभी होगा जब सबका आर्थिक सशक्तिकरण होगा। इसके अलावा शिक्षा को सस्ता कर सबके लिए सुलभ बनाया जायेगा।

सामाजिक न्याय की मांग सबसे पहले बिहार से उठी थी। यह मांग उठायी थी बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल ने। बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल के राजनीतिक सफर की बात करें तो आपको बता दें कि बिहार के मधेपुरा संसदीय क्षेत्र के भागलपुर से अलग होने के बाद, मंडल ने संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी (एसएसपी) के टिकट पर 1967 का लोकसभा चुनाव जीता था। वह 1968 में थोड़े समय के लिए बिहार के मुख्यमंत्री भी बने थे। मंडल यादव समुदाय से थे और उन्हें दूसरे पिछड़ा वर्ग आयोग का अध्यक्ष भी बनाया गया था। 1978-80 के दौरान वह मंडल आयोग की रिपोर्ट के लेखक बने, जिसने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए सरकारी नौकरियों में कोटा की सिफारिश की थी। मंडल आयोग की रिपोर्ट को 1990 में वीपी सिंह सरकार द्वारा लागू किया गया था। इस घटनाक्रम के बाद बिहार और उत्तर प्रदेश में कई क्षेत्रीय दलों का उदय हुआ था जोकि आज तक राजनीतिक परिदृश्य में काफी महत्व रखते हैं।

मधेपुरा शहर की चर्चा तो बहुत होती है लेकिन यह क्षेत्र विकास की बाट अब तक जोह रहा है। मधेपुरा से लगभग 10 किमी दूर, जैसे ही कोई पूर्णिया-सहरसा राजमार्ग से दाहिनी ओर मुड़ता है और रेलवे लाइन पार करता है तो टिन की छत वाले कच्चे घरों की श्रृंखला आपको दिखाई पड़ेगी। यहां पर मुरहो गांव के अंत में पूर्व मुख्यमंत्री बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल का स्मारक है।

मंडल स्मारक से बमुश्किल 100 मीटर की दूरी पर मुसहर टोले के एक कोने में, एक मिट्टी की झोपड़ी है, जहां क्षेत्र के पहले संसद सदस्य किराई मुसहर के पोते रहते हैं। यह बातें हम आपको इसलिए बता रहे हैं कि नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव और राहुल गांधी की ओर से जाति जनगणना के मुद्दे पर राजनीति तो बहुत की गयी लेकिन पिछड़ों के लिए कुछ नहीं किया गया। यही नहीं मंडल के विचारों को भी इन दलों की ओर से दरकिनार कर दिया गया है।

देखा जाये तो देश की सामाजिक न्याय की राजनीति के अग्रदूत, मंडल की विचारधारा ने समाजवादी पार्टी (सपा) के संस्थापक दिवंगत मुलायम सिंह यादव, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार सहित कई समाजवादी नेताओं को जन्म दिया। लेकिन इन दलों ने मंडल को भुला दिया। आज मंडल का पैतृक घर और उनके नाम पर स्मारक मुरहो गांव में उपेक्षा के शिकार दिखते हैं। इस गांव के लोगों का कहना है कि लालू और नीतीश ने सामाजिक न्याय आंदोलन को कमजोर कर दिया क्योंकि दोनों ने अपनी-अपनी जातियों को बढ़ावा दिया और दलितों को कुछ नहीं दिया इसीलिए वह अब भी गरीब बने हुए हैं। गांव के लोगों का कहना है कि महादलितों की हालत और इस गांव की हालत देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि सामाजिक न्याय के मुद्दे पर राजनीति करने वालों ने देश और समाज को कुछ नहीं दिया।

हम आपको बता दें कि यादवों के प्रभुत्व वाले निर्वाचन क्षेत्र मधेपुरा में 7 मई को तीसरे चरण में मतदान हो रहा है। यहां के लोगों का कहना है कि मुरहो गांव से शुरू हुए सामाजिक न्याय के गौरवशाली आंदोलन से जुड़ी यादें जीर्णशीर्ण अवस्था में हैं। उल्लेखनीय है कि मुरहो गांव यादव बहुल है और इसके अन्य समुदायों में कुर्मी और पचपनिया जैसे कुछ अन्य ओबीसी समूहों के साथ-साथ महादलित भी शामिल हैं। यहां के लोग इस गांव का भाग्य बदलने की उम्मीद छोड़ चुके हैं।

गांव के युवक कहते हैं कि बीएड की डिग्री ली, आईटीआई का प्रमाणपत्र लिया लेकिन कोई नौकरी नहीं मिली। अधिकांश युवक स्कूली बच्चों को खुले में ट्यूशन पढ़ा कर अपना काम चलाते हैं। बेरोजगारी की स्थिति को लेकर युवकों की नाराजगी हर दल से है। युवकों का कहना है कि कोई भी वास्तविक मुद्दों के बारे में बात नहीं कर रहा है। असली मुद्दा बेरोजगारी है। युवकों का कहना है कि बड़ी डिग्री लेने के बावजूद चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन किया है लेकिन एक साल से परीक्षा ही आयोजित नहीं की जा रही है। युवकों का कहना है कि परीक्षा आयोजित भी हो तो पेपर लीक हो जाता है जिससे बड़ा नुकसान होता है। गांव वालों की शिकायत है कि यहां की सुध लेने के लिए कोई राजनेता नहीं आता है। लोगों का कहना है कि हर घर जल योजना के तहत आ रहा पानी अच्छी गुणवत्ता का नहीं है। लोगों का कहना है कि नल तो हैं लेकिन गांव में नालियां नहीं हैं जिससे गंदगी का अंबार लगा रहता है।

हम आपको बता दें कि मधेपुरा में 2019 के लोकसभा चुनावों में जेडीयू के दिनेश चंद्र यादव ने राजद के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले शरद यादव को 3 लाख से अधिक वोटों से हराया था। इस बार, मौजूदा सांसद दिनेश का मुकाबला राजद के चंद्रदीप यादव से है, जो शिक्षाविद् और पूर्व सांसद रमेंद्र कुमार रवि के बेटे हैं। माना जा रहा है कि इस बार क्षेत्र में कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

नीरज कुमार दुबे

कोविशील्ड पर फैला भ्रम या हकीकत?

कोविशील्ड वैक्सीन टीका लगवाने वाले लोग दहशत में हैं। क्या इसकी वजह कोरोना वैक्सीन निमार्ता कंपनी एस्ट्राजेनेका का साइड इफैक्ट को लेकर कोर्ट में सरेआम कबूल कर लेना है? बीते एकाध दिनों से पूरे संसार में इसी को लेकर चर्चा हो रही है। भारत में ही नहीं, बल्कि विश्व में कोरोना के बाद कुछ ऐसा हुआ है कि कम उम्र और बिल्कुल तंदुरुस्त और चंगे भले इंसानों को अचानक हार्ट अटैक होना आरंभ हुआ। सांस्कृतिक मंचन हो, या शादी-ब्याह, पार्टी समारोह... लोगों का नाचने के दौरान गश खाकर गिरना और उसके तुरंत बाद मौत हो जाने की अनगिनत कहानियां हैं। करीब दो-तीन साल में हुई ऐसी मौतें पहेली बनी हुई हैं। अब संदेह और गहरा गया है। ऐसा दावा है कि ये सब कोविशील्ड टीके के साइड इफैक्ट के चलते हो रहा है। भ्रम है या हकीकत? ये तो भगवान ही जाने पर कोविशील्ड कंपनी का खुलासा यह दशार्ता है कि भविष्य में भी टीकाधारकों को साइड इफैक्ट हो सकता है। इस वैक्सीन के इस्तेमाल के आंकड़ा देखें तो सिर्फ भारत में ही एक अरब 17 करोड़ का है, जिसे कोरोना के बाद लोगों ने बचाव को ध्यान में रखकर लगवाए थे। पूरे संसार की बात करें, तो ये आंकड़ा ढाई से तीन अरब तक पहुंचता है।

गौरतलब है कि कोविशील्ड कंपनी एस्ट्राजेनेका ने जब से ब्रिटिश कोर्ट में जज के समक्ष स्वीकारा है कि उनके टीके के इस्तेमाल से ब्लड क्लॉटिंग यानी खून के थक्कों के जमने की प्रबल संभावनाएं हैं, तब से चारों तरफ हंगामा कटा हुआ है। कंपनी की इस स्वीकारता से संसार भर में कोविशील्ड का टीका लगवाने वालों में दहशत का माहौल है। लोग डरे हुए हैं। लोग चिकित्सकों से परामर्श करने में लगे हुए हैं। हालांकि, तसल्ली इस बात की है कि भारत के लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। भारतीय चिकित्सा तंत्र ने इसे मात्र भ्रम ही बताया है। उन्होंने फिलहाल वैक्सीन को सुरक्षित बताते हुए, भरोसा दिया है कि अगर साइड इफैक्ट देखें भी तो उस पर काबू पाने में हमारा हेल्थ सिस्टम सक्षम है। सरकार की ओर से भी यही बताया गया है। पर, लोगों के भीतर बैठ चुका डर निकलने का नाम नहीं ले रहा। एस्ट्राजेनेका का मामला कोर्ट तक पहुंचा कैसे? ये जानना भी जरूरी है। दरअसल, ब्रिटिश नागरिक जैमी स्कॉट ने एस्ट्राजेनेका कंपनी के कोर्ट में खदेड़कर मुकदमा दर्ज करवाया था। उन्होंने अप्रैल-2021 में कोविशील्ड के टीके लगवाए थे, जिसके बाद वह स्थाई तौर पर मस्तिष्क से क्षतिग्रस्त हो गए। जैमी स्कॉट समेत कई अन्य कई लोग भी थ्रोम्बोसिस नामक दुर्लभ बीमारी से ग्रस्त हो गए। तभी इन सभी ने मिलकर कंपनी के खिलाफ कोर्ट में केस दर्ज करवा दिया। उसके बाद इस दिग्गज दवा कंपनी ने कोर्ट में वैक्सीन के कारण गंभीर स्वास्थ्य जटिलताएं पैदा होने की बात स्वीकार ली। कोर्ट ने कंपनी को प्रभावित लोगों को 10 करोड़ पाउंड हजार्ना देने का आदेश भी दिया है। इस खुलासे के बाद कोविड-19 की अन्य वैक्सीन जैसे फाइजर, मॉडर्ना भी सवालों के घेरे में हैं। ऐ कंपनियां भारत में उस वक्त खूब एक्टिव थी। इन्हें भी अपने टीकों के संबंध में अब जवाब देना होगा, क्योंकि मसला वैश्विक स्तर पर गरमा चुका है।

मालूम हो, जब कोरोना कहर बरपा रहा था। पूरी दुनिया इसके चपेट में थी। तब, कोविशील्ड को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा ईजाद किया गया। वैसे कम ही लोग जानते होंगे कि काविशील्ड नाम भारत ने ही दिया था। एस्ट्राजेनेका वैक्स जोब्रिया टीके का निर्माण भारतीय फार्मा कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया यानी एस-ाआईआई ने भी अपने स्तर से किया था। टीका बनने के बाद बाकायदा उसका ट्रायल हुआ। सबसे पहले चूहों पर प्रयोग किया गया। उसके बाद एकाध गंभीर मरीजों को टीका लगाया गया, जिसका रिजल्ट बेहतरीन पाया गया। फिर, डब्ल्यूएचओ की स्वीकति मिली, उसके बाद भारतीय वैज्ञानिकों और चिकित्सकों के संयुक्त पैनल की देखरेख में मुकम्मल पड़ताल हुई, तब कहीं जाकर टीकों को मरीजों में लगवाना आरंभ हुआ।

हां, इतना जरूर है कोविशील्ड को ब्रिटेन में आनन-फानन में नियमों के विरुद्ध जल्दबाजी में बिना ट्रायल के लोगों को टीका देना शुरू कर दिया गया था। यह बात भी वहां की हुकूमत ने कोर्ट में स्वीकारी है। इसलिए एस्ट्राजेनेका का ये कहना सच साबित होता है कि वैक्सीन बहुत दुर्लभ मामलों में टीटीएस का कारण बन सकती है। चिकित्सकों के मुताबिक इसे लंबे ट्रायल की आवश्यकता थी। जो उस वक्त नहीं किया गया। इसकी जवाबदेही फार्मा कंपनी की ही बनती है। जब उन्हें ये पता था कि इसके दुष्परिणाम भविष्य में अच्छे नहीं होंगे? तो क्यों लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने की इजाजत उन्होंने दी। कई ऐसे सवाल हैं जिन्हें बिंदूवार तरीके से अब एस्ट्राजेनेका कंपनी को ही देने होंगे। ऐसे में भारतीय डाक्टरों को चाहिए, अगर इस टीके से साइड इफैक्ट की उन्हें जरा भी संभावना दिखती है तो उसका तोड़ बिना किसी देरी के खोजना शुरू कर देना चाहिए। कोरोना से जब संसार तकरीबन-तकरीबन हार चुका था। सभी को अपने जीवन को बचाने के लिए जूझना पड़ रहा था। तब, एस्ट्राजेनेका ने वैश्विक साझेदारों के साथ वैश्विक स्तर पर वैक्सीन की तीन बिलियन खुराक बनाई। सरकारों ने उन्हें बाकायदा लक्ष्य दिया था। जल्दबाजी हुई थी, जिसे स्वीकारा जा चुका है। उन्हीं की भांति भारत में भी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने कोविशील्ड टीके का उत्पादन युद्धस्तर पर किया और उन्हें भारत सरकार को सौंप दिया। कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए एस्ट्राजेनेका ने ऑक्सफोर्ड के साथ मिलकर कोविड वैक्सीन बनाई थी। वहीं, भारत में वैक्सीन बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ने एस्ट्राजेनेका के साथ समझौता करके कोविशील्ड वैक्सीन बनाई। इसके बाद देश में आधे से अधिक लोगों को कोविशील्ड वैक्सीन लगाई गई। कुछ अन्य कंपनियों की वैक्सीन को भी लोगों ने लगवाया था। लेकिन असर सबका एक जैसा ही दिखाई पड़ता है। हालांकि भारत के वैज्ञानिक और चिकित्सक इस मत में कतई नहीं हैं कि अचानक हुई मौतों का संबंध कोरोना के टीकों से है। पर, ब्रिटिश कोर्ट के मामले ने विशेषज्ञों को नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया है। भारतीय चिकित्सक भी इसकी खोज में लग गए हैं। यहां, जिम्मेदारी अब हुकूमत की बनती है कि लोगों के मन में कोविशील्ड को लेकर पनप चुके डर को कैसे भी दूर करें?

डॉ. रमेश ठाकुर

पाकिस्तान क्यों चाहता भारत से कारोबारी संबंधों की बहाली?

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने अपने देश की रसातल में जा रही अर्थव्यवस्था की स्थिति पर विचार करने के लिए 26 अप्रैल को अपने मुल्क के उद्योगपतियों से कराची में मुलाकात की। वहां सवाल-जवाब का लम्बा दौर भी चला। इस दौरान पाकिस्तान के चोटी के उद्योगपति और आरिफ हबीब ग्रुप के चेयरमेन आरिफ हबीब ने शाहबाज शरीफ से पुरजोर गुजारिश की कि पाकिस्तान को भारत के साथ अपने व्यापारिक संबंध तुरंत बहाल करने चाहिए। पाकिस्तान के अंग्रेजी के मशहूर अखबार द डॉन ने इस खबर को प्रमुखता के साथ छापा भी है। उस वक्त वहां पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और देश के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के समधी इशाक डार भी मौजूद थे। डार के बेटे की शादी नवाज शरीफ की बेटी से हुई है। डार ने पिछले महीने ही कहा था कि उनका मुल्क भारत से व्यापारिक संबंध बहाल करना चाहता है।

उधर, भारत का मानना है कि व्यापार को द्विपक्षीय संबंधों के सामान्यीकरण के एक हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके लिए, पाकिस्तान को आतंकवाद पर लगाम लगाना होगा। वहां चल रही आतंकवाद के कारखानों को तुरंत बंद करना होगा। भारत का यह भी मानना है कि आतंकवाद के मुद्दे पर ठोस कदम उठाए बिना व्यापार शुरू करना संभव नहीं है। दरअसल पाकिस्तान के नेताओं की भारत के साथ व्यापार शुरू करने की इच्छा कोई नई बात नहीं है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था गंभीर संकट से जूझ रही है। यह सब जानते हैं। भारत के साथ व्यापार, विशेष रूप से चीनी और कपास जैसे उत्पादों का आयात बंद होना, पाकिस्तान के लिए महंगा पड़ रहा है। क्योंकि, उसे ये उत्पाद दुबई जैसे देशों से मंगवाने पड़ते हैं। पाकिस्तान के व्यापारिक समुदाय का मानना है कि भारत के साथ सीधा व्यापार आर्थिक विकास को गति दे सकता है। अफगानिस्तान और ईरान के साथ तनावपूर्ण संबंधों ने भी पाकिस्तान की आर्थिक समस्याओं को और बढ़ा दिया है। यह भी देखना होगा कि ईरान के नेता की हालिया इस्लामाबाद यात्रा से दोनों देश कितने करीब आते हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार दोनों देशों के सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। व्यापार, राजनीतिक मुद्दों पर व्यापक और सार्थक चर्चा के लिए भी एक प्रारंभिक कदम हो सकता है। हालांकि दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों में जल्द ही सुधार की संभावना भी नहीं है, क्योंकि अभी तो भारत में लोकसभा चुनाव का दौर चल रहा है। इस बीच, भारत को पाकिस्तान के साथ व्यापारिक संबंधों की बहाली करने से कोई बहुत लाभ नहीं होगा। अगर दोनों पड़ोसियों में व्यापारिक संबंध स्थापित होते हैं, तो इससे पाकिस्तान को ही बड़ा लाभ होगा। पाकिस्तान के लिए कठमुल्लों पर लगाम लगाना कोई बच्चों का खेल नहीं है। आने वाले समय में दोनों देशों के नेताओं के बीच राजनीतिक इच्छाशक्ति और ठोस कदम ही इस गतिरोध को तोड़ सकते हैं। भारत की चिंता बहुत वाजिब है। भारत सरहद के उस पार से होने वाले आतंकवाद का भुक्तभोगी रहा है। इसलिए वह कोई भी कदम बहुत सोच-समझकर ही उठाएगा।

अब पाकिस्तान लाख चाहे पर, पर भारत उससे व्यापारिक संबंधों को लेकर कतई उत्साहित नहीं है। पाकिस्तान ने ही भारत के साथ अपने आर्थिक संबंधों को खत्म कर लिया था जब नरेन्द्र मोदी सरकार ने 2019 में जम्मू- कश्मीर से संविधान के अनुच्छेद 370 को खत्म कर दिया था। तब से पाकिस्तान के कुछ नेता कहते रहते हैं कि जब तक 370 की बहाली नहीं होगी तब तक वह भारत से संबंध बहाल नहीं करेगा। हालांकि अब जम्मू-कश्मीर में 370 की बहाली होने का सवाल ही पैदा नहीं होता है। इस बारे में सारा देश एक तरह से सोचता है। और, पकिस्तान हो या कोई अन्य विदेशी मुल्क, वहां की सरकार या अवाम को भारत के अंदरूनी मामलों में दखल को मोदी जी तो हरगिज बर्दास्त नहीं करेंगे। पहले की सरकारों की कमजोरी से ही अबतक ऐसा होता रहा है।

पिछले दिनों पाकिस्तान में शाहबाज शरीफ की प्रधानमंत्री के रूप में ताजपोशी के बाद यह तय ही था कि वहां भारत से व्यापारिक संबंध शुरू करने की पहल होगी। खराब आर्थिक नीतियों और सेना के भारी बजट के कारण पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था तार-तार हो चुकी है। वह विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), सऊदी अरब, चीन वगैरह के आगे मदद की आस में हर वक्त कटोरा लेकर खड़ा रहता है। पाकिस्तान अपने निर्यात को भी बढ़ाना चाहता है। लेकिन आतंकवादी मुल्क से आयात करेगा कौन? विश्व बैंक ने 2018 में अनुमान लगाया था कि अगर पाकिस्तान का भारत के साथ व्यापार अपनी क्षमता तक पहुंच जाता है तो उसका निर्यात लगभग 25 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है।

पाकिस्तान में पूर्व भारतीय उच्चायुक्त और प्रसिद्ध पुस्तक ह्लएंगर मैनेजमेंट : द ट्रबल्ड डिप्लोमैटिक रिलेशनशिप बिटवीन इंडिया एंड पाकिस्तान के लेखक अजय बिसारिया कहते हैं, ह्लअगर भारत-पाकिस्तान में तिजारती संबंध शुरू होते हैं तो पाकिस्तान के कपड़ा और फार्मास्युटिकल क्षेत्रों को तगड़ा लाभ होगा। एक बात शीशे की तरह से साफ है कि सोशल मीडिया के इस दौर में पाकिस्तान का अवाम पड़ोसी भारत की जीवन के सभी क्षेत्रों में विकास की रफ्तार को बारीकी से देख रहा है। पाकिस्तान तो बिजली और आटे की किल्लत, बेरोजगारी और महंगाई की मार से त्राहि-त्राहि कर रहा है।

इस पृष्ठभूमि में पाकिस्तान का नेतृत्व भारत के साथ कारोबारी संबंध स्थापित करने का ख्वाब देख रहा है। हां, यह तो मानना होगा कि चाहे नवाज शरीफ हों या फिर उनके अनुज और देश के मौजूदा प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ कारोबार के महत्व को तो अच्छी तरह समझते हैं। ये खुद भी कारोबारी हैं। शरीफ परिवार का स्टील का बिजनेस है। इनकी कंपनी के भारत के प्रख्यात स्टील कारोबारी सज्जन जिंदल की कंपनी जिंदल साउथ-वेस्ट (जेएसडब्ल्यू) से कारोबारी संबंध रहे हैं। शरीफ जानते हैं कि अब दुनिया युद्ध के रास्ते पर नहीं चल सकती है, क्योंकि; युद्ध विनाश का पर्यायवाची है। उनके सामने भारत-चीन का शानदार उदाहरण है। ये दोनों दिग्गज एशियाई मुल्क अपने जटिल सीमा विवाद को सुलझाने की चेष्टा करते हुए भी आपसी व्यापार को आगे लेकर जा रहे हैं। वर्तमान में दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 100 अरब रुपये के आसपास पहुंच रहा है। पाकिस्तान की भारत के साथ तिजारत की चाहत पूरी हो सकती है, अगर वह आतंकियों की गोद से मुक्त होकर भारत की चिंताओं का समाधान करे।

आर.के. सिन्हा

(शख्सियत)

सदी के सबसे चहेते नायक थे बलराज साहनी, बॉलीवुड में ऐसा जमाया था अपना सिक्का

बॉलीवुड अभिनेता बलराज साहनी किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई थी। बता दें कि आज ही के दिन यानी की 01 मई को बलराज साहनी का जन्म हुआ था। अपने बेहतरीन अभिनय के जरिए साहनी ने आम आदमी की कहानी को पर्दे पर दिखाया था। बलराज साहनी को न सिर्फ उनकी बेहतरीन फिल्मों बल्कि सामाजिक सरोकारों के लिए भी याद किया जाता है। आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर अभिनेता बलराज साहनी के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में।

जन्म

बलराज साहनी का जन्म पाकिस्तान में 01 मई 1913 को हुआ था। साहनी का असली नाम युधिष्ठिर था। वह इकलौते ऐसे अभिनेता थे, जिन्होंने महात्मा गांधी से मुलाकात की थी। अभिनय की दुनिया में कदम रखने से पहले साहनी ने महात्मा गांधी के साथ सेवाग्राम आश्रम में काम किया था। इससे पहले वह टैगोर के शांतिनिकेतन में अपनी पत्नी के साथ अध्यापक के तौर पर कार्य करते थे। फिर 6 साल बाद वह भारत वापस आ गए और यहां पर मार्क्सवाद की शुरूआती तालीम हासिल की।

भारत वापस आने के बाद वह कम्युनिस्ट पार्टी और इंडियन प्रोग्रेसिव थियेटर एसोसियेशन में शामिल हो गए। इसके जरिए अभिनेता लोगों की मदद करना चाहते थे। लेकिन इप्टा से जुड़े रहने की वजह से साहनी को कई परेशानियों का सामना करना पड़ा था। यहां तक की उन्हें जेल तक भी जाना पड़ा था।

दर्शकों के दिलों पर करते थे राज

बता दें कि फिल्मों में अपने किरदार की वजह से बलराज साहनी दर्शकों के दिलों पर राज करते थे। उन्होंने फिल्म हलचल से अपने करियर की शुरूआत की थी। के. आसिफ की इस फिल्म में साहनी ने जेलर का किरदार निभाना था। तभी खबर आई कि रेल से कम्युनिस्ट पार्टी का जुलूस निकलने वाला है। जिसके बाद बलराज अपनी पत्नी के साथ इस जुलूस में शामिल हो गए। तभी हिंसा शुरू हो गई और पुलिस ने बलराज को गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद अभिनेता को तीन महीने जेल में रहना पड़ा। फिल्म की शूटिंग के लिए बलराज साहनी जेल से आया करते थे।

साल 1976 में दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में पहला दीक्षांत समारोह हुआ था। इस दौरान अभिनेता द्वारा दिए गए भाषण ने सबको हिलाकर रख दिया था। बलराज साहनी ने अपने भाषण में कहा कि हमारी हालत उस पक्षी की तरह है, जो लंबे समय के बाद पिंजरे से आजाद तो हो गया है, लेकिन इस पक्षी को पता नहीं है कि इसका करना क्या है। पंख होने के बाद भी पक्षी उसी निर्धारित सीमा में रहना चाहता है।

मृत्यु

बलराज साहनी बॉलीवुड के महान अभिनेता थे लेकिन उनकी मौत दर्दनाक रही। पत्नी की मौत के बाद साहनी टूट गए थे। वहीं 13 अप्रैल 1973 को अभिनेता बलराज साहनी ने भी इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

ये है दुनिया का सबसे खतरनाक पेड़, फल की जगह उगते हैं ग्रेनेड

दुनिया में कई तरह के पेड़-पौधे हैं. कई पेड़ अपनी खासियत की वजह से जाने जाते हैं. किसी पेड़ के अंदर कई लीटर पानी जमा हो सकता है तो कुछ पेड़ सालभर फल देते हैं. भगवान हर पेड़ को जिंदा रहने के लिए कई गुण भी देता है. वैसे तो दुनिया के ज्यादातर पेड़ धरती को ऑक्सीजन देते हैं. ऐसे में इंसानों के लिए ये पेड़ किसी वरदान से कम नहीं हैं. लेकिन आज हम आपको एक ऐसे पेड़ के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे दुनिया का सबसे खतरनाक ट्री कहा जाता है. इस पेड़ से इंसान जितना दूर रहे, उसके लिए उतना ही उतना ही अच्छा होता है.

पेड़ों से भी क्या डरना! आप यही सोच रहे होंगे लेकिन एक पेड़ ऐसा है जिससे डरना ही पड़ेगा। इस पेड़ का नाम है सैंडबॉक्स ट्री। यह सबसे खतरनाक और डरावना पेड़ है जो कि दक्षिण अमेरिका के अमेज़न जंगल में पाया जा सकता है। इस पेड़ को देखते ही आप पहले तो चौंक जाएंगे क्योंकि इसके तने पर शंकु के आकार के ढेर सारे कांटे होते हैं। इतना ही नहीं इस पेड़ पर कद्दू के आकार के फल उगते हैं लेकिन कमाल की बात तो यह है कि जब यह फल पक जाते हैं तो जोरदार आवाज़ के साथ बम की तरह फट जाते हैं। फल 150 मील प्रति घंटे की गति से फूटता है और 60 फीट की दूरी तक इसके बीज तेजी से फैलते हैं। इस तरह के विस्फोट के कारण इसे डाइनामाइट ट्री के नाम से भी जाना जाता है, जिसकी लंबाई 100 फीट तक हो सकती है।

हम बात कर रहे हैं सैंड बॉक्स ट्री की. इसे पोसमवुड, मंकी नो क्लाइंब, या जाबिलो के नाम से भी जाना जाता है. ये मूल रूप से नार्थ और साउथ अमेरिका के ट्रॉपिकल रीजंस में पाया जाता है. इसके अलावा ये पेड़ अमेजन के रेनफॉरेस्ट में भी पाया जाता है. लेकिन इस पेड़ को दुनिया का सबसे खतरनाक पेड़ कहा जाता है. इसकी वजह है इस पेड़ में लगने वाला फल. जी हां, इस पेड़ में लगने वाला फल नेचुरल ग्रेनेड है.

इतना खतरनाक है ये पेड़

सैंडबॉक्स को दुनिया के सबसे खतरनाक पेड़ में शामिल किया जाता है. ये पेड़ साठ मीटर तक लंबा हो सकता है. साथ ही इसकी पत्तियां साठ सेंटीमीटर तक बड़ी हो सकती हैं. इस पेड़ में दो तरह के फूल लगते हैं. मेल फ्लावर्स पेड़ के लंबे कांटों में उगते हैं जबकि फीमेल फ्लावर्स इसकी पत्तियों में. इस पेड़ के तने लंबे, नुकीले कांटों से भरे होते हैं जिससे जहर निकलता है. लेकिन इस पेड़ की यूएसपी है इसके फल.

ग्रेनेड की तरह करते हैं ब्लास्ट

इस पेड़ में कद्दू के आकार के फल लगते हैं. ये तीन से पांच सेंटीमीटर तक बड़े होते हैं. यही फल पेड़ का सबसे खतरनाक अंग है. दरअसल, ये फल किसी ग्रेनेड की तरह फूट जाता है. इस धमाके से इसके बीज काफी दूर-दूर तक फ़ैल जाते हैं. लेकिन जिस स्पीड से इसके बीज गिरते हैं, वो इंसान की बॉडी में छेद भी कर सकता है. इस वजह से पेड़ को काफी खतरनाक माना जाता है. लोगों को इससे दूर रहने की सलाह दी जाती है.

रेलवे स्टेशन वो जगह है जहां आप कभी न कभी जरूर गए होंगे, सालों से यात्रा में रेलवे स्टेशन बेहद अहम भूमिका निभाते नजर आए हैं।

ये हैं दुनिया के सबसे पुराने रेलवे स्टेशन

दुनिया भर में कई खूबसूरत रेलवे स्टेशन मौजूद हैं। कुछ अपनी बनावट और इतिहास को लेकर चर्चित हैं, तो कुछ अपनी आलीशान सुविधाओं के लिए जाने जाते हैं। सालों ये रेलवे स्टेशन लोगों की सेवा करते आ रहे हैं, यही वजह है कि आज दुनिया भर में लगभग हर जगह रेलवे की सुविधा उपलब्ध है। हालांकि रेलवे का इतिहास 50 या 100 साल नहीं बल्कि उससे भी पुराना है, ऐसे में रेलवे के साथ-साथ रेलवे स्टेशन की कहानी भी उतनी ही पुरानी है। हम आपको दुनिया के सबसे पुराने रेलवे स्टेशनों के बारे में बताएंगे, जिन्हें कई सालों पहले तैयार किया गया था। आइए जानते हैं इन पुराने रेलवे स्टेशनों के बारे में

लिवरपूल रोड स्टेशन, इंग्लैंड

लिवरपूल रोड स्टेशन की स्थापना 15 सितंबर 1830 में हुई। बता दें कि इस स्टेशन को दुनिया का सबसे पुराना स्टेशन माना जाता है. हालांकि साल 1975 के बाद यह स्टेशन अब लोगों को सेवाएं नहीं देता है, मगर इस स्टेशन को आज भी पूरी तरह से संरक्षित रखा गया है। साल 1930 में लिवर रोड स्टेशन को लिवरपूल और मैनचेस्टर रेलवे के हिस्से के रूप में तैयार किया गया था, जो कि दुनिया भर में भाप से चलने वाला इंटर-यूब्रान रेलवे था। आज ये ऐतिहासिक इमारत विज्ञान और उद्योग संग्रहालय का हिस्सा है।

ब्रॉड ग्रीन रेलवे स्टेशन

इस रेलवे स्टेशन को भी 15 सितंबर 1830 में बनाया गया था। इस स्टेशन को भी लिवरपूल और मैनचेस्टर रोड स्टेशन के साथ तैयार किया गया था। बता दें कि 1830 से लेकर अभी तक यह रेलवे स्टेशन लोगों को अपनी सुविधाएं देता आ रहा है। इस कारण इसे दुनिया के सबसे पुराने स्टेशनों की लिस्ट में शामिल किया गया है।

हेक्सहम रेलवे स्टेशन

यह दुनिया का तीसरा सबसे पुराना स्टेशन हैं, लेकिन अब तक सेवा देने वाले स्टेशनों में यह दूसरे स्थान पर आता है। बता दें कि इस स्टेशन को साल 1935 में खोला गया था, जो कि टाइन वैली लाइन पर मौजूद है। हालांकि समय के साथ इस रेलवे स्टेशन का आकार छोटा होता जा रहा है। हाल ही में इस स्टेशन को दोबारा से रीवाइव करने के प्रयास किए गए हैं।

डेप्टफोर्ड रेलवे स्टेशन

डेप्टफोर्ड रेलवे स्टेशन दुनिया के सबसे पुराने स्टेशनों में से चौथे स्थान पर आता है। हालांकि इस स्टेशन ने लंदन के इतिहास में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। माना जाता है कि यह शहर का सबसे पुराना ऑपरेटिंग ट्रेन स्टेशन है। बता दें कि इस स्टेशन की शुरुआत साल 1836 में हुई थी। 1915 से 1926 के लिए इस स्टेशन को बंद कर दिया गया था और इसके साथ ही स्टेशन की पुरानी इमारत को ध्वस्त कर दिया गया था। इसके बाद इस स्टेशन को दोबारा बनाया गया था, हालांकि इस बिल्डिंग को दोबारा साल 2011 में एक बार फिर से स्थापित किया गया।

लंदन ब्रिज रेलवे स्टेशन

इल शानदार ब्रिज स्टेशन को इंग्लैंड की राजधानी शहर के मुख्य भार में तैयार किया गया था। जिस कारण ये दुनिया का सबसे पुराना ऑपरेटिंग ट्रेन स्टेशन है। बता दें कि इस रेलवे स्टेशन को साल 1836 में तैयार किया गया था, हालांकि समय के साथ इस रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण कई बार किया गया। इतना ही नहीं साल 2009 से लेकर 2017 के बीच इस रेलवे स्टेशन के दोबारा निर्माण के लिए करीब 1.25 बिलियन डॉलर का पैसा खर्च किया गया। जिसके साथ यह स्टेशन दुनिया के पुराने स्टेशनों की लिस्ट में शामिल किया गया।

लीवरपूल लाइम स्ट्रीट स्टेशन

इंग्लैंड में स्थित लीवरपूल लाइम स्टेशन की शुरुआत साल 1936 में की थी। इसे दुनिया का सबसे पुराना स्टील-ऑपरेटिंग ग्रैंड टर्मिनस मेन लाइन स्टेशन माना जाता है। बता दें कि इस रेलवे स्टेशन पर लकड़ी का शेड हुआ करता था, जिस वजह से समय-समय पर इसे तोड़कर दोबारा तैयार किया जाता था।

युस्टन रेलवे स्टेशन

इस रेलवे स्टेशन की शुरुआत साल 1837 में की थी, लेकिन पूर्ण रूप से इस स्टेशन की शुरुआत 1960 में की गई। बता दें कि यह रेलवे स्टेशन वेस्ट कोस्ट मेन लाइन के लिवरपूल लाइम स्ट्रीट , मैनचेस्टर पिकाडिली, एडिनबर्ग वेवर्ली और ग्लासगो सेंट्रल के दक्षिण टर्मिनस के रूप में कार्य करता है। माना जाता है कि यह यूरोप के भव्य रेलवे स्टेशनों में से एक था, लेकिन इसके बावजूद भी साल 1960 के दौर में इसकी इमारत को तोड़कर दोबारा तैयार किया गया।

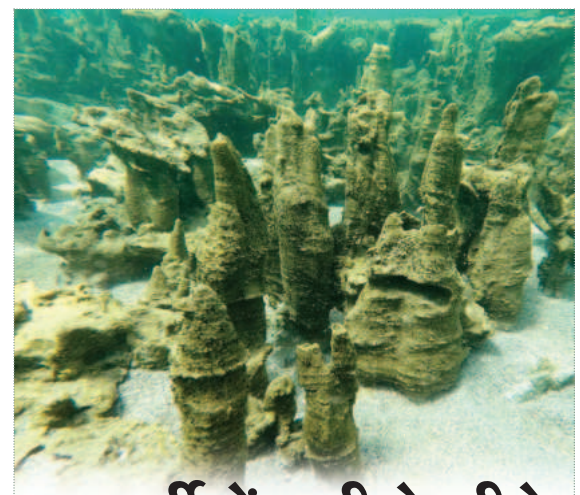

तुर्की में पानी के नीचे मिला रहस्यमयी महल! 3 हजार साल पुरानी सभ्यता का मंदिर

क्या आपको पता है कि द्वारिका के अतिरिक्त कई अन्य महल भी हैं जो इस समय पानी के अंदर समा गए हैं. एक ऐसे ही 3 हजार वर्ष पुराने महल को तुर्की में ढूंढा गया था. पुरातत्वविदों को खुदाई के दौरान एक झील में 3,000 साल पुराने महल के अवशेष मिले हैं.

तुर्की के पूर्वी वान प्रांत में पुरातत्वविदों ने लेक वैन में पानी के भीतर खुदाई के दौरान 3,000 साल पुराने उरारतु महल के खंडहरों की खोज की थी. तुर्की की सबसे बड़ी और मध्य पूर्व की दूसरी सबसे बड़ी झील की गहराई में मिला यह प्राचीन महल काफी हद तक अच्छी हालत में है. झील में मिले महल के अवशेष एक मुख्य महल से सम्बंधित हैं जो पूर्वी वान प्रांत के गुरपिनार जिले के पहाड़ों के बीच स्थित 8,200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है. वहां, टीम को प्राचीन दीवारें, पानी के भंडारण के लिए एक कुंड, और आगे जमीन के भीतर, कुछ चीनी मिट्टी के टुकड़े भी मिले. अब वान झील का वर्तमान जल स्तर कथित तौर पर उरारतु सभ्यता के दौरान की तुलना में कई सौ मीटर अधिक है. विशेषज्ञों के अनुसार झील के आसपास रहने वाली सभ्यताओं ने बड़े गांव और बस्तियां बसाईं, जब झील का जल स्तर कम था, लेकिन फिर से बढ़ने के बाद उन्हें क्षेत्र छोड़ना पड़ा होगा. अनुसंधान यह निर्धारित नहीं कर सका कि महल की कितनी दीवारें पानी में दबी हुई हैं, लेकिन पानी के ऊपर लगभग तीन से चार मीटर दिखाई देती हैं.

अपने अद्वितीय ऐतिहासिक मूल्य के कारण पानी के नीचे के खंडहरों से हजारों पर्यटकों को आकर्षित करने की उम्मीद जताई जा रही है. लेक वैन तुर्की की सबसे बड़ी झील है और मध्य पूर्व में दूसरी सबसे बड़ी झील है. यह दुनिया की सबसे बड़ी सोडियम वाटर झील भी है. झील ईरान के साथ सीमा के पास पूर्वी अनातोलियन क्षेत्र के ऊंचे मैदानों पर स्थित है. यह वैन प्रांत के पास माउंट नेम्रुट के ज्वालामुखी विस्फोट के कारण बने क्रेटर द्वारा बनाई गई थी.

इसी सभ्यता का एक 2,800 साल पुराना ओपन एरिया मंदिर भी उरारतु काल का खोजा गया है. माना जाता है कि इसका उपयोग दक्षिण-पश्चिमी भाग में धार्मिक समारोहों में किया जाता था. उरारटियन कई देवताओं को पूजते थे इसलिए संभावना है कि अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियों को क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर रखा गया हो. फिलहाल पुरातत्वविदों का मानना है कि यहां युद्ध के देवता के नाम पर समारोह आयोजित किये जाते थे.

क्या आपको मालूम है इन भारतीय शहरों के नाम पर विदेशों में भी हैं शहर

भारत में आपको एक ही शहर के नाम दूसरे राज्यों में भी सुनने को मिल जाते होंगे, लेकिन क्या आपने कभी ये सुना है कि भारतीय शहरों के नाम पर विदेशों में भी शहर हैं। जी हां, विदेशों में कई जगहें ऐसी हैं जिनका नाम भारतीय शहरों के नाम पर रखा गया है। दिल्ली और पटना इसी के उदहारण है, जिनका नाम आपको विदेशों में भी मिल जाएगा। भारत के कुछ ऐसे शहर जिनके नाम के विदेशों में भी शहर है। तो चलिए जानते हैं-

लखनऊ - उत्तर प्रदेश की राजधानी, जिसे नवाबों का शहर भी कहा जाता है, लेकिन क्या आपको मालूम है कि अमेरिका में भी एक शहर का नाम है लखनऊ। जी हां, अमेरिका में भी लखनऊ है जिसे कैसल इन द क्लाउड्स के भी नाम से जाना जाता है।

पटना - बिहार की राजधानी पटना, लेकिन क्या आपको मालूम है इस पटना के अलावा भी एक और पटना स्कॉटलैंड देश में है। जी हां, स्कॉटलैंड के ईस्ट एरीशायर में एक शहर है जिसका भी नाम पटना है। कहा जाता है कि जब स्कॉटलैंड में ईस्ट इंडिया कंपनी के लोग भारत से वापिस लौटे तो उन्होंने अपने शहर में इसी पटना के नाम पर एक शहर बसा लिया।

कोलकाता - ब्रिटिश काल में इसे कलकत्ता के नाम से जाना जाता था, जिसे अब कोलकाता के नाम से जाना जाता है। ये शहर ब्रिटिश काल में भारत की राजधानी भी रही है। एक कोलकाता अमेरिका में भी है, जिसे कोटा टाउन और इंडियाना के नाम से भी जाना जाता है।

हैदराबाद - हैदराबाद भारत के प्रमुख शहरों में से एक और तेलंगाना की राजधानी है, लेकिन क्या आपको मालूम है पाकिस्तान में भी एक हैदराबाद है। जी हां, पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक शहर है जिसका नाम हैदराबाद है।

ठाणे - महाराष्ट्र के ठाणे का नाम आपने ज़रूर सुना होगा। दूसरा ठाणे शहर ऑस्ट्रेलिया में है। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड शहर में है ये दूसरा ठाणे।

कोच्चि - भारत में कोच्चि को कोचीन के नाम से भी जाना जाता है। ये शहर प्रमुख रूप से बंदरगाह यानि पोर्ट के लिए भी भारत में जाना जाता है। यहां ऐसे कई बंदरगाह है जहां विदेशों से भी कंटेनर आते हैं, लेकिन आपको मालूम है जापान में भी एक कोचीन है, जो एक आइलैंड पर बसा हुआ है।

सैफई वाले मुझे गाली देते है, इसका जवाब कमल बटन पर अंगूठा लगाकर दीजिए : केशव मौर्य

पहले पाकिस्तानी सैनिक जवानों का सिर ले जाते थे, अब जवान उन्हे घर में घुसकर सिखा रहे है सबक

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि पहले पाकिस्तानी सैनिक देश में घुसकर हमला करते थे और हमारे नौजवानों का सिर काटकर उठा ले जाते थे। 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद से हमारे देश के सैनिक पाकिस्तान में घुसकर उन्हे सबक सिखा रहे है। हमारे देश के जवान अभिनंदन के जीवित होने का पता चलते ही पीएम नरेंद्र मोदी ने उसे ससम्मान भारत को सौंपने को कहा। चेताया, कि यदि ऐसा नही हुआ तो पाकिस्तान का विश्व से नक्शा मिट जाएगा। इसके बाद 24 घंटे में हमारे जांबाज सिपाही को देश के सुपुर्द कर दिया गया।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को मंझनपुर मुख्यालय में भाजपा प्रत्याशी सांसद विनोद सोनकर के नामांकन सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 के चुनाव में लहर थी। 2019 के चुनाव में आंधी, जबकि इस बार 2024 के लोकसभा चुनाव में तूफान है, सुनामी है। अबकी चुनाव ऐतिहासिक है। यह चुनाव सौ साल आगे ले जाने वाला है। सपा बसपा के लोग कहते है कि संविधान खतरे में है, जबकि उनकी राजनीति खतरे में है। सपा समाप्त पार्टी हो गई है, जो बिलकुल सफा है। बसपा बिलकुल समाप्त पार्टी है, जबकि कांग्रेस मुक्त भारत बनाना है। पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि मेरा नेता ऐसा है, जिसने संसद में प्रवेश करने से पहले उसे मंदिर मानकर माथा टेका और अंदर जाकर संविधान को शीश नवाया। नरेंद्र मोदी पीएम नही होते तो घर-घर शौचालय, गांव-गांव बिजली व चार करोड़ लोगों को प्रधानमंत्री आवास नही मिलता। विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पीएम ने 52 करोड़ खाते खुलवाकर उनमें करीब 34 करोड़ रुपए लगाए। यह बेईमान लोग होते तो पांच करोड़ ही मिलता, बांकी रूपया डकार गए होते। उन्होने कहा कि सैफई वाले मुझे गाली देते है। मैं उनका जवाब गाली से नही दूंगा।

आप लोग इसका जवाब कमल बटन के सामने अंगूठा लगाकर दीजिए। सभा को भाजपा कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर, जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य, पूर्व विधायक लाल बहादुर, संजय गुप्ता ने भी संबोधित किया। इस मौके पर लोकसभा प्रभारी रणजीत कुशवाहा, अवधेश गुप्ता, प्रतापगढ़ जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, लोकसभा संयोजक राकेश पांडेय आदि मौजूद रहे।

नामांकन सभा में उपस्थित लोगों को संबोधित करते डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य

तीसरी बार करना मेरा बेड़ा पार

कौशांबी। भाजपा प्रत्याशी सांसद विनोद सोनकर ने सपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र सरोज के पिता इंद्रजीत सरोज पर निशाना साधते हुए कहा कि वह कहते है हमने कौशांबी में विकास किया है। जब जिला बनता है तो सरकारी कार्यालय बनते ही है, उसी को वह विकास कह रहे है। अपनी सरकार की उपलब्धियों का बखान करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने ट्रामा सेंटर, मेडिकल कालेज, रोडवेज डिपो, नदियों में पुल का निर्माण समेत अनेकों कार्य किए है। उन्होने कहा कि आप लोगों ने मुझे दो बार सांसद चुना। अबकी बार चार सौ पार का नारा है, इसमें भी मुझे सांसद चुनकर मेरा बेड़ा पार करना। उन्होने तीन मूल मंत्रो पर चुनाव लड़े जाने की बात कही।

नामांकन पत्र दाखिल करते सांसद विनोद सोनकर

कौशांबी। नामांकन के चतुर्थदिन बुधवार को भाजपा प्रत्याशी सांसद विनोद सोनकर ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मुन्नालाल ने भी अपना नामांकन किया। छह लोगों ने पर्चा लिया। इनमें अपना दल (कमेरावादी) पार्टी के नरेंद्र कुमार के लिए रमेश कुमार ने पर्चा लिया। निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में सुखलाल, इंद्रजीत ने शिव कुमार के लिए, अनन्त प्रताप सिंह ने पर्चा प्राप्त किया। आजाद समाज पार्टी के लिए सुनील कुमार और मनीष कुमार के लिए ज्योति प्रकाश ने पर्चा लिया। अब तक कौशाम्बी संसदीय सीट से 33 लोग पर्चा ले चुके हैं।

प्रबन्ध समिति की बैठक में सदस्यों को सम्बोधित करतीं प्रधानाध्यापक अनुराधा पाण्डेय

लोकतांत्रिक प्रणाली को सशक्त बनाने को करें मतदान

पीएमश्री प्राथमिक विद्यालय अमिरसा में प्रबन्ध समिति की बैठक में शैक्षिक विमर्श के साथ मतदान पर हुई चर्चा

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। वोट के अधिकार का प्रयोग धर्म, संप्रदाय, वर्ग, जाति, भाषा आदि से ऊपर उठ कर देश की लोकतांत्रिक प्रणाली को स्वस्थ और सशक्त बनाने के लिए करना चाहिए। यह बातें नेवादा ब्लाक के पीएमश्री प्राथमिक विद्यालय अमिरसा में बुधवार को प्रधानाध्यापक व राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका अनुराधा पाण्डेय ने विद्यालय प्रबन्ध समिति की बैठक में कही।

बैठक की अगुवाई करते हुए उन्होने समिति के अध्यक्ष, सद्स्यो व अभिभावकों से आह्वान किया कि स्वयं के साथ अपने आस पास सभी मतदाताओं को वोट डालने के लिए भी प्रेरित करें।

बैठक में शैक्षिक विचार विमर्श के साथ साथ 20 मई को होने वाले लोक सभा चुनाव में शत प्रतिशत भागीदारी निभाने की अपील की गई। निपुण भारत अभियान के अंतर्गत छात्रों को निपुण बनाने, परिषदीय विद्यालय में नवीन नामांकन, छात्रों को नियमित विद्यालय भेजने, हीट वेव से बचाव जैसे विभिन्न विभागीय एजेंडे के अनुरूप विचार विमर्श हुआ।

प्रधानाध्यापक ने बताया कि विद्यालय के शिक्षण, प्रबंधन एवं सकारात्मक पहलुओं पर चर्चा के साथ-साथ जहां कमी रह गई है, उन कार्यों का कार्य विभाजन एवं क्रियान्वयन द्वारा सुधारात्मक उपाय की योजना बनाई गई।

नेवादा ब्लॉक के तीन विद्यालय बनेंगे आदर्श बूथ

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। 20 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के दौरान नेवादा ब्लाक के परिषदीय विद्यालय अमवां, बसुहार व अमिरसा आदर्श बूथ के रूप में जाने जाएंगे। बीडीओ प्रदीप कुमार मौर्य ने चुनाव प्रक्रिया से संबंधित कार्यों की समीक्षा के दौरान ग्राम के प्रधान व पंचायत सचिव को निर्देश जारी करते हुए कहा कि आदर्श बूथ के रूप में चयनित विद्यालयों में रंगीन गुब्बारे, मुख्य गेट की साज सज्जा, टेंट व पेयजल जैसी व्यवस्था मतदान दिवस के पूर्व सुनिश्चित कर लें।

आदर्श बूथ के रूप में चयनित अमिरसा गांव की ग्राम प्रधान सीमा मिश्रा ने बताया कि मतदाताओं को लोकतंत्र के महापर्व में एक अच्छा वातावरण देने की कोशिश की जा रही है। बीडीओ के निर्देश पर प्राथमिक विद्यालय अमिरसा को भी आदर्श मतदान केंद्र बनाया गया है। यहां मतदाता कारपेट पर चलकर मतदान करने पहुंचेंगे। मतदाताओं के बैठने के लिए मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ मतदाताओं के आकर्षण के लिए विभिन्न प्रकार की व्यवस्था की जाएगी।

कालेज में मेधावियों का हुआ सम्मान

स्वतंत्र चेतना

भरवारी, कौशांबी। कस्बे के श्री हुबलाल इंटरमीडिएट कॉलेज में बुधवार को कॉलेज मेधावियों को सम्मानित किया गया। हाई स्कूल परीक्षा में अर्चना प्रथम, आदर्श प्रकाश द्वितीय एवं अमित कुशवाहा तृतीय स्थान पर रहे, जबकि इंटरमीडिएट विज्ञान वर्ग में अंशिका प्रथम, रमेश कुमार द्वितीय, करण कुशवाहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इंटर कला वर्ग में उज्जवला प्रथम, आकाश सिंह द्वितीय व खुशबू वर्मा तृतीय स्थान पर रहे। इंटर व्यावसायिक वर्ग में मोहिनी पाण्डेय प्रथम, स्वाति द्वितीय एवं सोनाली तिवारी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। जिले में छठा स्थान हासिल करने वाली इंटरमीडिएट विज्ञान वर्ग की अंशिका को विद्यालय के प्रबंध वीरेंद्र कुमार केसरवानी ने सम्मानित करते हुए बच्चों के लिए प्रेरणादाई बताया। इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्य जीवन लाल, लिपिक बृजेश त्रिपाठी सहित समस्त अध्यापक मौजूद रहे।

चरित्रहीनता के शक में बेटे ने मां को उतारा मौत के घाट

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। संदीपन घाट कोतवाली के रसूलाबाद कोइलहा स्थित एक ईंट भट्ठे पर रहकर मजदूरी करती थी। मंगलवार की रात बड़े बेटे अजय ने मां के चरित्र को लेकर झगड़ा शुरू कर दिया। आरोप है कि मारपीट के दौरान बेटे अजय ने गला दबाकर मां की हत्या कर दी।

संगीता की मौत के बाद उसके शव को समीप के यूकेलिप्टिस की बाग में ले जाकर छिपा दिया। वहां मौजूद छोटे बेटे जैकी ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छोटे बेटे बेटे जैकी की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी कोतवाली के रसूलाबाद उर्फ कोइलहा स्थित एक ईंट भट्ठे पर रहकर मजदूरी करती थी। मंगलवार की रात बड़े बेटे अजय ने मां के चरित्र को लेकर झगड़ा शुरू कर दिया। आरोप है कि मारपीट के दौरान बेटे अजय ने गला दबाकर मां की हत्या कर दी। बड़े बेटे को हिरासत में लेकर घटना की छानबीन शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि साल भर पहले पति नत्थू सरोज ने भी चरित्रहीनता की शक पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

चरित्रहीन होने के शक पर विवाद के बाद बेटे ने मां की गला दबाकर हत्या कर दी है। छोटे बेटे की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

भुवनेश चैबे
थाना प्रभारी, संदीपन घाट

भाकियू की बैठक में उठा समस्याओं का मुद्दा

स्वतंत्र चेतना

बारा, कौशांबी। विकासखंड कौशांबी परिसर में बुधवार को भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक दल की बैठक हुई। जिसमे क्षेत्र की समस्याओं को लेकर चर्चा की गई।

बैठक में गरीबों को आवास देने, गांवों में खराब हैंड पंप बनवाने, तालाबों में पानी भरवाने, सामुदायिक शौचालय की साफ सफाई, गरीबों को शौचालय देने, जल जीवन मिशन के तहत गांवों के रास्ते की कराई गई खुदाई को सही कराने, ग्राम पंचायतों में सामुदायिक शौचालय चालू चालू करवाने की मांग को लेकर ग्राम पंचायत अधिकारी रामभवन को ज्ञापन सौंपा गया। बैठक की अध्यक्षता जिला संगठन मंत्री मानसिंह व ब्लॉक अध्यक्ष कल्लू प्रजापति ने की। इस मौके पर युवा जिला अध्यक्ष नमो मिश्र, दिनेश कुमार, सत्येंद्र कुमार, लवलेश सिंह, कल्पना देवी, रामरति, धर्म नारायण आदि मौजूद रहे।

ब्रांड अम्बेसडर के रूप में पांच का चयन

स्वतंत्र चेतना

अजुहा, कौशांबी। स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के लिए नगर पंचायत ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी के तहत अब शासन के निर्देश पर नगर पंचायत के आत्म निर्भर वार्डो में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन के लिए एक ब्रांड एंबेसडर के रूप में नगर पंचायत के पांच सभासदों का चयन हुआ है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छ सर्वेक्षण हेतु नगर पंचायत अजुहा के वार्ड नंबर एक भौतर, वार्ड नंबर चार मढ़ियामई, वार्ड नंबर पांच अजमतपुर, वार्ड नंबर सात मौलाना आजाद नगर में सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग इकट्ठा करवाने और कूड़ा कलेक्शन करवाने के लिए ब्रांड एंबेसडर के रूप में नगर पंचायत के अध्यक्ष प्रतिनिधि ओमप्रकाश कुशवाहा, सभासद फूलचंद्र केसरवानी, सुघर सिंह, मनोज कुमार त्रिपाठी, रामबाबू मोदनवाल का चयन किया गया है।

चोरी के सामान संग दो महिलाएं गिरफ्तार

स्वतंत्र चेतना

सिराथू, कौशांबी। सैनी कोतवाली की अजुहा चैकी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बुधवार को दो महिलाओं को लोहदा पुल ससुर खदेरी नदी के पास से गिरफ्तार किया है। चैकी प्रभारी अरुण कुमार मौर्य ने बताया कि महिला कांस्टेबल इंदू यादव, सिपाही अभिषेक दत्त मिश्र व सूर्यप्रकाश आर्य के साथ मुखबिर की सूचना पर दबिश दी गई। पकड़ी गई दोनो महिलाएं कसरी थानाक्षेत्र के तियरा निवासी शांती देवी व सुशीला हैं। दोनो महिलाओं के कब्जे से चोरी के लाल रंग का पर्स, सोने का मंगलसूत्र, सात सौ रुपया नकदी व आधार कार्ड बरामद हुआ है।

सर्वाधिक उपस्थिति वाले छात्र हुए सम्मानित

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। नेवादा ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय तिलगोड़ी में विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक में गत एक अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलाए गए स्कूल चलो अभियान में छह से 14 वर्ष के बालक बालिकाओं के किये गए नामांकन में जिन बच्चों का नाम बिना आधार कार्ड के लिखा गया है उन अभिभावकों से छात्रों का आधार कार्ड बनवा कर विद्यालय में जमा करने की अपील की गई।

प्रधानाध्यापक डा. राम नेवाज सिंह ने बताया कि इससे नामांकन के साथ छात्रों को डीबीटी का भी समुचित लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में अप्रैल माह में सर्वाधिक उपस्थित रहने वाले कक्षा वार छात्र लकी कुमार सरोज, सिद्धार्थ नाथ, मानसी, दीपक को स्टार ऑफ द मंथ का खिताब प्राप्त हुआ। इन्हें बैग व स्टेशनरी देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाध्यापक ने बताया कि इससे बच्चों को नियमित विद्यालय आने की प्रेरणा मिलेगी। आगामी 20 मई को होने वाले लोकसभा के चुनाव में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए उपस्थित अभिभावकों को प्रधानाध्यापक ने शपथ दिलाकर शत प्रतिशत मतदान करने एवं कराने का संकल्प दिलाया। इसी प्रकार मूरतगंज ब्लॉक के उच्च प्राथमिक विद्यालय सकाढ़ा में प्रधानाध्यापक नीलिमा सिंह ने विद्यालय प्रबन्ध समिति की बैठक आयोजित कर बैठक में एसएमसी सदस्यों व अभिभावकों को पुरस्कृत किया।

सर्वाधिक उपस्थिति वाले छात्र को संमानित करते प्रधानाध्यापक

पूतना वध की कथा सुनकर मंत्रमुग्ध हुए श्रद्धालु

स्वतंत्र चेतना

मंझनपुर, कौशांबी। सरसवां ब्लाक के रायपुर व कटरी गांव के मध्य चल रही लक्ष्मीनारायण यज्ञ व श्रीमद्भागवत कथा के चतुर्थ दिन बुधवार को कथा व्यास दिलीप महाराज ने कहा कि वासुदेव नंद बाबा के यहां भगवान श्रीकृष्ण को छोड़कर जैसे ही आए, वहां खुशियां मनाई जाने लगीं। नंद बाबा ने ब्राह्मणों को धन धान्य के साथ लाखों की संख्या में गौदान दिया।

कथावाचक ने कहा कि ब्राह्मणों को बुलवाकर नामकरण, जाति कर्म संस्कार कराए गए। इधर खुशियां मन रहीं थीं कि उधर कंस का नंद बाबा के लिए वार्षिक कर देने को बुलावा आता है और वह कर चुकाने चल देते हैं। कंस ने बकासुर की बहन बकी, जिसे पूतना के नाम से जानते हैं, उसे बुलवाया। पूतना बहुत बलवान थी। राजा कंस ने गोकुल में जन्मे सभी बच्चों

के साथ नंद बाबा के यहां जन्मे बालक को मारने के लिए उसे भेजा। बधाई गीत सुनकर पूतना समझ गई कि इसी घर में पुत्र ने जन्म लिया है। वह नंदबाबा के महल में पहुंची और सुंदर स्त्री का रूप धारण कर गोपियों के साथ महल में प्रवेश कर गई और यशोदा मैया को रिश्ते में मौसी बताकर बधाई देने लगी। बिषपान के दौरान भगवान श्रीकृष्ण ने उसका वध कर दिया। पूतना वध की कथा सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। इस दौरान यजमान मुन्ना त्रिपाठी, रामेश्वरी देवी, शोमदत्त आदि मौजूद रहे।

छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण कर बांटी गई दवाइयां

स्वतंत्र चेतना

अजुहा, कौशांबी। अजुहा कस्बे के दयानंद सरस्वती ज्ञान मंदिर इंटर कालेज में बुधवार को नेस्ट क्लीनिक द्वारा लगभग 350 छात्र-छात्राओं को स्वास्थ्य परीक्षण हुआ। विद्यालय के अध्यक्ष कपूर चंद केसरवानी व प्रधानाचार्य डा. रमेश चंद्र आचार्य के नेतृत्व में कानपुर हैलेट व सर गंगाराम हास्पिटल के पूर्व चिकित्सक डा. पुष्कर केसरवानी ने स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए आवश्यकतानुसार दवाइयां दी।

विद्यालय के अध्यक्ष कपूर चंद्र केसरवानी ने कहा कि वर्ष में दो बार इसी प्रकार परीक्षण होगा। सभी लोग स्वस्थ एवं निरोगी रहे। प्रधानाचार्य रमेश चंद्र ने डा. पुष्कर केसरवानी को धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे ही समय-समय पर विद्यालय आकर सामाजिक कार्यों में रूचि दिखाते हुए स्वास्थ्य परीक्षण करते रहें। इस मौके पर पंकज यादव, हिमांशु केसरवानी, विकास केसरवानी, शेर बहादुर सिंह, राम प्रसाद, भानु प्रकाश, देवेश कुमार, विक्रम सिंह, अश्वनी कुमार मिश्रा, सोनम, सरल, पूजा गौतम आदि उपस्थित रहे।

छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण करते चिकित्सक

बर्फ लेने को लेकर कोल्ड स्टोर के कैशियर के साथ मारपीट

स्वतंत्र चेतना

सिराथू, कौशांबी। सैनी कोतवाली के पहाड़पुर कोदन गांव स्थित कोल्डस्टोर मे तैनात कैशियर के साथ दबंग ने अपने गुर्गों के साथ मिलकर मारपीट की। स्टोर कर्मियों ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया। कोल्ड स्टोर कर्मी ने पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है।

सैनी कोतवाली क्षेत्र के मोचारा खास गांव निवासी मुलायम सिंह पुत्र गुलाब सिंह बताया कि बुधवार की सुबह क्षेत्र के एक पूर्व जिला पंचायत सदस्य अपने तीन-चार गुर्गों के साथ बर्फ लेने स्टोर आए और जल्दी को लेकर बहस शुरू कर दी।

आरोप है कि इस दौरान दबंग गाली गलौच करते हुए मारपीट करने लगा। मारपीट देखकर कोल्ड स्टोर में अफर तफरी मच गई। स्टोर के अन्य कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर बीच बचाव करते हुए मामला शांत कराया। तहरीर लेकर पुलिस मामले की तहकीकात में जुट गई है।

महिला शिक्षक संघ के पदाधिकारियों को मिला प्राधिकार पत्र

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। महिला शिक्षक संघ कौशाम्बी की जिलाध्यक्ष सोनी केशरवानी के नेतृत्व में बुधवार को मंझनपुर स्थित एक होटल में संघ के पदाधिकारियों को समारोह के माध्यम से प्राधिकार पत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम में सभी मनोनीत पदाधिकारियों ने संघ के उन्नयन व महिला शिक्षकों से जुड़ी समस्याओं व उसके समाधान पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

जिलाध्यक्ष सोनी केशरवानी ने बताया कि समारोह के बाद संघ के पदाधिकारियों के साथ बीएसए डा. कमलेंद्र कुमार कुशवाहा से स्नेहिल मुलाकात की गई। बीएसए ने महिला संघ को शिक्षक हित मे बेहतरीन कार्य करने को प्रेरित किया। कार्यक्रम में जिला महामंत्री संगीता, जिला उपाध्यक्ष रजनी केसरवानी, सुधा गौड़, नीलम केसरवानी, जिलामंत्री मीरा यादव, जिला संगठन मंत्री केसकर सुदेशना, जिला कोषाध्यक्ष मुन्नी देवी, जिला प्रचार मंत्री मिथलेश सिंह, जिला मीडिया प्रभारी शालिनी सिंह तोमर, मंझनपुर की ब्लाक अध्यक्ष रेनू वर्मा, सिराथू की ब्लाक अध्यक्ष स्नेह लता, सिराथू ब्लाक महामंत्री नीलू चैरसिया, सिराथू कोषाध्यक्ष वंदना आदि उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन जिला मीडिया प्रभारी शालिनी सिंह तोमर ने किया।

जिलाध्यक्ष सोनी केशरवानी संग प्राधिकार पत्र के साथ मौजूद महिला शिक्षक संघ की पदाधिकारी

आरबीआई ने तीन महीने में खरीदा 19 टन सोना

संक्षिप्त समाचार

महिंद्रा ने लॉन्च की कॉम्पैक्ट एसयूवी में लीक से हटकर नई एक्सयूवी 3एक्सओ

मुंबई एजेंसी। भारत की अग्रणी एसयूवी निर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने आज एक्सयूवी 3एक्सओ लॉन्च की, जिसकी कीमत 7.49 लाख रुपए से शुरू होती है। कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में नए स्टैंडर्ड बनाते हुए एक्सयूवी 3एक्सओ असाधारण डिजाइन, प्रीमियम इंटीरियर, आरामदायक सवारी, अत्याधुनिक तकनीक, रोमांचक प्रदर्शन और बेजोड़ सुरक्षा का संयोजन है। एक्सयूवी 3एक्सओ नवीनता और उत्कृष्टता के प्रति महिंद्रा की प्रतिबद्धता का प्रतीक है, यह वास्तव में ाएवरीथिंगयूवांटएंडमोर की बानगी है।एक्सयूवी 3एक्सओ की परिकल्पना मुंबई में महिंद्रा इंडिया डिजाइन स्टूडियो (एमआईडीएस) में की गई थी और चेन्नई के पास महिंद्रा रिसर्च वैली (एमआरवी) में इंजीनियरिंग और डवलपमेंट किया गया था। एक्सयूवी 3एक्सओ महिंद्रा की वैश्विक डिजाइन और इंजीनियरिंग टीम की विश्व स्तरीय क्षमताओं का प्रतिनिधित्व करती है। एडवांस मैनुफैक्चिंग प्रोसेस का उपयोग करके नासिक में महिंद्रा की अत्याधुनिक सुविधा में निर्मित यह गाड़ी ग्राहकों को एक उच्च गुणवत्ता वाली एसयूवी देती है जो जो मजबूत है और लंबे समय तक चलने के लिए इंजीनियर की गई है।कई सेगमेंट में आकर्षक एक्सयूवी 3एक्सओ नए जमाने के एसयूवी खरीदारों की उम्मीदों से कहीं बेहतर है। प्रत्येक वैरिएंट को अपने संबंधित सेगमेंट की विशिष्ट आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है, जो एक्सयूवी 3एक्सओ को एक अपनी श्रेणी में क्रांतिकारी बनाता है।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल में जी.आई. कैंसर के उपचार के एक नए युग का उदय

अहमदाबाद एजेंसी। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने अहमदाबाद स्थित अस्पताल में एक आधुनिक रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम का उपयोग करते हुए गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल (जी.आई.) कैंसर की सफल रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत के साथ एक अभूतपूर्व उपलब्धि प्राप्त की। चिकित्सकीय विशेषज्ञता का यह उल्लेखनीय प्रदर्शन जी.आई. के कैंसर को प्रबंधित करने के लिए कम से कम चीर-फाड़ करने वाले सर्जिकल तरीकों में एक बड़ी प्रगति का अगुआई करता है। यह सर्जरी प्रसिद्ध सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. सोमशेखर एस.पी., एस्टर मेडिकल सेंटर, बेंगलुरु के मार्गदर्शन के अंतर्गत डॉ. महावीर तड़ैया, सलाहकार जी.आई. एवं गायने ओन्को-सर्जन, मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल द्वारा की गई थी। ओपन और लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में एक दशक से अधिक के अनुभव के आधार पर, हमारे कैंसर सर्जन कैंसर के रोगियों के लिए अत्याधुनिक रोबोटिक सर्जरी को अपनाकर प्रगतिशील प्रयास कर रहे हैं। यह प्रतिनिधित्व करने वाली प्रक्रिया अभिनवता, उत्कृष्टता और रोगी-आधारित देखभाल के प्रति मैरिंगो सीआईएमएस अस्पताल की लगन को प्रदर्शित करती है।

आईसीआईसीआईसीआई प्रूडेंशियल को 835 करोड़ का नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस को जुर्माने व ब्याज के साथ 835 करोड़ रुपये का जीएसटी नोटिस मिला है। कंपनी ने शेयर बाजारों को बताया कि महाराष्ट्र कर विभाग की ओर से उसे यह नोटिस मिला है। इसमें 380 करोड़ रुपये जीएसटी है। जुर्माना व ब्याज 416 करोड़ रुपये व 38 करोड़ रुपये है। कंपनी ने कहा, नोटिस उसे इनपुट टैक्स क्रेडिट के मामले में मिला है। इसमें जीएसटीआर-3 बी, जीएसटीआर-9 व जीएसटीआर 2ए और इनपुट टैक्स क्रेडिट में विसंगतियां पाई गई हैं। साथ ही, फिक्स्ड संपत्तियों की बिक्री पर कर का भी मामला जुड़ा है।

आरबीआई ने तीन महीने में खरीदा 19 टन सोना

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आरबीआई की खरीदारी बढ़ाने से भी देश में सोने की मांग बढ़ी है। केंद्रीय बैंक ने जनवरी-मार्च, 2024 तिमाही में कुल 19 टन सोना खरीदा है। 2023 में पूरे साल के दौरान उसने 16 टन की खरीदारी की थी। आरबीआई ने आगे भी खरीदारी जारी रखने का संकेत दिया है।

आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर मार्च में बढ़कर 5.2 फीसदी ; फरवरी की तुलना में कम

आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों के उत्पादन की वृद्धि दर मार्च, 2024 में सालाना आधार पर बढ़कर 5.2 फीसदी पर पहुंच गई।हालांकि, यह वृद्धि दर इस साल फरवरी के 7.1 फीसदी की तुलना में कम है।मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, आठ प्रमुख उद्योगों कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट व बिजली की वृद्धि दर मार्च, 2023 में 4.2 फीसदी रही थी। इन क्षेत्रों में उत्पादन की वृद्धि दर बीते वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 7.5 फीसदी रही थी।यह इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 के 7.8 फीसदी की तुलना में कम है। ये आठ प्रमुख क्षेत्र देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 40.27 फीसदी का योगदान करते हैं।

उद्योगों को बैंक कर्ज में 8.5 फीसदी की बढ़ोतरी :आरबीआई

बैंकों की ओर से उद्योगों को दिएगएकर्ज में मार्च, 2024 में 8.5 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि, पर्सनल लोन में वृद्धि कम होकर 17.7 फीसदी रह गई।एक साल पहले की समान अवधि में वृद्धि दर क्रमशः 5.6 फीसदी और 21 फीसदी रही थी। आरबीआईके मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, मार्च में कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों का कर्ज एक साल पहले के 15.4 फीसदी से बढ़कर 20.1 फीसदी पहुंच गया।सेवा क्षेत्र को कर्ज भी 19.6 फीसदी से बढ़कर 20.2 फीसदी पहुंच गया।

यूको बैंक में हिस्सेदारी घटाएगी केंद्र सरकार

सरकार यूको बैंक में चालू वित्त वर्ष के दौरान कई चरणों में हिस्सा घटाकर 75 फीसदी तक ला सकती है। अभी 95.39 फीसदी हिस्सा है। सेबी के मुताबिक, सूचीबद्ध कंपनियों में प्रवर्तक का हिस्सा 75 फीसदी से अधिक नहीं होना चाहिए। बैंक के पास अगस्त तक समय है।

सेंट्रल बैंक का लाभ 41 फीसदी बढ़ा, एनपीए घटा

बुरे फंसे कर्जों के घटने से सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का मुनाफा मार्च तिमाही में 41 फीसदी बढ़कर 807 करोड़ रुपये पहुंच गया है। ब्याज से कमाई 8,337 करोड़ रही है। शुद्ध एनपीए कम होकर 1.23 फीसदी पर रहा।

आरईसी को 4,079 करोड़ का फायदा

रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन (आरईसी) को मार्च तिमाही में 4,079 करोड़ का फायदा हुआ है। एक साल पहले की समान तिमाही की तुलना में 33 फीसदी अधिक है। पूरे वित्त वर्ष में लाभ 14,145 करोड़ और आय 47,571 करोड़ रही है।

यूको बैंक का चालू वित्त वर्ष में सरकारी हिस्सेदारी घटाकर 75 प्रतिशत करने का लक्ष्य : प्रबंध निदेशक

कोलकाता एजेंसी। यूको बैंक ने मंगलवार को कहा कि उसका लक्ष्य वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान बैंक में सरकार की हिस्सेदारी मौजूदा 95.39 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत करना है। सेबी के न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता मानदंडों का पालन करने के लिए हिस्सेदारी कई किस्तों में घटाई जाएगी। बैंक के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि उसके पास इस आदेश का अनुपालन करने के लिए अगस्त तक का समय है, लेकिन उसे और विस्तार मिलने की उम्मीद है। सार्वजनिक क्षेत्र के चार अन्य बैंकों ने भी सेबी के नियमों का पालन करने के लिए सरकारी हिस्सेदारी कम करने की योजना बनाई है। यूको बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) और सीईओ अश्विनी कुमार ने कहा, हमें वृद्धि के लिए इक्विटी की जरूरत नहीं है, क्योंकि हमारा पूंजी पर्याप्तता 16.98 प्रतिशत है। हालांकि, सूचीबद्धता नियमों को पूरा करने के लिए हमें सरकार की हिस्सेदारी को घटाकर 75 प्रतिशत करना होगा और ऐसा चालू वित्त वर्ष के भीतर करना है। उन्होंने बताया कि निदेशक मंडल ने इसके लिए 400 करोड़ इक्विटी शेयर जारी करने को मंजूरी दे दी है। ऐसा किस्तों में किया जाएगा। उन्होंने कहा, अनुपालन के लिए, 10 रुपये प्रति शेयर पर 330-340 करोड़ इक्विटी शेयर जारी करना पर्याप्त होता लेकिन हमने कुछ अतिरिक्त गुंजाइश दी है।

पेट्रोलियम कंपनियों को राहत, सरकार ने कच्चे तेल पर घटाया टैक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स की दरों में कटौती कर दी है। सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित क्रूड ऑयल पर विंडफॉल टैक्स को बुधवार से 8400 रुपए प्रति टन कर दिया है। ये पहले 9600 रुपए प्रति टन पर था जिसे घटाकर 8400 रुपए प्रति टन पर लाया गया है। यह टैक्स विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क- स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी (एसएईडी) के तौर पर लगाया जाता है। नई दरें एक मई यानी आज से लागू हो गई हैं।

डीजल, पेट्रोल और एटीएफ पर कितना लगा टैक्स

आधिकारिक नोटिफिकेशन के मुताबिक डीजल, पेट्रोल और विमान ईंधन या एटीएफ के निर्यात पर एसएईडी को शून्य पर बरकरार रखा गया है।

2022 की जुलाई में पहली बार लगाया गया था विंडफॉल टैक्स

भारत ने पहली बार एक जुलाई 2022 को अप्रत्याशित लाभ पर टैक्स लगाया था। इसके साथ ही वह उन देशों में शामिल हो गया जो ऊर्जा कम्पनियों के असाधारण लाभ पर टैक्स लगाते हैं। तेल की पिछले दो हफ्तों की औसत कीमतों के आधार पर कर टैक्स रेट की समीक्षा हर पखवाड़े की जाती है। सरकार ने विंडफॉल टैक्स के तौर पर निर्यात पर लगने वाला एक तरह का टैक्स लागू किया जो स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी के रूप में लगता है। हर पखवाड़े में अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को देखकर विंडफॉल टैक्स को घटाने या बढ़ाने का फैसला किया जाता है।

पिछली समीक्षा बैठक में घटाई थीं दरें

भारत सरकार ने पिछली समीक्षा बैठक यानी 15 अप्रैल को देश में पेट्रोलियम क्रूड पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स को बढ़ाया था। इसे 6800 रुपए प्रति टन से बढ़ाकर 9600 रुपए प्रति मीट्रिक टन कर दिया गया था जो 15 दिन बाद आज घटे हैं।

जीआरएम ओवरसीज़ ने ओमान को प्रीमियम बासमती राइस की आपूर्ति करने का पहला गवर्नमेंट ऑर्डर प्राप्त किया

पानीपत, एजेंसी। जीआरएम ओवरसीज़ लिमिटेड (जीआरएम) को एग्रीकल्चरल, फिशरीज वेल्थ एंड वाटर रिसोर्सेज़ (मत्स्य पालन संपदा व जल संसाधन) मिनिस्ट्री, ओमान सल्तनत से 4,500 मीट्रिक टन प्रीमियम बासमती राइस की आपूर्ति के लिए अपना पहला ऑर्डर प्राप्त हुआ है, इस ऑर्डर का मूल्य 465 मिलियन भारतीय रुपये है।

गवर्नमेंट एमइएनए (मिडिल ईस्ट/नॉर्थ अफ्रीका) क्षेत्र की एंटिटीज़ बासमती राइस के लगभग 7,00,000 मीट्रिक टन से अधिक इम्पोर्ट के साथ जीआरएम ओवरसीज़ के लिए एक महत्वपूर्ण टार्गेट मार्केट बनाती हैं। एमइएनए (मिडिल ईस्ट/नॉर्थ अफ्रीका) क्षेत्र बासमती राइस का सबसे बड़ा इम्पोर्टर है, जिसकी फाइनेंशियल ईयर 23 में भारत से कुल निर्यात में एक बड़ी हिस्सेदारी 78 प्रतिशत है, जबकि यूरोप का योगदान 6.9 प्रतिशत और संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा को जोड़कर यह योगदान 6.6 प्रतिशत (फाइनेंशियल ईयर 23) है। जीआरएम ओवरसीज़ ने खुद को रणनीतिक रूप से स्थापित किया है, क्योंकि इसका 95 प्रतिशत निर्यात कारोबार एमइएनए (मिडिल ईस्ट/नॉर्थ अफ्रीका) क्षेत्र में है और इसने खुद को एमइएनए क्षेत्र में शीर्ष 5 बासमती राइस निर्यातकों में से एक के रूप में स्थापित किया है।

स्मॉलकैप में 5 महीने में सबसे ज्यादा उछाल, बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का एमकैप रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

नईदिल्ली, एजेंसी। निफ्टी स्मॉलकैप 100 आज लगातार छठे कारोबारी सत्र में बढ़त पर रहा और इस महीने इसमें 11.4 फीसदी की तेजी आ चुकी है। नवंबर 2023 के बाद सूचकांक में एक महीने में यह सबसे बड़ी उछाल है। दूसरी ओर निफ्टी मिडकैप 100 सूचकांक भी लगातार छह सत्रों में तेजी के साथ अप्रैल में करीब 6 फीसदी बढ़त में रहा। दिसंबर के बाद मिडकैप सूचकांक का किसी भी महीने में यह सबसे अच्छा प्रदर्शन है। मूल्यांकन ज्यादा होने की फिक्र और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की 'बुलबुले बनने' की चेतावनी आने पर मार्च में दोनों सूचकांकों में बड़ी गिरावट आई थी। मगर इसके बाद दोनों सूचकांकों ने अपने नुकसान से ज्यादा की भरपाई की है। स्मॉलकैप 100 सूचकांक मार्च के निचले स्तर से 20 फीसदी चढ़ा है और निफ्टी मिडकैप 100 में 12 फीसदी की तेजी आई है। स्मॉल और मिडकैप सूचकांक में तेजी से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण रिकॉर्ड 406.5 लाख करोड़ रुपये (4.9 लाख करोड़ डॉलर) पर पहुंच गया। साल की शुरुआत में बाजार पूंजीकरण 364 करोड़ रुपये था। इस महीने दोनों सूचकांकों ने सेंसेक्स और निफ्टी की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। सेंसेक्स और निफ्टी में इस महीने 1.4 फीसदी तेजी आई है।

विस्टास ने वित्तवर्ष 24 में कर उपरांत 147 करोड़ रुपए का लाभ कमाया

मुंबई, एजेंसी। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, भारत की अग्रणी निर्माण सामग्री निर्माता कंपनी ने 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्तवर्ष 24 में बिक्री और लाभ में बढ़ोतरी की घोषणा की है। कंपनी ने समाप्त वित्तवर्ष 24 के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। 25 एमएमटीपीए की संयुक्त स्थापित क्षमता के साथ, न्युवोको विस्टास कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत में पांचवां सबसे बड़ा सीमेंट समूह है और पूर्वी भारत में प्रमुख सीमेंट निर्माता कंपनियों में से एक है।

वित्तवर्ष 24 में कंपनी की कंसोलिडेटेड सीमेंट बिक्री की मात्रा 18.8 एमएमटी थी। कंपनी संचालन से कंसोलिडेटेड आय इसी अवधि के दौरान 10,733 करोड़ रुपये दर्ज की गई। सालाना आधार पर कंपनी का कंसोलिडेटेड एबिटिडा 35 प्रतिशत बढ़कर 1,657 करोड़ रुपये रहा। इसके अलावा, कंपनी ने शुद्ध ऋण 384 करोड़ रुपये कम करने में भी सफलता हासिल की है। बीते साल के मुकाबले कंपनी ने अपने शुद्ध ऋण में 384 करोड़ रुपये की कमी कर उसे 4,030 करोड़ रुपये पर लाने में सफलता हासिल की है, जिसके परिणामस्वरूप नेट डेट/एबिटिडा 2.4 गुणा रह गया है। इस वर्ष हरियाणा सीमेंट प्लांट में 1.2 एमएमटीपीए ग्राइंडिंग यूनिट की सफल शुरूआत हुई, जो कंपनी के क्षमता विस्तार में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस नए यूनिट के चालू होने से कंपनी की कुल क्षमता में उत्तर की हिस्सेदारी को 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 24 प्रतिशत कर दिया है और इस क्षेत्र में हमारी मौजूदगी को और मजबूत किया जाएगा। कंपनी ने रिस्दा और निंबोल प्लांट्स में डीबॉटलनेकिंग परियोजनाएं पूरी कीं, जिसके परिणामस्वरूप क्लिंकर क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कंपनी प्रीमियमाइजेशन में अपनी रणनीतिक अनिवार्यता के प्रति समर्पित है और उसने पश्चिम बंगाल और झारखंड के बाजारों में अपने प्रीमियम उत्पादों ड्यूरागार्ड एफ2एफ और कंक्रीटो यूनो का विस्तार किया है। कंक्रीटो यूनो की बेहतरीन वाटर-रिपीलिंग प्रॉपर्टीज और डम्प लॉक फॉर्मूला निर्माण उद्योग की लगातार बदलती जरूरतों को पूरा करते हैं। कंपनी ने अपने प्रोटेक्ट आवर प्लैनेट एजेंडे के तहत सस्टेनेबिलिटी प्रयासों में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिसमें कार्बन उत्सर्जन में ̦2 प्रतिशत सालाना से 454 किलोग्राम कार्बन-डाइ-ऑक्साइड (सीओ2) प्रति टन सीमेंटटियस मैटीरियल्स1 की कमी की गई है, जो कम कार्बन उत्सर्जन में इंडस्ट्री लीडर्स में हमारी स्थिति को बेहतर करता है। अल्टरनेट फ्यूल रेट (एएफआर मिक्स) में प्रभावशाली सुधार देखा गया, जो वित्त वर्ष 2023 में 9 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 24 में 13 प्रतिशत हो गया।

महंगाई के बावजूद भारतीयों ने तीन महीने में खरीदे 75470 करोड़ रुपए के गोल्ड; सोना आयात भी 25 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। कीमतों के ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंचने के बावजूद लोगों में सोने का आकर्षण बना हुआ है। यही वजह है कि देश में सोने की कुल मांग जनवरी-मार्च, 2024 तिमाही में सालाना आधार पर 8 फीसदी बढ़कर 136.6 टन पहुंच गई। कुल मांग में सोने के आभूषणों की खरीदारी और निवेश दोनों शामिल हैं। एक साल पहले की समान तिमाही में भारतीयों ने 126.3 टन सोना खरीदा था।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने मंगलवार को जारी वैश्विक रिपोर्ट 'गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स' में कहा, मूल्य के लिहाज से भारतीयों ने जनवरी-मार्च, 2024 में 75,470 करोड़ रुपये का सोना खरीदा। यह सालाना आधार पर 20 फीसदी ज्यादा है। मूल्य के लिहाज से इस बड़ी तेजी की वजह मात्रा में वृद्धि के साथ सोने की तिमाही औसत कीमतों में 11 फीसदी की बढ़त है। डब्ल्यूजीसी के भारत में क्षेत्रीय मुख्य कार्यकारी अधिकारी सचिन जैन ने कहा, भारत का निरंतर मजबूत वृहद आर्थिक माहौल सोने की खपत बढ़ाने में सहायक रहा।

भारत में सोने के आभूषणों की मांग जनवरी-मार्च, 2024 में 4 फीसदी बढ़कर 95.5 टन पहुंच गई। इस अवधि में सोने के बार और सिक्के के रूप में निवेश मांग 19 फीसदी बढ़कर 41.1 टन पहुंच गई। मूल्य के लिहाज से इनमें क्रमशः 15 फीसदी और 32 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। देश में कुल 38.3 टन सोना रिसाइकिल किया गया, जो जनवरी-मार्च, 2023 के 34.8 टन से 10 फीसदी ज्यादा है। भारत ने जनवरी-मार्च, 2024 में 179.4 टन सोना आयात किया। यह आंकड़ा एक साल पहले की समान तिमाही के 143.4 टन से 25 फीसदी ज्यादा है।

पहली बार पूर्ण उलटफेर

भारत जैसे बाजार में सोना तब खरीदा जाता है, जब दाम नीचे आते हैं ।पश्चिमी बाजार में सोने का आकर्षण तब बढ़ता है, जब दाम बढ़ते हैं ।लेकिन, पहली बार हमने पूर्ण उलटफेर देखा है, जहां भारत में तेजी पर सोने की खरीदी बढ़ी है ।–सचिन जैन, क्षेत्रीय सीईओ, डब्ल्यूजीसी

इस साल 800 टन तक पहुंच सकती है खपत

जैन ने कहा, इस साल भारत में सोने की मांग 700–800 टन के आसपास रह सकती है। कीमतों में तेजी रही तो मांग इस सीमा के निचले स्तर पर रह सकती है। 2023 में सोने की खपत 747.5 टन रही थी।

दुनिया में...खपत 8 साल में सबसे अधिक

वैश्विक स्तर पर सोने की मांग जनवरी–मार्च, 2024 में तीन फीसदी बढ़कर आठ साल के उच्च स्तर 1,238 टन पर पहुंच गई। मांग के लिहाज से यह 2016 के बाद से सबसे मजबूत तिमाही रही।

आरबीआई ने खरीदा 19 टन सोना

रिपोर्ट के मुताबिक, आरबीआई की खरीदारी बढ़ाने से भी देश में सोने की मांग बढ़ी है। केंद्रीय बैंक ने जनवरी–मार्च, 2024 तिमाही में कुल 19 टन सोना खरीदा है। 2023 में पूरे साल के दौरान उसने 16 टन की खरीदारी की थी। आरबीआई ने आगे भी खरीदारी जारी रखने का संकेत दिया है।

विश्व कप में अफगानिस्तान की कप्तानी करेंगे राशिद खान

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान ने इस साल जून में वेस्टइंडीज और यूएसए में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें राशिद खान टीम का नेतृत्व करेंगे। आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान ने 2022 संस्करण की तुलना में अपनी टीम में कुछ बदलाव किए हैं, जिसमें करीम जनत, मोहम्मद इशाक और नूर अहमद को टीम में शामिल किया गया है। हालाँकि, हशमतुल्लाह शाहिदी, जिन्होंने पिछले साल आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 में अफगानिस्तान का नेतृत्व किया था, टीम का हिस्सा नहीं हैं, उनकी आखिरी टी20 उपस्थिति 2022 में थी। इस साल मार्च में आयरलैंड के खिलाफ अफगानिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले युवा नांग्याल खरोती को भी टीम में जगह मिली है। 20 वर्षीय खिलाड़ी ने उस श्रृंखला में तीन मैचों में केवल 5.90 की इकॉनमी से पांच विकेट लेकर प्रभावित किया। जगह पक्की करने वाले एक और युवा अफगान खिलाड़ी विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद इशाक हैं, जो 2020 और 2022 अंडर19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में अफगानिस्तान की टीम का हिस्सा थे। मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, नांग्याल खरोती और अनुभवी मोहम्मद नबी के सहयोग से राशिद स्पिन विभाग का नेतृत्व करेंगे। नवीन-उल-हक, फरीद अहमद और फजलहक फारूक ने अपना स्थान बरकरार रखा है और अफगानिस्तान की तेज गेंदबाजी लाइन-अप बनाई है।

अफगानिस्तान टीम

रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, अजमतुल्लाह उमरजई, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद इशाक, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, करीम जनत, राशिद खान (कप्तान), नांग्याल खरोती, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, नवीन-उल- हक, फजलहक फारूकी, फरीद अहमद मलिक

वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित, स्मिथ हुए बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप के लिए सभी क्रिकेट बोर्ड अपनी-अपनी टीमों का ऐलान कर रहे हैं. इस कड़ी में बुधवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने भी अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है. इस टीम में सबसे चौंकाने वाला फैसला पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ का नाम नहीं होना है. 34 वर्षीय अनुभवी बल्लेबाज स्मिथ इस फॉर्मेट में फरवरी में आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेले थे, जहां वह न्यूजीलैंड दौरे पर फ्लॉप रहे थे. स्मिथ उस सीरीज में 11 और 4 रन ही बना पाए थे और इस फॉर्मेट में उनके धीमे स्ट्राइक रेट पर भी बहुत सवाल उठ रहे थे. ऐसे में चयनकर्ताओं ने उन्हें वर्ल्ड कप टीम में जगह नहीं दी है. ऑस्ट्रेलिया मिचेल मार्श के नेतृत्व में 15 सदस्यीय टीम का चयन किया है, जिसमें सीनियर ओपनिंग बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को जगह मिली है.उम्मीद की जा रही थी कि ऑस्ट्रेलियाई टीम में 22 वर्षीय युवा बल्लेबाज जेक फ्रेजर मैकगर्क को भी जगह मिल सकती है. लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें भी मौका नहीं दिया है. हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे फॉर्मेट से अपना इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले युवा बल्लेबाज इन दिनों इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के लिए धमाकेदार पारियां खेलकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं. ऐसे में उम्मीद थी कि जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में आयोजित होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय परिस्थितियों जैसे ही हालात होंगे और मैकगर्क आईपीएल में खेलकर वह अनुभव जुटा रहे हैं तो ऐसे में उन्हें मौका मिल सकता है. 15 सदस्यीय इस टीम में टेस्ट और वनडे कप्तान पैट कमिंस, डेविड वॉर्नर, तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ही इस टीम में अनुभवी खिलाड़ी हैं, जबकि टीम में कुल 11 खिलाड़ी ऐसे हैं, जिन्होंने साल 2021 में आयोजित हुए टी20 वर्ल्ड कप में जीत दर्ज की थी.

ऑस्ट्रेलिया टीम

मिचेल मार्श, एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरुन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वॉर्नर, एडम जम्पा.

मेरे दिमाग में तीसरा नाम हमेशा शिवम का था: बिशप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने मंगलवार को टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया. 15 सदस्यीय इस टीम में युवा ऑलराउंडर शिवम दुबे को भी टीम में चुना गया है. इसके चयन पर वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयन बिशप भी उत्साहित हैं. उन्होंने कहा कि मुझे दुबे के चयन का पूरा विश्वास था और जब भी मैं आगामी टी20 वर्ल्ड कप को लेकर टीम इंडिया के बारे में सोचता था तो मेरे मन में तीसरा नाम शिवम दुबे का ही आता था. शिवम दुबे आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा हैं और वह इन दिनों अपने बल्ले का खूब जलवा दिखा रहे हैं. घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिए खेलने वाला यह खिलाड़ी बेहतरीन बल्लेबाजी के साथ-साथ मीडियम फास्ट बॉलिंग भी कर लेता है. हालांकि आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर के नियम के चलते उनकी गेंदबाजी देखने को नहीं मिली है लेकिन वह वर्ल्ड कप में अपने इस हुनर से भी योगदान देने को तैयार होंगे क्योंकि इम्पैक्ट प्लेयर का यह नियम इंटरनेशनल क्रिकेट में लागू नहीं है. इस सीजन सीएसके के लिए नंबर 4 और 5 पर खेल रहे इस लेफ्टहैंड बल्लेबाज ने कई आकर्षक और उपयोगी पारियां खेली हैं. बिशप भारतीय टीम के चयन के बाद आईपीएल प्रसारक चैनल स्टार स्पोर्ट्स पर चर्चा कर रहे थे. उन्होंने यहां बताया कि दुबे के टीम इंडिया में चयन पर उनका कोई रोल नहीं था.

उन्होंने कहा, 'जब मैं 15 चुन रहा था, तो मैं रोहित, बुमराह, शिवम दुबे को और अन्य 12 को चुनता था और मुझे इसकी परवाह नहीं थी कि बाकी कौन होंगे. क्योंकि जब आप फॉर्म की बात कर रहे हैं तो इस आईपीएल में शिवम दुबे जब भी बैटिंग पर उतरे हैं तो उन्होंने लगभग हर बार हम मैच को बदलकर रख दिया है. तो ऐसे में अगर कप्तान और बुमराह के बाद किसी खिलाड़ी को होना था तो वह सबसे शिवम दुबे ही थे.'

बिशप ने कहा, 'जिस फॉर्म में वह हैं, सिर्फ आईपीएल में ही नहीं बल्कि इससे पहले वह जब भी इंटरनेशनल मैचों पर खेले. अगर वह इस वर्ल्ड कप के पहले ही मैच से प्लेइंग इलेवन में नहीं खेले तो यह भी एक मजाक ही होगा.

नडाल ने चौथे दौर में हार के बाद मैड्रिड ओपन से ली विदाई

मैड्रिड, एजेंसी। राफेल नडाल ने चेक खिलाड़ी जिरी लेहेका से चौथे दौर में 5-7, 4-6 से हार के बाद मैड्रिड ओपन, एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में प्रशंसकों से विदाई ली, जिसे उन्होंने अपने शानदार करियर के दौरान पांच बार जीता था। टूर्नामेंट के पांच बार के चैंपियन (2005, 2010, 2013, 2014 और 2017) ने लेहेका के खिलाफ अपनी मैड्रिड ओपन यात्रा का चौथे दौर का मैच दो घंटे और दो मिनट तक चला। एक जीत का मतलब मैड्रिड में स्पैनियार्ड के लिए जीत संख्या 60 होती, लेकिन 2003 में मैड्रिड एरेना में एलेक्स कोरेट्जा के खिलाफ अपने पहले मैच के बाद से उनकी गिनती अब हमेशा 59 जीत और सिर्फ 15 हार पर ही रहेगी। मैच के बाद, भावुक नडाल ने कोर्ट पर एक विशेष प्रस्तुति दी, जिसमें मैड्रिड ने अपने सबसे महान चैंपियन को अलविदा कहा और 2008, 10, 13-14 और 17 में उनके पांच खिताबों को चिह्नित करने वाले बैनर फहराए गए। एटीपी टूर ने नडाल के हवाले से कहा, यह मेरे लिए बहुत खास सप्ताह रहा है, कई मायनों में बहुत सकारात्मक, व्यक्तिगत रूप से और मेरे टेनिस के लिए। मुझे फिर से कोर्ट पर खेलने का मौका मिला। कुछ हफ्ते पहले, बार्सिलोना से दो दिन पहले, मुझे नहीं पता था कि मैं फिर से एक आधिकारिक मैच में प्रतिस्पर्धा करूंगा।

हार्दिक पर बीसीसीआई का बड़ा एक्शन, अगली गलती पर हो जाएंगे बैन

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल-2024 में लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला खेला गया। इस मैच का आयोजन लखनऊ के एकाना क्रिकेट स्टेडियम में किया गया था। इस मैच में मुंबई इंडियंस की टीम को 4 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। हार के अलावा मुंबई इंडियंस की टीम और कप्तान हार्दिक पांड्या को एक और बड़ा नुकसान हुआ है।

आईपीएल 2024 : अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
राजस्थान	9	8	1	16
कोलकाता	8	5	3	10
हैदराबाद	9	5	4	10
लखनऊ	10	6	4	12
दिल्ली	10	5	5	10
चेन्नई	9	5	4	10
गुजरात	10	4	6	8
पंजाब	9	3	6	6
मुंबई	10	3	7	6
बेंगलुरु	10	3	7	4

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने अभियान को ढर्रे पर लाना चाहेंगे सनराइजर्स

हैदराबाद :गुरुवार यानी 2 मई को आईपीएल 2024 के 50वें मुकाबले में सीजन की टॉपर टीम राजस्थान रॉयल्स की टक्कर सनराइजर्स हैदराबाद से उसके घर में होगी। वहीं पॉइंट्स टेबल में 9 मैच में से 8 जीतकर पहले स्थान पर हैं। राजस्थान के 16 अंक हैं। वहीं, सनराइजर्स हैदराबाद की टीम बेहतर प्रदर्शन के बाद पिछले कुछ मुकाबलों से भटकी नजर आ रही है।

वहीं, रॉयल्स का प्लेआफ में स्थान लगभग पक्का है लेकिन सनराइजर्स के लिये इस मैच में बहुत कुछ दाव पर है। कुछ दिन पहले तक शानदार फॉर्म में चल रही सनराइजर्स को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए मिली हार का खामियाजा भुगतना पड़ा है। इन पराजयों के बाद टीम शीर्ष चार से बाहर हो गई। चार जीत और चार हार के बाद अब दस अंक लेकर 2016 चैम्पियन टीम पांचवें स्थान पर है। पैट कमिंस की कप्तानी वाली टीम के शीर्ष और मध्यक्रम के बल्लेबाज लक्ष्य का पीछा करते हुए नाकाम रहे हैं जिससे कोच डेनियल विटोरी को स्वीकार करना पड़ा कि लक्ष्य का पीछा करते हुए अति आक्रामक खेलने की रणनीति गलत रही।

सनराइजर्स ने इस सत्र में पहले बल्लेबाजी करते हुए दो बार 250 से अधिक स्कोर बनाया। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए 200 से अधिक का स्कोर एक बार भी हासिल नहीं कर सकी। मुख्य कोच विटोरी ने आरसीबी से मिली हार के बाद कहा था ,ह्यह्य हम लक्ष्य देने में कामयाब रहे हैं और अब लक्ष्य का पीछा करना भी सीखना होगा। सनराइजर्स बल्लेबाजी में ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा पर काफी निर्भर है। दोनों के फ्लॉप होने पर सनराइजर्स की पारी भी चरमरा जाती है।

एडेन माक्ररम को अब अपने चिर परिचित फॉर्म में लौटना होगा जिनका बल्ला अभी तक खामोश रहा है। दूसरी ओर रॉयल्स का अब तक का सफर बेदाग रहा है। पहले सत्र की विजेता टीम ने हर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ उम्दा प्रदर्शन किया है और 16 अंक लेकर शीर्ष पर है। उसके पास जोस बटलर, यशस्वी जायसवाल और कप्तान संजू सैमसन जैसे फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज हैं। शिमरोन हेटमायेर और रोवमैन पॉवेल के अलावा रियान पराग और ध्रुव जुरेल ने भी रन बनाये हैं। गेंदबाजी में उनके पास युजवेंद्र चहल, ट्रेंट बोल्ट का अनुभव और आवेश खान तथा संदीप शर्मा का जोश है।

टीमें : राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान), जोस बटलर, शुभम दुबे, शिम्रोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, टॉम कोहलर-कैडमोर, रियान पराग, रोवमैन पॉवेल, कुणाल सिंह राठौड़, रविचंद्रन अश्विन, डोनोवन फरेरा, अवेश खान, ट्रेंट बोल्ट , नंद्रे बर्गर, युजवेंद्र चहल, प्रसिद्ध कृष्णा, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, आबिद मुश्ताक, तनुश कोटियन।

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, हेनरिच क्लासेन (विकेटकीपर), ऐडन मार्करम, अब्दुल समद, नीतिश रेड्डी, शाहबाज अहमद,भुवनेश्वर कुमार, जयदेव उनादकट, टी नटराजन, मयंक मार्कंडेय, उमरान मलिक, अनमोलप्रीत सिंह , ग्लेन फिलिप्स, राहुल त्रिपाठी, वाशिंगटन सुंदर, उपेन्द्र यादव, झटवेध सुब्रमण्यन, सनवीर सिंह, विजयकांत व्यासकांत, फजलहक फारूकी, मार्को यानसेन, आकाश महाराज सिंह और मयंक अग्रवाल।

टी नटराजन को नजरअंदाज किए जाने पर तमिलनाडु में विरोध प्रदर्शन

चेन्नई, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारतीय टीम की घोषणा के बाद, तमिलनाडु में लोग लेफ्ट आर्म मीडियम फ़ास्ट बॉलर टी नटराजन को न चुने जाने के विरोध में उतर आए। अनुभवी डीएमके नेता टीआर बालू के बेटे और तमिलनाडु के उद्योग मंत्री टीआरबी राजा ने भी तेज गेंदबाज की अनदेखी के बाद अपना दुख जाहिर किया। राजा ने कहा कि नटराजन को भारतीय टीम में जगह नहीं मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है। राज्य के उद्योग मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह देखकर अच्छा लगा कि इस पर व्यापक रूप से चर्चा हो रही है! लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले तमिलनाडु के एथलीटों को कई बार दिल्ली ने उनकी सही जगह से वंचित कर दिया है! यह अब अधिक बार हो रहा है लेकिन यह शासन से परे है। कई खेलों में दिल्ली इसी तरह से काम करती है दिल्ली ने ज्यादातर समय दक्षिण के कई बेहद प्रतिभाशाली एथलीटों की ओर से आंखें मूंद ली हैं! खेल और विचारधारा से परे कई एथलीट यह जानते हैं! खुशी है कि नटराजन और हमारे अन्य लड़के वास्तव में बेहतर के हकदार हैं। पूर्व भारतीय टेस्ट खिलाड़ी और तमिलनाडु के लिए घरेलू क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में से एक, एस बद्रीनाथ ने भी मंगलवार रात एक स्थानीय तमिल टेलीविजन शो में नटराजन को विश्व कप टीम से बाहर किए जाने पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नटराजन बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे और उन्होंने आईपीएल सीजन में अच्छी संख्या में विकेट हासिल किए थे।

उन्होंने कहा, तमिलनाडु के खिलाड़ियों को भारतीय टीम में शामिल होने के लिए अन्य क्षेत्रों के खिलाड़ियों की तुलना में दोगुना प्रदर्शन करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि वह खुद भारतीय टीम में इस तरह के भेदभाव का शिकार हो चुके हैं। मौजूदा आईपीएल सीज़न में, नटराजन ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 7 मैचों में 13 विकेट लिए हैं।

विश्वनाथ, आकाश, प्रीत एशियन अंडर-22 एवं यूथ बॉक्सिंग के सेमीफाइनल में

अस्ताना (कजाकिस्तान), एजेंसी। भारतीय मुक्केबाज विश्वनाथ सुरेश, आकाश गोरखा और प्रीत मलिक मंगलवार को यहां एशियाई अंडर-22 और यूथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2024 में शानदार जीत के साथ पुरुषों के अंडर-22 सेमीफाइनल में पहुंच गए। मौजूदा युवा विश्व चैंपियन विश्वनाथ (48 किग्रा) ने भारत के लिए नेतृत्व किया और ईरान के हसनी सैयदरशाम पर हावी होकर एकतरफा मुकाबले में 5-0 से आसान जीत हासिल की। सीनियर राष्ट्रीय चैंपियन आकाश (60 किग्रा) ने भी इसी तरह का प्रदर्शन करते हुए ईरान के इबादी अरमान को 5-0 के समान स्कोर से हराया। इस बीच, प्रीत (67 किग्रा) को भी वियतनाम के गुयेन डुक एनगोक के खिलाफ पहले दौर में ही रेफरी स्टॉपिंग द कॉन्टेस्ट (आरएससी) के फैसले के साथ मुकाबला खत्म करने में ज्यादा समय नहीं लगा। हालाँकि, कुणाल (75 किग्रा) क्वार्टर फाइनल में ईरान के महशरी मोहम्मद के खिलाफ 0-5 से हारकर बाहर हो गए। अंडर-22 सेमीफाइनल शनिवार को खेला जाएगा। जुगनू (86 किग्रा), रिदम (+92 किग्रा), तमन्ना (50 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा) और प्रियंका (60 किग्रा) मंगलवार को अपना अंडर-22 क्वार्टर फाइनल खेलेंगे।

सोमवार देर रात, राहुल कुंडू (75 किग्रा), लक्ष्य राठी (+92 किग्रा), और लक्ष्मी (50 किग्रा), तमन्ना (54 किग्रा), यात्री पटेल (57 किग्रा) और सृष्टि साठे (63 किग्रा) विजयी होकर युवा वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचे। बुधवार को, नौ युवा भारतीय मुक्केबाज आर्यन (51 किग्रा), जतिन (57 किग्रा), यशवर्धन सिंह (63.5 किग्रा), प्रियांशु (71 किग्रा), साहिल (80 किग्रा) और आर्यन (92 किग्रा) पुरुष वर्ग में जबकि महिला वर्ग में निशा (52 किग्रा), आकांशा फलसवाल (70 किग्रा) और रुद्रिका (75 किग्रा) अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। यूथ और अंडर-22 वर्ग का फाइनल क्रमशः 6 और 7 मई को खेला जाएगा।

एक नजर

सिंगापुर के लोग भारत और चीन के साथ जातीय जड़ों को नकार नहीं सकते

सिंगापुर । प्रधानमंत्री ली सीन लूंग ने कहा कि सामाजिक मेलजोल काफी अहम है। नस्ल, भाषा और धर्म पारंपरिक तौर पर सिंगापुर से अलग नहीं हो सकता। सिंगापुर की साझा पहचान के लिए काफी कोशिशें की गई हैं और देश हमेशा बाहरी ताकतों का सामना करेगा। सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग 15 मई को अपने पद से इस्तीफा देंगे। लूंग ने अपने अंतिम भाषण में एकजुटता की अपील की और कहा कि सिंगापुर के लोग चीन और भारत के साथ अपनी जातीय जड़ों को नकार नहीं सकते हैं। बता दें, लूंग की जगह उप प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग लेंगे। मई दिवस रैली के दौरान ली ने कहा, सामाजिक मेलजोल काफी अहम है। नस्ल, भाषा और धर्म पारंपरिक तौर पर सिंगापुर से अलग नहीं हो सकता।

चीन में कोरोना वैज्ञानिक के सामने झुके जिनपिंग के अधिकारी, पहले लैब में जाने से रोका, प्रदर्शन के बाद वापसी की दी इजाजत

बीजिंग: चीन में कोविड-19 वायरस के अनुक्रमण से जुड़ी जानकारी सबसे पहले प्रकाशित करने वाले वैज्ञानिक ने कहा कि उन्हें कई दिन के विरोध प्रदर्शन के बाद अपनी प्रयोगशाला में वापस जाने की अनुमति दे दी गई है। वैज्ञानिक झांग योंगझेन ने बुधवार को सोशल मीडिया में अपने पोस्ट में लिखा कि अधिकारी उन्हें और उनकी टीम को प्रयोगशाला में जाने देने और शोध जारी रखने पर ह्यअस्थाई रूप से सहमत हो गए हैं। झांग और उनकी टीम को अचानक प्रयोगशाला छोड़ने को कहा गया था। वह सप्ताहांत से अपनी प्रयोगशाला के बाहर धरना दे रहे थे। यह घटनाक्रम कोरोना वायरस पर अनुसंधान कर रहे वैज्ञानिकों पर बीजिंग के बढ़ते दबाव का संकेत देता है। ह्यशंघाई पब्लिक हेल्थ क्लिनिकल सेंटर ने पहले कहा था कि झांग की प्रयोगशाला का नवीनीकरण किया जा रहा है और सुरक्षा कारणों से इसे बंद किया गया है लेकिन झांग ने कहा कि उनकी टीम को कोई विकल्प नहीं दिया गया और नई प्रयोगशाला अनुसंधान के लिए सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं है। झांग से जुड़ी यह घटना यह दिखाती है कि चीन कैसे वायरस से जुड़ी जानकारियों को नियंत्रित कर रहा है। ह्यएसोसिएटेड प्रेस की जांच में पाया गया कि सरकार ने कोरोना वायरस फैलने के शुरुआती दिनों से ही इसके बारे में पता लगाने संबंधी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को रोका था।

चीन में एक्सप्रेसवे का एक हिस्सा टूटने से 24 लोगों की मौत,30 घायल

गुआंगडोंग। दक्षिण चीन के गुआंगडोंग प्रांत में बुधवार तड़के एक एक्सप्रेसवे का एक हिस्सा टूट जाने से कम से कम 24 लोगों की मौत हो गयी और 30 अन्य घायल हो गये। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रांत के मीझोउ शहर की प्रशासन के अनुसार, घायल अन्य 30 लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। सभी घायलों की हालत स्थिर बतायी जा रही है। यह हादसा मेइझोउ में मेइझोउ-डाबू एक्सप्रेसवे पर देर रात करीब 2:10 बजे हुआ। अधिकारियों ने कहा कि एक्सप्रेसवे का17.9 मीटर लंबा हिस्सा टूट गया।

कांग्रेस के पूर्व विधायक दलबीर गोल्डी आम आदमी पार्टी में शामिल, मान की मौजूदगी में थामा हाथ

नई दिल्ली। पंजाब के जिला संगरूर के कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व विधायक दलबीर सिंह गोल्डी ने बुधवार को आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया। उन्होंने मंगलवार को कांग्रेस से इस्तीफा दिया था। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को कांग्रेस के संगरूर जिला अध्यक्ष व पूर्व विधायक दलबीर सिंह गोल्डी को आप में शामिल करवाया। कांग्रेस में सेंध लगाकर मुख्यमंत्री ने चुनाव में संगरूर से आप की दावेदारी मजबूत की है। बताया जाता है कि मान ने तिहाड़ जेल में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात के दौरान इस दांव पेंच पर भी चर्चा की थी। मुलाकात के बाद खुद सीएम मान ने कहा था कि केजरीवाल ने संगरूर का हाल-चाल खास तौर पर पूछा है जिससे संकेत मिले थे कि संगरूर में कुछ सियासी उथल-पुथल हो सकती है।

धधकती धरती की अनदेखी: प्लास्टिक उत्पादों में कटौती को तैयार नहीं चीन-सऊदी जैसे देश

एजेंसी, ओटावा। दुनिया को प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्त करने के लिए कनाडा में जारी प्लास्टिक प्रदूषण पर अंतर सरकारी वार्ता समिति (आईएनसी) की चौथे दौर की वार्ता मंगलवार को बेनतीजा ही खत्म हो गई। प्लास्टिक उत्पादन में कटौती को लेकर दुनिया के ज्यादातर देशों में सहमति नहीं बनने के चलते यह वार्ता तय कार्यक्रम से एक दिन ज्यादा चलने के बावजूद किसी नतीजे पर नहीं पहुंची। हालांकि, दुनिया के 75 से ज्यादा देश 25 नवंबर से दक्षिण कोरिया के बुसान में होने वाली पांचवीं और अंतिम दौर की वार्ता से पहले प्लास्टिक उत्पादों में खतरनाक रसायनों की पहचान, प्लास्टिक को फिर से डिजाइन करने, पैकेजिंग,

और प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के प्रयासों के वित्तपोषण जैसे विषयों पर तकनीकी कार्य को जारी रखने के लिए सहमत हुए हैं। प्लास्टिक उत्पादन घटाने पर चर्चा जारी रहेगी।

चीन-सऊदी अरब खिलाफ

फ्रांस के वार्ताकार क्रिस्टोफ बेचू ने कहा कि उत्पादन को लक्षित करने के प्रयासों को कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। खासतौर पर सऊदी अरब और चीन जैसे बड़े पेट्रोकेमिकल उत्पादक देशों के साथ-साथ उद्योग जगत भी इसका विरोध कर रहा है। जबकि, विज्ञान कहता है कि अगर प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना है, तो उत्पादन को सीमित करना होगा। चीन के वार्ताकार यांग शियाओलिंग ने कहा कि इस मामले में प्रगति तभी संभव है, जब गैर-विवादास्पद विषयों पर ध्यान केंद्रित किया जाए। मसलन, कम प्लास्टिक का उपयोग करने या अधिक आसानी से इसे पुनर्चक्रण योग्य बनाने और प्लास्टिक उत्पादों को फिर से डिजाइन करने पर बात करनी चाहिए। सीओपी-21 के तहत 2015 में तय किया गया कि जलवायु परिवर्तन से पृथ्वी को बचाने के लिए ग्रह का औसत तापमान पूर्व औद्योगिक काल की तुलना में 1.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा नहीं बढ़ने देना है। इसके लिए 2017 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा ने इसे ध्यान में रखकर दुनिया से प्लास्टिक प्रदूषण दूर करने पर सलाह देने के लिए एक विशेषज्ञ समूह बनाया। इस समूह ने दुनिया से धीरे-धीरे प्लास्टिक को खत्म करने की योजनाएं पेश कीं। 2019 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा ने दुनिया को प्लास्टिक प्रदूषण से बचाने पर काम जारी रखने का फैसला किया। इस संबंध में कानूनी समझौते की पहल भी की गई।

टूट रहे सारे रिकॉर्ड, घर से निकलना होगा मुश्किल, पारा 47 के पार

डरा रही आईएमडी की भविष्यवाणी

नई दिल्ली। मौसम विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि पूर्व और उत्तर-पूर्व भारत में औसत तापमान 51 वर्षों में अप्रैल महीने में सबसे अधिक रहा। पिछले कुछ दिनों में भारत के तीन बड़े शहरों - बेंगलुरु, कोलकाता और मुंबई में गर्मी के रिकॉर्ड टूट गए। पूरे दक्षिण में अप्रैल महीने के दौरान लगभग 37.2 डिग्री सेल्सियस का औसत अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। यह भी एक रिकॉर्ड है। आईएमडी के आंकड़ों से पता चलता है कि बेंगलुरु में अप्रैल महीने में अब तक की सबसे अधिक गर्मी पड़ी। अप्रैल महीने की आखिरी तारीख को पहली बार मंगलवार पारा 47 डिग्री के पार चला गया। बंगाल के कलाईकुंडा में तापमान 47.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 10.4 डिग्री अधिक था, और झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा में तापमान

47.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इसके अलावा कलाईकुंडा, पानागढ़ (बंगाल) और बालासोर (ओडिशा) में तापमान सामान्य से 10 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। क्टऊ के डेटा से पता चलता है कि मध्य भारत के अंतर्गत आने वाले ओडिशा लगातार 16 दिनों से लू की चपेट में है। राज्य में सबसे लंबे समय तक लू चलने का रिकॉर्ड 26 दिनों का है, जो 1998 में दर्ज किया गया था। पूर्वी भारत में अप्रैल में मौसम में आए बदलाव के कारण भीषण गर्मी पड़ रही है। बंगाल, झारखंड और बिहार में भीषण गर्मी पड़ रही है। मंगलवार को कोलकाता (दमदम) में 43 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो अप्रैल में सबसे अधिक तापमान था और किसी भी महीने के लिए चौथा सबसे अधिक तापमान था। कोलकाता के अलीपुर में भी तापमान 43 डिग्री सेल्सियस था, जो लगभग एक सदी पहले दर्ज किए गए 43.9 के सर्वकालिक उच्च तापमान से एक डिग्री कम था और यह केवल दूसरी बार था जब कोलकाता का अप्रैल का तापमान 43 डिग्री के निशान को छू गया था। झारखंड भीषण गर्मी की चपेट में है और मंगलवार को पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा में अधिकतम तापमान 47.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विज्ञान विभाग ने भीषण गर्मी के मद्देनजर बुधवार के लिए राज्य के 11 जिलों के येलो अलर्ट जारी किया है। एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार को अधिकतम तापमान सामान्य से दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक अधिक हो सकता है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़, दुमका, जामताड़ा, देवघर, धनबाद, बोकारो, सरायकेला-खरसावां, पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम में भीषण गर्मी पड़ी।

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई एआई की बदौलत अरबपति बनने के करीब

वॉशिंगटन। अल्फाबेट और गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने के करीब हैं। पिचाई के नेतृत्व में कंपनी के शेयरों में 400 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है, जिसने बाजार के रुझान को भी पीछे छोड़ दिया है। हाल ही में कंपनी की पहली तिमाही की आय उम्मीदों से बेहतर रही और उसने पहली बार इतना मुनाफा दर्ज किया है। इन सबका फायदा पिचाई को हो रहा है। उन्हें दुनिया के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले सीईओ में से एक बना दिया है। पिछले करीब नौ सालों से गूगल के सीईओ के रूप में पिचाई काम कर रहे हैं। वह अगस्त 2015 में गूगल के सीईओ बने थे। अब कंपनी के शेयर में 400 फीसदी से अधिक उछाल आया है। यह एसएंडपी 500 और नैस्डैक से काफी बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। कंपनी की पहली तिमाही की आय उम्मीदों से कई गुना बेहतर रही। बताया जा रहा है कि कंपनी को क्लाउड कंप्यूटिंग इकाई में एआई-संचालित वृद्धि से बढ़ावा मिला है। कंपनी ने अपने इतिहास में पहली बार इतना मुनाफा कमाया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, शेयरों के भारी उछाल ने सुंदर पिचाई को दुनिया के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले सीईओ में से एक बना दिया है। उनकी संपत्ति लगभग एक अरब डॉलर हो गई है। हालांकि, इन सब खबरों पर गूगल के एक प्रवक्ता ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

अमेरिका में फलस्तीन समर्थकों का प्रदर्शन तेज, छात्रों ने कब्जाई इमारत; कई जगह गिरफ्तारियां

न्यूयॉर्क। अमेरिका में न्यूयॉर्क स्थित कोलंबिया विश्वविद्यालय की एक इमारत पर मंगलवार को दर्जनों प्रदर्शनकारी छात्रों ने कब्जा कर लिया। छात्रों ने प्रवेश द्वारों पर बैरिकेडिंग कर दी और इस्राइल-हमास युद्ध के विरुद्ध प्रदर्शनों में तेजी लाते हुए एक खिड़की से फलस्तीनी झंडा फहरा दिया। गाजा पर इस्राइली हमलों और इस्राइल को अमेरिकी समर्थन के खिलाफ देश भर के कॉलेज परिसरों में आंदोलन फैल गया है। एक वीडियो फुटेज में कोलंबिया के मैनहट्टन परिसर में प्रदर्शनकारियों को मंगलवार तड़के हैमिल्टन हॉल के सामने हथियार

लहराते हुए और इमारत में फर्नीचर और धातु के बैरिकेड्स ले जाते हुए दिखाया गया है। आधी रात के तुरंत बाद विरोध आयोजकों के इंस्टाग्राम पेज पर पोस्ट में लोगों से शिविर की रक्षा करने और हैमिल्टन हॉल में उनके साथ शामिल होने का आग्रह किया गया। छात्रों ने ह्यमुक्त फलस्तीन का बैनर लटका दिया। छात्रों ने इस्राइली सेना के हाथों मारे गए हिंद रजब के सम्मान में हिंद हॉल पर कब्जा कर लिया। इसी तरह, ऑस्टिन के टेक्सास विवि में 40 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। यहां कॉलेज प्रशासन व छात्रों में टकराव बढ़ गया है। प्रिंसटन विवि में इमारत कब्जाने वाले 11 छात्रों सहित 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया। यूटा में भी छात्र प्रदर्शन तेज हो गए हैं। नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी ने छात्रों व शिक्षकों के साथ एक समझौता कर 1 जून तक शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति दी। बदले में, सहायता के लिए एक को छोड़कर सभी टेंटों को हटाने की शर्त रखी।

स्टैनफोर्ड विवि के प्रोफेसर का दावा- भारत का विकास जानबूझकर अनदेखा कर रहा पश्चिम, हकीकत से कोसों दूर

एजेंसी, मिलपिटैस। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अनुराग मैराल का कहना है कि पिछले एक दशक में भारत ने उल्लेखनीय तरक्की की है। लेकिन, पश्चिमी मीडिया जानबूझकर भारत की इस विकास यात्रा को अनदेखा कर रहा है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के स्टैनफोर्ड बायर्स सेंटर फॉर बायोडिजाइन में मेडिसिन के प्रोफेसर और ग्लोबल आउटरीच प्रोग्राम के निदेशक डॉ. अनुराग मैराल ने एक साक्षात्कार में कहा कि भारत जैसे जटिल देश की दूर से रिपोर्टिंग करना, ऐसी कहानियां लिखने का एक नुस्खा है, जो कभी विश्वसनीय नहीं हो सकती हैं। भारतीय में चुनाव, लोकतंत्र की स्थिति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पश्चिमी मीडिया, विशेष रूप से अमेरिका में छपे नकारात्मक लेखों पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि पश्चिमी मीडिया में भारत की ज्यादातर कहानियां हकीकत से परे और हास्यास्पद होती हैं। जो लोग भारत को जानते हैं, वे इन कहानियों पर जरा भी विश्वास नहीं करते हैं। क्योंकि, ये बहुत सतही और वास्तविक डाटा से दूर होती हैं। भारत में लोकतंत्र के भविष्य और पीएम मोदी के सत्तावादी शासन की ओर बढ़ने के आरोपों पर उन्होंने कहा कि वह भारत को निरंकुशता की ओर बढ़ता नहीं देखते हैं। दुनिया को भारतीयों पर भरोसा रखना चाहिए। भारतीय लोगों में जबरदस्त आत्मविश्वास है वे अपने अधिकारों व जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक हैं।

पीएम मोदी की जीत के लिए अमेरिकी समर्थकों ने किया हवन

अमेरिका के विभिन्न शहरों में भाजपा समर्थकों ने, भारत के चुनाव में सत्तारूढ़ दल और पीएम नरेंद्र मोदी की जीत के लिए हवन किया। ह्यओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी-यूएसए द्वारा न्यूजर्सी, न्यूयॉर्क, वर्जीनिया, मैरीलैंड और शिकागो में यह हवन किए गए। संगठन ने बताया, ये पवित्र अनुष्ठान आध्यात्मिक शांति उत्पन्न करते हैं।

आतंकवादी पन्नू को बचाने के लिए भारत पर दबाव बढ़ा रहा है अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका खालिस्तानी अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित साजिश को लेकर भारत पर दबाव बढ़ा रहा है और वाशिंगटन पोस्ट की खबर के बाद अमेरिका ने कहा है कि वह इस मामले में अपनी चिंताओं को सीधे तौर पर और उच्च स्तर पर भारत सरकार के साथ उठाता रहेगा तथा भारत की जवाबदेही की उम्मीद करता है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने नियमित ब्रीफिंग में कहा कि वह पन्नू की हत्या की कथित साजिश की जांच के संबंध में भारत सरकार से ह्यजवाबदेही की उम्मीद करते हैं और अमेरिकी प्रशासन इस मामले को लेकर भारत के साथ मिलकर काम कर रहा है। वाशिंगटन पोस्ट की उस खबर में एक रॉ अधिकारी का नाम कथित तौर पर पन्नू को खत्म करने की साजिश में शामिल बताया गया था। श्री पटेल ने कहा, ह्यइसलिए हम भारतीय जांच समिति के काम के परिणामों के आधार पर भारत सरकार से जवाबदेही की उम्मीद करते हैं, और हम नियमित रूप से उनके साथ काम कर रहे हैं और अतिरिक्त अपडेट के लिए पूछताछ कर रहे हैं। हम भारत सरकार के साथ उच्च स्तर पर सीधे तौर पर अपनी चिंताओं को उठाना जारी रखेंगे। लेकिन इससे आगे मैं इस पर अधिक विस्तार से कुछ नहीं कहूंगा।

राजनीतिक चक्रव्यूह में घिरा कैसरगंज का सियासी अखाड़ा, भाजपा के दांव से बड़े-बड़ों के उड़े होश; दिग्गज दुबके

नई दिल्ली। बलरामपुर कयासबाजी... करामात और कद... इन तीन शब्दों से कैसरगंज संसदीय क्षेत्र की अपनी खास पहचान है। अलबत्ता इस बार यहां सस्पेंस खत्म नहीं हो रहा है। राजनीतिक चक्रव्यूह में घिरे सियासी अखाड़े में हर पल रोमांच बढ़ता जा रहा है। सोमवार को चौकाने के चस्के में रहे लोगों को हाथ मलते ही रहना पड़ा, वहीं लड़ाकों के दरबार के सन्नाटे ने भी नया सियासी संदेश देने की कोशिश की है। मंगलवार को भी जितने मुंह उतनी बातें सुनने को मिलीं। फिलहाल पार्टियों की ओर से मंथन के सिवाय कोई संकेत मिलते नहीं दिखा। कैसरगंज संसदीय क्षेत्र में जो भी हालात हैं, वह भाजपा के दांव से ही बने हैं। भाजपा ने जिस कदर सांसें रोक रखी हैं, उससे बड़े -बड़ों के होश उड़े हुए हैं। पार्टी के अंदरखाने क्या चल रहा है, यह कौतूहल का विषय बना है।

दूसरे दलों के नेताओं की निगाहें जरूर टिकी हैं कि भाजपा की अगली चाल क्या होगी? लेकिन वह भी सटीक खबर से बेखबर हैं। सपा को तो पुराने दांव की उम्मीद है। यही कारण है कि उसने रण में मोर्चेबंदी तक शुरू कर दी है। यह अलग बात है कि दल से जुड़े तीन स्थानीय नेताओं और एक बाहरी संभावित दावेदार ने नामांकन पत्र भी ले लिया है। अलबत्ता नामांकन में सभी के कदम डगमगा रहे हैं। कैसरगंज से बसपा के एक नेता ने भी नामांकन पत्र लेकर चौंकाने की कोशिश की है, जिसके कई निहितार्थ तलाशे जा रहे हैं, जबकि भाजपा की ओर से सभी की निगाहें दिल्ली की सूची व हाईकमान से मिलने वाले निर्देश पर टिकी हैं। इससे साथ ही सपा व बसपा ने अब सतर्कता भी बरतनी शुरू कर दी है, ताकि इंदौर और सूरत जैसे हालात न पैदा हो सकें। एहतियातन एक ही नहीं कई नेताओं से पर्चे भरवाने की तैयारी में ये दल मैदान साधने में जुटे हैं। चुनावी अभियान को धार देने के लिए मंगलवार से दिग्गज के दाबमदाब के ऐलान का असर नहीं दिखा। शोर थमा रहा, जबकि सियासी रण में सेना डंताजार कर रही। माना जा रहा है कि कुछ ऐसा हुआ, जिससे अचानक से सन्नाटा छा गया। कैसरगंज संसदीय क्षेत्र में वैसे भी किसी अन्य दावेदार की कोई दौड़ नहीं थी।

स्वतंत्र चेतना
प्रकाशक, मुद्रक आर.सी.गुप्त द्वारा डी.ए.चेतना प्रकाशन प्रा.लि. के लिए 8-ए हेस्टिंग्स रोड, इलाहाबाद से मुद्रित तथा प्रकाशित फोन नं. 0532-2423438
आर.एन.आई. संख्या 54328/91
सम्पादक : आर.सी.गुप्त
दिल्ली कार्यालय : ए-29, द्वितीय तल, विक्रम नगर, फिरोजशाह कोटला/फोन नं. 011-23724374
गोरखपुर कार्यालय
शाहमारूफ, हिन्दी बाजार, गोरखपुर
फोन-0551-2341010
लखनऊ कार्यालय
15, ए.पी.सेन रोड, चारबाग, लखनऊ
फोन-0522-4101353
कानपुर कार्यालय
16/17 सिविल लाइन्स कानपुर
फोन-0512-2304107
आजमगढ़ कार्यालय
चेतना भवन, एलवल (निकट आर्य समाज मन्दिर) फोन-05462-223430 फैक्स-05462-223431
फैजाबाद कार्यालय
2/1/51/ए-4 बड़ा डाकखाना के बगल में सिविल लाइन्स,फैजाबाद
फोन: 05278-223035
वाराणसी कार्यालय:
18/2ए,बी,1/11 इमलॉक कालोनी प्रथम तल चेतना भवन अनन्ता कालोनी, नदेसर, वाराणसी। फोन: 0542-2502011
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद गोरखपुर न्यायालय के अधीन ही होंगे।
Email-anandchetnanews@gmail.com

कुंडली में कुबेर योग होने से राजा जैसी होती है जिंदगी

कुंडली में कुबेर योग कब बनता है और जीवन पर क्या होता है इसका प्रभाव, इन बातों से जानें

ज्योतिष शास्त्र में कुबेर योग को बहुत ही शुभ योग माना जाता है। जिस व्यक्ति की कुंडली में कुबेर योग होता है, उसका जीवन धन-धान्य, सुख-समृद्धि और भौतिक सुखों संपन्नता से भरी होती है। कुबेर योग को धन लाभ से जोड़कर देखा जाता है। कुबेर योग का नाम धन के देवता कुबेर के ऊपर रखा गया है। आइए, जानते हैं कि किसी व्यक्ति की कुंडली में कुबेर योग कब बनता है।

कुंडली में कब बनता है कुबेर योग?

कुबेर योग की बात करें, तो किसी व्यक्ति की कुंडली में ग्रहों की कुछ विशेष स्थितियां होती हैं, जिनके होने पर कुबेर योग का निर्माण होता है। कुबेर योग का निर्माण तब होता है, जब कुंडली में दूसरे और ग्यारहवें भाव के स्वामी अपनी राशि में या उच्च राशि में हों। दूसरे और ग्यारहवें भाव के स्वामियों के बीच परस्पर राशि विनिमय या युति हो। इन भावों के स्वामियों को अन्य शुभ ग्रहों से सकारात्मक दृष्टि

प्राप्त होती है, तो कुबेर योग और भी ज्यादा मजबूत होता है।

ज्योतिष शास्त्र में आर्थिक संपन्नता से जुड़ा है दूसरा और ग्यारहवां भाव

कुबेर योग जन्म कुंडली में दूसरे भाव और ग्यारहवें भाव के स्वामियों की अनुकूल स्थिति से बनता है। ज्योतिष में दूसरा भाव धन, वित्त, भौतिक संपत्ति और पारिवारिक संसाधनों का कारक माना जाता है, जबकि ग्यारहवां भाव लाभ, आय और इच्छाओं की पूर्ति का प्रतिनिधित्व करता है। जन्म कुंडली में दूसरा भाव का स्वामी व्यक्ति के धन और संचित संपत्ति का कारक होता है। दूसरे भाव और उसके स्वामी से जुड़े ग्रह व्यक्ति की वित्तीय स्थिति और भौतिक संपत्ति को काफी प्रभावित करते हैं। जबकि कुंडली में ग्यारहवें भाव की बात करें, तो ग्यारहवें भाव का स्वामी लाभ, आय और इच्छाओं की पूर्ति का कारक होता है। यह आशाओं, आकांक्षाओं और विभिन्न माध्यमों से संसाधन और धन प्राप्त करने का भाव है।

?कुंडली में कुबेर योग होने के प्रभाव?

जब किसी व्यक्ति की कुंडली में कुबेर योग बनता है, तो उसे जीवन में कभी आर्थिक तंगी नहीं होती। उसे हमेशा धन संचय के अवसर मिलते रहते हैं। साथ ही उसका करियर भी हमेशा नए आयामों को छूता है, जिससे उसके जीवन में आर्थिक स्थिरता बनी रहती है। इसके साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है।

?कुबेर योग से आमदनी बढ़ती जाती है ?

जिन लोगों की कुंडली में कुबेर योग होता है उन्हें रोजगार के अलावा भी अन्य स्रोतों से धन की प्राप्ति होती रहती है और एक से अधिक स्रोत से इनको धन लाभ मिलता है। खासकर बिजनेस करने वाले लोगों की आमदनी तेजी से बढ़ती जाती है। इसके अलावा भौतिक सुखों में भी वृद्धि होती है। व्यक्ति नया घर, वाहन खरीदता है और जमीन-जायदाद के मामले में भी खूब निवेश करता है।

?बिजनेस में होते हैं बहुत ही सफल

कुंडली में कुबेर योग होने से व्यक्ति को बिजनेस में भी काफी लाभ होता है। खासकर बिजनेस करने वाले लोग थोड़े से ही प्रयास में ही बड़ी सफलता प्राप्त कर लेते हैं और कुछ ही सालों की मेहनत में बिजनेस में खूब पैसे और नाम कमाते हैं। वहीं, कुबेर योग का प्रभाव धन संचय यानी मनी सेविंग्स पर भी रहता है। ऐसे लोग अपने पैसों को सही जगह पर निवेश करते हैं, जिससे उन्हें काफी लाभ होता है।

जनादेश 2024

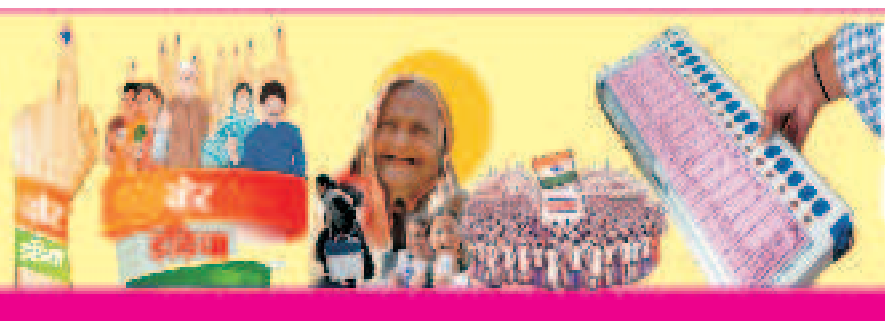

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetnanews.com
प्रयागराज, गुरुवार 02 मई 2024
12

फिरोजाबाद लोक सभा सीट पर कुल सात प्रत्याशी चुनाव मैदान में है

फिरोजाबाद सीट पर सपा-भाजपा के बीच चुनौतीपूर्ण संघर्ष

फिरोजाबाद,वार्ता। फिरोजाबाद लोकसभा सीट पर तीसरे चरण का चुनाव प्रचार तेजी पकड़ता जा रहा है। इस सीट पर भाजपा, सपा और बसपा के त्रिकोणीय संघर्ष में भाजपा और सपा प्रत्याशी के बीच चुनौतीपूर्ण संघर्ष की स्थिति बन गई है।

दोनों ही दलों के प्रत्याशियो की जीत पक्की करने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की चुनावी सभाओं का सिलसिला जारी है। हालांकि हार जीत का फैसला तो लोकसभा क्षेत्र के करीब 19 लाख मतदाताओं के द्वारा किया जाना है।

फिरोजाबाद लोकसभा सीट समाजवादी पार्टी का गढ़ मानी जाती है। हालांकि इस सीट पर कभी किसी राजनीतिक दल का एक छत्र राज्य नहीं रहा है। मैनपुरी जनपद से लगे होने के कारण नए परिसीमन के बाद यह लोकसभा सीट यादव बाहुल्य मतदाताओ की वजह से समाजवादी पार्टी के गढ़ में शामिल मानी जाती है।

फिलहाल यहां पांच विधानसभा में से

तीन विधानसभा पर? समाजवादी पार्टी का कब्जा है जबकि दो भाजपा के पास है। इस लिहाज से सीधा-सीधा संघर्ष सपा और भाजपा के बीच माना जा रहा है।

फिरोजाबाद लोक सभा सीट पर कुल सात प्रत्याशी चुनाव मैदान में है जिसमें मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी ने ठाकुर विश्व दीप सिंह को वर्तमान सांसद डॉक्टर चंद्र सेन जादौन के स्थान पर अपना प्रत्याशी बनाया है। विश्व दीप सिंह वर्ष 2014 में बसपा की टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़कर हार चुके हैं इस बार उन्हें भारतीय जनता पार्टी ने टिकट देकर चुनाव लड़ने का मौका दिया है हालांकि उनके पिता वर्ष 1957 में स्वर्गीय ठाकुर ब्रजराज सिंह सोशलिस्ट पार्टी के समर्थन से सांसद चुने गए थे।

वहीं समाजवादी पार्टी ने पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री राम गोपाल यादव के बेटे अक्षय यादव को तीसरी बार यहां चुनाव मैदान में पार्टी की ओर से उतरा है। अक्षय यादव ने 2014 में भाजपा के प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल को शिकस्त देकर विजय प्राप्त की थी वहीं 2019 में भाजपा के डॉक्टर चंद्र सेन जादौन ने अक्षय यादव को हराकर भाजपा को? विजय श्री दिलाई थी।

सुल्तानपुर में रोड शो निकाल मेनका गांधी ने भरा पर्चा

बीजेपी को निषाद वोटों के खिसकने का डर

स्वतंत्र चेतना

सुल्तानपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी प्रत्याशी मेनका गांधी बुधवार को अपने आवास से लाव-लश्कर के साथ नामांकन के लिए निकलीं। इस दौरान उनके साथ योगी सरकार के मंत्री संजय निषाद और आशीष पटेल भी मौजूद रहे। अयोध्या-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर मेनका गांधी का जब रोड शो निकला तो सैकड़ों कार्यकर्ता हाथों में बीजेपी का झंडा लिए नारेबाजी कर रहे थे। बीजेपी कार्यकताओं में भारी उत्साह का माहौल देखा गया। मुख्य सड़क से लेकर लोगों

के घरों तक से रोड शो देखने वालों का मजमा लगा रहा। जगह-जगह पुष्प वर्षा हुई। मेनका का काफिला कलेक्ट्रेट पहुंचा जहां उन्होंने नामांकन किया।

इस बार सपा प्रत्याशी के रूप में निषाद चेहरा आने से बीजेपी निषादों के वोट बैंक पर डोरे डालने के प्रयास में लगी हुई हैं।

वोटिंग के जरिये भाजपा को लगायें हार का इंजेक्शनः शिवपाल

इटावा,वार्ता। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने बुधवार को कहा कि जनता मतदान के जरिये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हार का ऐसा इंजेक्शन लगाए कि उसका दर्द दिल्ली तक महसूस हो।

मैनपुरी संसदीय सीट से पार्टी उम्मीदवार डिंपल यादव के समर्थन में इटावा जिले के जसवंतनगर विधानसभा के रायनगर, बलरई ओर धनुआ गांव में जनसभाओं को संबोधित करते हुये उन्होने कहा भले ही मुख्यमंत्री उनके बारे में चूरन जैसे बयान दे रहे हो लेकिन वह यह क्यों भूल जाते हैं, मेरे जैसे चूरन ने कई बड़ी-बड़ी शक्तियों और कई लोगो का हाजमा भी दुरुस्त कर दिया है, इसलिए सभी सपाई एकजुट होकर भाजपा को ऐसा इंजेक्शन वोटिंग के जरिए लगाना जिसकी चीख दिल्ली तक सुनाई दे।

लोकसभा चुनाव 2024

पिछले 10 साल से हम सत्ता में है, हमने आरक्षण नहीं हटाया, ना हटाएंगे:अमित शाह

छत्तीसगढ़। गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में नई भाजपा सरकार में चार महीने में 95 नक्सलियों को मार गिराया गया। उन्होंने कहा कि अगर नरेन्द्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनते हैं तो दो साल में छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने विपक्ष पर वार करते हुए कहा कि झूठ जोर से बोलना, सार्वजनिक रूप से बोलना और बार-बार बोलना ही कांग्रेस का मंत्र बन गया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम पिछले 10 साल से बहुमत में हैं, लेकिन हमने आरक्षण नहीं हटाया और ना ही इसे हटाएंगे।

अमित शाह ने कोरबा की रैली में कहा कि हम एसटी, एससी और ओबीसी के आरक्षण को नहीं हटाएंगे, ना ही हम कांग्रेस को ऐसा करने देंगे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रभु राम का ननिहाल है। कांग्रेस 70 साल से अटका रही थी, लटका रही थी, भटका रही थी।

झूठ बोलना कांग्रेस की आदत

छत्तीसगढ़ वालों ने 11 में से 9 सीटें देकर मोदी जी को दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया और उन्होंने 5 साल में ही केस भी जीता, भूमिपूजन भी किया और 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा करके जय श्रीराम कर दिया। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के भूपेश कक्का की सरकार नक्सलवाद को बढ़ावा देती रही। लेकिन हमारे विष्णुदेव जी की सरकार बनने के बाद 4 महीने में ही 95 नक्सलियों को ढेर कर दिया गया। 350 गिरफ्तार हुए और कई ने सरेंडर कर दिया।

शाह ने कहा कि मोदी जी ने झारखंड, ओडिशा, बिहार, तेलंगाना, आंध्र, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से नक्सलवाद को 5 साल में समाप्त किया है। छत्तीसगढ़ छूट गया था, क्योंकि यहां भूपेश कक्का की सरकार थी। आप मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बना दीजिए, 2 साल में ही नक्सलवाद को हम जड़ से उखाड़ कर फेंक देंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के लिए इस देश में आतंकवाद और नक्सलवाद का पोषण कांग्रेस वर्षों से कर रही है। लेकिन अब आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। यहां आपने भाजपा की सरकार बनाई है, केंद्र में भी मोदी जी की सरकार तीसरी बार बनने वाली है, उसके बाद नक्सलवाद को जाना ही पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अभी 2 चरण के चुनाव हुए हैं। इन 2 चरणों में मोदी जी सेंचुरी मारकर बहुत आगे निकल गए हैं। तीसरे चरण में हमे 400 पार की दिशा में आगे बढ़ना है। शाह ने कहा कि मोदी जी के पास 10 साल का ट्रैक रिकॉर्ड भी है और 25 साल का एजेंडा भी है। छत्तीसगढ़ ज्यादातर पिछड़ा वर्ग, दलित और आदिवासी भाई-बहनों का क्षेत्र है। मोदी जी ने 2014 में कहा था कि हमारी जो सरकार बनेगी, वो गरीबों, दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों की होगी।

बसपा प्रत्याशी श्रीकला सिंह ने किया नामांकन

स्वतंत्र चेतना

जौनपुर। जौनपुर लोकसभा क्षेत्र में नामांकन के तीसरे दिन आज बुधवार को पूर्व सांसद धनंजय सिंह की पत्नी और जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकला धनंजय सिंह ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रत्याशी के तौर पर अपना नामांकन दाखिल किया।

श्रीमती सिंह ने जिला निर्वाचन अधिकारी सह जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉंदड़ के यहाँ अपना नामांकन दाखिल किया। जौनपुर लोकसभा क्षेत्र से बसपा उम्मीदवार श्रीकला सिंह पूर्व सांसद धनंजय सिंह की पत्नी हैं। धनंजय सिंह को मई वर्ष 2020 में लाइन बाजार थाना में अपहरण व रंगदारी के मामले में दर्ज मुकदमे में सात साल की सजा हुई है, हालांकि बीते शनिवार को उन्हें प्रयागराज हाईकोर्ट ने जमानत दी है। कोर्ट द्वारा सजा में कोई ढील देने के कारण धनंजय सिंह चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। समाज विकास क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं जौनपुर लोकसभा सीट से प्रत्याशी अशोक सिंह ने बुधवार को पुनः पर्चा दखिल किया। अशोक सिंह महाराष्ट्र में उद्यमी हैं। बीते दिनों आचार संहिता के उल्लंघन में उनके खिलाफ लाइन बाजार थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था।

एनडीए ने आंध्र प्रदेश में जारी किया घोषणापत्र

चंद्रबाबू नायडू के मुस्लिम आरक्षण के वादे से दिखी दूरी

आंध्र प्रदेश। टीडीपी सुप्रीमो एन चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश में एनडीए सहयोगियों टीडीपी, जनसेना और बीजेपी के चुनाव घोषणापत्र का अनावरण किया। हालाँकि, गठबंधन के घोषणापत्र में मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण का उल्लेख नहीं किया गया था, जैसा कि घोषणापत्र जारी होने से दो दिन पहले पूर्व मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी। घोषणापत्र का मुख्य आकर्षण सुपर सिक्स रहा, जिसमें 19 से 59 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं के लिए 1,500 रुपये मासिक पेंशन, युवाओं के लिए 20 लाख नौकरियां या 3,000 रुपये मासिक बेरोजगारी सहायता और महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा शामिल है। 28 अप्रैल को एक्स पर एक वीडियो संदेश में नायडू ने कहा था, मुसलमानों में आज भी गरीबी बहुत ज्यादा है। ऐसे समय में उनकी मदद करना हमारी ज़िम्मेदारी है। इसी क्रम में हम मुसलमानों के लिए 4 फीसदी आरक्षण बचाकर रखेंगे। इसमें और कोई विचार नहीं है। उसी दिन, नेल्लोर में मुस्लिम समुदाय के

साथ बातचीत के दौरान, नायडू ने कहा कि उनकी पार्टी ने सर्वश्रेष्ठ अधिवक्ताओं को काम पर रखा है और सुप्रीम कोर्ट में चार प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण के लिए लड़ाई लड़ी है। यह तब हुआ जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि वह धर्म के आधार पर दलितों, आदिवासियों और अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) का कोटा मुसलमानों को नहीं देने देंगे।कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने सबसे पुरानी पार्टी पर 2004 और 2009 में सत्ता में रहने के दौरान मुसलमानों को ओबीसी का आरक्षण देकर और साथ ही उन्हें आश्रय देकर अविभाजित आंध्र प्रदेश को तुष्टीकरण की प्रयोगशाला बनाने का भी आरोप लगाया था।

सांसद प्रज्वल रेवन्ना के बहाने प्रियंका गांधी ने फिर साधा मोदी पर निशाना, बोलीं- वह लोगों की हकीकत से कोसों दूर

धुबरी/असम। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने बुधवार को असम के धुबरी में एक रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जद (एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना को भारत छोड़ने से नहीं रोका। उन्होंने पीएम मोदी को ह्यअहंकारीह्ल व्यक्ति भी कहा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी आम लोगों की हकीकत से कोसों दूर हैं। उसे उनके दुखों की कोई समझ नहीं है क्योंकि वह अहंकारी हो गया है। पूर्व प्रधान मंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते रेवन्ना अपने निर्वाचन क्षेत्र हासन में सैकड़ों स्पष्ट वीडियो सामने आने के बाद सेक्स स्कैंडल में फंस गए हैं।

प्रियंका ने कहा, पीएम मोदी ने उन्हें भारत छोड़ने से नहीं रोका। यह पहली बार नहीं था जब प्रियंका गांधी वाड्रा ने सेक्स स्कैंडल को लेकर पीएम मोदी पर हमला बोला हो। इस हफ्ते की शुरूआत में उन्होंने इस मामले पर पीएम मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाया था। वहीं, अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह ऐसी धरती है, जहां से पूरे देश को संदेश जाता है कि यह पूरा देश एक परिवार है और इस देश के लिए हम सब एकजुट होकर लड़ेंगे। राहुल गांधी जी ने दो यात्राएं निकाली। यात्रा का मकसद लोगों को संदेश देना था कि यह देश हम सबका है, हम एक हैं। चाहे किसी को अच्छा लगे या न लगे, राहुल जी सिर्फ सत्य बोलते हैं और सत्य के पथ पर चलते हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि सत्य की परंपरा.. हमारे देश की परंपरा है। महात्मा गांधी जी भी सत्य की राह पर चले थे। हमारे स्वतंत्रता आंदोलन की नींव भी- सत्य, सच्चाई, जनता की सेवा- ही थी। उन्होंने कहा कि आज देश में जैसी राजनीति चल रही है, उसे आपको गहराई से समझना पड़ेगा। एक जमाने में मीडिया जनता का प्रतिनिधित्व करती थी, सत्ता से सवाल किया जा सकता था। लेकिन आज सारी संस्थाएं एक पार्टी के साथ खड़ी हैं। चाहे वह मीडिया हो या चुनाव आयोग। आज लोकतंत्र और संविधान को मजबूत करने वाले सारे रास्ते बंद किए जा रहे हैं।

अमेठी-रायबरेली को लेकर कांग्रेस में सस्पेंस बरकरार, सूत्रों का दावा- राहुल और प्रियंका नहीं दिखा रहे दिलचस्पी

स्वतंत्र चेतना

अमेठी। नेहरू-गांधी परिवार के गढ़ कहे जाने वाली अमेठी और रायबरेली सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित करने में कांग्रेस की देरी ने पार्टी नेताओं और कार्यकताओं को हैरान कर दिया है। राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी वाद्रा अमेठी और रायबरेली की दौर से झिझक रहे हैं, जिसके कारण अंतिम समय में उनमें से एक या दोनों को दौड़ में शामिल होने के लिए मनाने की कोशिश की जा रही है। सबसे पुरानी पार्टी चाहती है कि राहुल और प्रियंका दोनों चुनाव लड़ें और उसने रायबरेली और अमेठी सीटों के लिए किसी अन्य उम्मीदवार का चयन नहीं किया है। न सीटों के लिए नामांकन दाखिल करने की समय सीमा 3 मई को समाप्त हो रही है, दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में 20 मई को मतदान होना है। पार्टी में कई लोगों का मानना ??है कि हिंदी पट्टी से गांधी परिवार की अनुपस्थिति एक नकारात्मक राजनीतिक संदेश देगी।

मोदी को प्रधानमंत्री बनाने की कामना से किन्नरों ने किया हवन

स्वतंत्र चेतना

प्रयागराज। श्री नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की कामना से किन्नरों ने तीर्थराज प्रयाग में बुधवार को हवन-पूजन किया।

किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर और उत्तर प्रदेश किन्नर कल्याण बोर्ड की सदस्य कौशल्या नंद गिरि (टीना मां) के नेतृत्व में बैरहना स्थित आश्रम में तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की कामना लेकर किन्नरों ने यज्ञ किया। पूजन में बड़ी संख्या में किन्नर पीले वस्त्र में मौजूद रहे। प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के कटआउट के सामने खड़े होकर सभी ने आरती उतारी और तिलक लगाकर किन्नरों ने उनके विजय श्री की प्रार्थना भी की।

महामंडलेश्वर टीना मां ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में तिरपाल से निकलकर श्रीराम अपने घर में विराजमान हो गए। ऐसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिर से देश को संभालें यही हम सबकी कामना है, देश का विकास उन्ही के नेतृत्व में संभव है।

, उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार में किन्नरों को पहचान मिली है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार में किन्नरों के हित की बात की जाती है।

अमेठी 43 साल बाद फिर दोहरा सकता है इतिहास

स्वतंत्र चेतना

अमेठी। लोकसभा सीट अमेठी अपना पुराना इतिहास दोहराने के कगार पर खड़ी है। इस सीट से कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी की घोषणा अभी तक नहीं हो सकी है। लगातार संशय बरकरार है। ऐसा प्रतीत हो रहा है की 1981 के उपचुनाव को अमेठी 2024 में दोहराएगा। अर्थात पार्टी के प्रत्याशी की घोषणा के साथ ही उसी दिन नामांकन भी हो सकता है। दरअसल तीन मई तक अमेठी लोकसभा सीट के लिए नामांकन करने की अंतिम तिथि निर्धारित है। लेकिन अभी तक कांग्रेस पार्टी के द्वारा किसी भी प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की जा सकी है। 1980 के आम चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी के छोटे सुपुत्र संजय गांधी चुनाव मैदान में उतरे और अमेठी से उनको जबरदस्त जीत हासिल हुई। लेकिन यह जीत की खुशियां लंबी नहीं हो सकी। क्योंकि एक साल के अंदर ही संजय गांधी की विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई। इसके बाद अमेठी लोकसभा सीट पर 1981 में उपचुनाव कराए गए। इस उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी अपने उम्मीदवार के चयन को लेकर लगातार वाहनों की स्थिति बनी रही। 1981 में लोक दल ने शरद यादव को टिकट दिया था। उन दिनों समाजवादी नेता शरद यादव काफी तेज तर्रार नेता माने जाते थे।

दो दिन शेष पर बृजभूषण पार्टी आलाकमान से हरी झंडी के इंतजार में

स्वतंत्र चेतना

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के लिये कैसरगंज लोकसभा सीट गले की फांस बन गई है। एक तरफ यहां के मौजूदा बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह पार्टी पर टिकट के लिये दबाव बना रहे हैं तो दूसरी ओर बृजभूषण महिलाओं खिलाड़ियों के शारीरिक शोषण के आरोपों के चलते विपक्ष के निशाने पर हैं। हालत यह है कि तीन मई को नामांकन की अंतिम तिथि है और बीजेपी यहां से प्रत्याशी ही नहीं तय गर पाई है। बीजेपी ने अभी तक कैसरगंज सीट को लेकर फैसला नहीं किया है, इसको लेकर उसे फजीहत भी उठाना पड़ रही है। बता दें बृजभूषण सिंह बीते काफी समय से कैसरगंज इलाके में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। वह खुद को टिकट मिलने को लेकर आश्वस्त भी नजर आ रहे हैं। लेकिन बीजेपी ने अभी तक उनके नाम का ऐलान नहीं किया है।

पतंजलि ऋषिकुल में उत्साह के साथ मनाया गया श्रमिक दिवस

स्वतंत्र चेतना,हरिद्वार। पतंजलि ऋषिकुल में श्रमिकों को सम्मानित करते हुए अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस मनाया गया। विद्यालय में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों को उनके कार्य एवं समर्पण के लिए विद्यालय और विद्यार्थियों द्वारा आभार प्रकट किया तथा उनके सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन कर उन्हें सम्मानित करते हुए कार्ड व उपहार भेंट किए। बच्चों ने स्कूल के सहायक कर्मचारियों, ड्राइवर, माली, आया, स्वीपर आदि का धन्यवाद किया। इस अवसर पर श्रमिकों का अपने जीवन में महत्व को समझते हुए बच्चों ने बहुत संवेदन शीलता के साथ विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों जैसे भाषण, कविता पाठ, स्लोगन, ग्रीटिंग कार्ड, उपहारों की टोकरी, पोस्टर, पुष्प गुच्छ बनाना आदि का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 1 से 12 तक के सभी विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

विद्यालय की उपाध्यक्षा डॉ. कृष्णा गुप्ता ने श्रमिकों को शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए कहा कि ये सब विद्यालय परिवार का अभिन्न अंग हैं और विद्यालय के वातावरण को बनाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। विद्यालय की निदेशिका मैडम रेखा वैद एवं सचिव श्री यशोवर्धन जी ने कहा कि चिलचिलाती धूप, कड़ाके की ठंड तथा मूसलाधार बारिश में भी बिना रुके, बिना थके काम में लगे रहने वाले कठोर परिश्रमी मजदूरों के जीवन से प्रेरणा लेने की हम सभी को आवश्यकता है। समाज व देश के निर्माण में जितना योगदान इंजीनियर, डाक्टरों, शिक्षकों व वैज्ञानिकों सहित शिक्षित वर्ग का है उतना ही मजदूर व श्रमिकों का भी है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री नित्यानंद सिंह जी ने छात्रों को श्रमिकों के प्रति सदैव संवेदनशील रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सभी को मजदूर व श्रमिक वर्ग की मेहनत और समर्पण का सम्मान व सराहना करनी चाहिए क्योंकि इनके बिना मानव समाज का संपूर्ण विकास नहीं हो सकता।